नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 47

सोमवार, 05 से 11 जनवरी 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

पुस्तक मेलाः मेले में उमड़ी भीड़, किताबों के लिए लगी लाइनें 03

वेनेजुएला के बाद मेक्सिको ट्रंप के निशाने पर आया... 08

विराट पारी से भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया 10

शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं डार्क सर्कल्स 11

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

इस्माईल खान

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की 12

पीएम मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का किया उद्घाटन

यह समिट ग्लोबल ग्रोथ का बड़ा उदाहरण : मोदी

राजकोट, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के राजकोट में मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यजब वाइब्रेंट गुजरात समिट का मंच सजता है, तो मुझे यह सिर्फ समिट नहीं दिखती। मुझे यह 21वीं सदी के आधुनिक भारत की वह यात्रा नजर आती है, जो एक सपने से शुरू हुई और आज एक अटूट भरोसे तक पहुंच चुकी है।

पीएम मोदी ने कहा कि दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात की यह यात्रा ग्लोबल बेंचमार्क बन गई है। वाइब्रेंट गुजरात समिट के विजन के साथ मैं पहले दिन से जुड़ा रहा हूं। सोमनाथ दादा के चरणों में सिर झुकाकर यह सफर शुरू हुआ है। मुझे वाइब्रेंट समिट में कोई समिट नहीं दिख रहा है। अब वाइब्रेंट समिट आगे बढ़ गया है। इसके 10 एडिशन हो चुके हैं। ग्लोबल पार्टनर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह समिट ग्लोबल ग्रोथ का एक बड़ा उदाहरण बन गया है।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल ग्रोथ पार्टनरशिप का एक प्लेटफॉर्म बन गया है। अब वाइब्रेंट समिट इन्वेस्टमेंट से आगे बढ़ गया है। गुजरात का मतलब डेवलपमेंट के साथ-साथ हेरिटेज भी है। पिछले दो दशकों में वाइब्रेंट समिट में बहुत कुछ नया हुआ है। यह समिट पोटेंशियल को रियलिटी में बदलता है।

पीएम मोदी ने कहा कि हम संभावनाओं पर फोकस करके आगे बढ़ रहे हैं। गुजरात में कोऑपरेटिव सेक्टर भी एक्टिव है। हम हर सेक्टर की संभावनाओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की ओर बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग देश है। आज भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है। भारत ने पिछले कुछ सालों में बहुत तरक्की की है। आज ग्लोबल इंस्टीट्यूशन भारत को लेकर बुलिश हैं। आईएमएफ भारत को ग्लोबल ग्रोथ के इंजन के तौर पर दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत से दुनिया की उम्मीदें बढ़ रही हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। इंफ्लेशन काबू में है। एग्रीकल्चर प्रोडक्शन में नए रिकॉर्ड बना रहा है। मिल्क प्रोडक्शन में नंबर वन है। जेनेरिक मेडिसिन प्रोडक्शन में नंबर वन है। दुनिया में जो सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाता है, वो भारत है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ गुजरात के वो इलाके हैं जो हमें सिखाते हैं कि चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अगर आप ईमानदारी और मेहनत से काम करते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। इसी कच्छ ने भूकंप देखे हैं। सौराष्ट्र में सूखा पड़ा था। लोगों को पानी के लिए किलोमीटरों दूर जाना पड़ता था। हर तरफ मुश्किलें थीं। आज युवाओं ने सिर्फ. उस समय की कहानियाँ सुनी हैं। लोग कच्छ और सौराष्ट्र में ज्यादा समय तक रहने को तैयार नहीं थे। लेकिन, इतिहास गवाह है और समय बदलता है।

भारत के युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूत कर रहे हैंः मोदी

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत के युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूत कर रहे हैं। मोदी ने यह बात आज वीडियो संदेश के माध्यम से श्रीमद् विजयरत्न सुंदर सूरीश्वरजी महाराज की 500वीं पुस्तक के विमोचन समारोह में कही। इस पुस्तक का विषय प्रेमनु विश्व, विश्वनो प्रेम है। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है, जहां के युवा विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं और अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूत कर रहे हैं। इस परिवर्तन में महाराज साहब जैसे संतों का मार्गदर्शन और साहित्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मात्र एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक मंत्र है, जो प्रेम की शक्ति का परिचय देता है। विशेष रूप से आज, जब विश्व विभाजन और संघर्ष से जूझ रहा है, तब इस पुस्तक की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने जैन दर्शन के मार्गदर्शक सिद्धांत परस्परोपग्रहो जीवनम् का उल्लेख किया और इसका अर्थ बताते हुए कहा कि प्रत्येक जीवन दूसरे से जुड़ा हुआ है। जब इस सिद्धांत को समझा जाता है, तो हमारा दृष्टिकोण व्यक्ति से हटकर सामूहिक हित की ओर मुड़ जाता है और हम व्यक्तिगत आकांक्षाओं से ऊपर उठकर समाज, राष्ट्र तथा मानवता के लक्ष्यों के बारे में सोचने लगते हैं। उन्होंने कहा कि महाराज की 500 रचनाएं एक विशाल सागर के समान हैं, जिनमें अनगिनत विचार रत्न समाहित हैं, जो मानवता की समस्याओं के सरल और आध्यात्मिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नवकार मंत्र दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर लिए गए नौ संकल्पों को आज एक बार फिर दोहराया, जो राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए आवश्यक हैं।

एटीएम से पीएफ निकासी की सुविधा अप्रैल तक शुरू होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने कर्मचारी को भविष्य निधि (पीएफ) खाते में जमा धनराशि को एटीएम कार्ड व यूपीआई के जरिए निकासी की सुविधा देने की दिशा में काम कर रहा है। इसको लेकर ईपीएफओ अपने आईटी सिस्टम को एडवांस बना रहा है, जिसके लिए नए सॉफ्टवेयर पर काम चल रहा है। परीक्षण की प्रक्रिया करीब अंतिम दौर में है। बताया जा रहा है कि अप्रैल तक एटीएम से निकासी की सुविधा शुरू हो जाएगी। ध्यान रहे कि बीते वर्ष श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने ऐलान किया था कि ईपीएफओ सदस्यों के लिए निकासी की सुविधा को आसान बनाया जाएगा।

सदस्य बिना किसी अनुमति के जमा धनराशि में से एक निश्चित धनराशि निकाल सकें। इसके लिए ईपीएफओ द्वारा एटीएम के जरिए निकासी की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए ईपीएफओ ने आईटी सिस्टम को कोर बैंकिंग की तरह अपडेट किए जाने की दिशा में काम शुरू किया। सूत्रों का कहना है कि ईपीएफओ 3.0 के सभी मॉड्यूल का ट्रायल हो चुका है। मौजूदा वक्त में कोई तकनीकी दिक्कत नहीं है लेकिन उसके बाद भी ईपीएफओ पूरी तरह से सुनिश्चित करना चाहता है कि उपयोग में आने के बाद कोई तकनीकी दिक्कत न हो। इसके लिए हर कोण से परीक्षण किया जा रहा है। अंतिम रूप से सुनिश्चित होने के बाद सदस्यों के लिए एटीएम से निकासी की सुविधा शुरू की जाएगी। इसके लिए विशेष कार्ड कार्ड जारी किया जाएगा, जिसके जरिए सदस्य एटीएम से धनराशि निकल सकेंगे या फिर धनराशि को अपने बचत खाते में ट्रांसफर कर यूपीआई के जरिए उपयोग कर पाएंगे। ध्यान रहे कि कुछ महीने पहले ही ईपीएफओ ने सदस्यों के लिए पीएफ खाते में जमा धनराशि को 75 प्रतिशत तक निकालने की सुविधा दी है। ऐसे में भविष्य में सदस्यों को तत्काल आवश्यक्ता होने पर आसानी से निकासी की सुविधा मिल सकेगी।

एक नजर

आई-पैक छापेमारी मामले में शीर्ष कोर्ट पहुंची ईडी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परामर्श फर्म (आई-पैक) के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। ईडी ने याचिका में आरोप लगाया है कि छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अवरोध पैदा किया। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने मामले में कैविएट दाखिल कर अपील की है कि उसका पक्ष सुने बिना मामले में कोई फैसला नहीं दिया जाए। पश्चिम बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर कर कहा है कि इस मामले में राज्य सरकार की दलील सुने बिना कोई फैसला न दे।

ईडी ने आरोप लगाया कि छापेमारी के दौरान पहुंची मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जबरदस्ती जरूरी साक्ष्य उठा लिए और अपने साथ लेकर चली गईं। ईडी ने कहा है कि राज्य सरकार लगातार कार्रवाई में बाधा डाल रही है। इसके साथ ही राज्य प्रशासन कोई सहयोग नहीं कर रहा। ईडी ने शीर्ष कोर्ट से अपील की है कि वे मामले की सीबीआई से स्वतंत्र जांच कराने का निर्देश जारी करे। सूत्रों का दावा है कि ईडी की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है। मालूम हो कि ईडी ने नौ जनवरी को इस मामले में कोलकाता हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का स्वास्थ्य अब ठीक है। इसलिए शनिवार को शाम पांच बजे उन्हें गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फेफड़े में संक्रमण होने से ब्रोंकियल अस्थमा के कारण वह एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थीं। जहां चेस्ट मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. अरूप बसु के नेतृत्व में उनका इलाज किया गया। अस्पताल के बोर्ड प्रबंधन के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि उन्हें पांच जनवरी को अस्पताल में भर्ती किया गया था। इलाज का उन पर अच्छा असर हुआ और सेहत में सुधार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

चिंतन शिविर में बिजली संशोधन विधेयक पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। कई वर्षों से लगातार विरोध का सामना कर रहे बिजली संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए ऊर्जा मंत्रालय ने चिंतन शिविर आयोजित करने का फैसला किया है। चिंतन शिविर में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य और देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का खाका तैयार किया जाएगा। इस माह की 22 और 23 तारीख को होने वाले ऊर्जा मंत्रालय के चिंतन शिविर में सबसे अहम मुद्दा बिजली संशोधन विधेयक रहेगा। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चिंतन शिविर में सभी राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे, ऐसे में केंद्र सरकार विधेयक पर उनकी चिंताओं को सुनकर उन्हें दूर करने की कोशिश करेगी।

केंद्र सरकार की नीतियों के केंद्र में महिला नेतृत्व वाला विकास : हरदीप पुरी

कोयंबटूर/नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की योजनाओं ने भारत के विकास की दिशा बदल दी है। अब सरकार की सोच केवल महिलाओं के लिए योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और अधिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

ये बातें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में भाजपा की प्रोफेशनल सेल द्वारा आयोजित ह्यप्रोफेशनल्स कनेक्ट 2026ह्न सम्मेलन में पेशेवरों, उद्योग जगत के लोगों, शिक्षकों, उद्यमियों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कोयंबटूर शहर को व्यापार, अनुशासन और शांत आत्मविश्वास का प्रतीक बताया।

हरदीप पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए देश में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए तेल और गैस से जुड़ी पूरी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है और हरित ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की कई दूरदर्शी योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिला, जिनसे लोगों का जीवन बेहतर हुआ और दुनिया भर में भारत की पहचान बनी। इन योजनाओं ने महिलाओं के लिए विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की सोच को मजबूत किया है। चर्चा के दौरान हरदीप पुरी ने केंद्र सरकार की सुधार योजनाओं और नीतियों के सकारात्मक प्रभावों की बात की। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से भारत की आर्थिक प्रगति को मजबूती मिली है और देश अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि इन सुधारों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है, जिससे सामाजिक और आर्थिक भागीदारी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ी है।

छात्रों को 'परीक्षा पे चर्चा' का इंतजार, रजिस्ट्रेशन संख्या 4.46 करोड़ के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 में शामिल होने के लिए अब तक करीब साढ़े चार करोड़ लोग अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। परीक्षाओं से जुड़े प्रधानमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन अभी भी जारी है।

शिक्षा मंत्रालय ने इस राष्ट्रीय संवाद में प्रधानमंत्री के साथ जुड़ने के लिए छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को आमंत्रित किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस संवाद में पढ़ाई, समय के सही उपयोग, एकाग्रता और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर चर्चा होगी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार कक्षा 6 से कक्षा 12 के सभी विद्यार्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही अभिभावक और शिक्षक भी इसमें भाग ले सकते हैं।

मंत्रालय के मुताबिक रविवार 11 जनवरी तक 4 करोड़ 46 लाख 75,068 लोगों ने परीक्षा पे चर्चा का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे परीक्षा पे चर्चा से जुड़ें और इस संवाद का हिस्सा बनें। रजिस्ट्रेशन करवाने वालों में सबसे अधिक संख्या छात्रों की है। पंजीकरण कराने वाले कुल व्यक्तियों में से 4 करोड़ 15 लाख 94,744 छात्र हैं।

रजिस्ट्रेशन करवाने वाले ये छात्र देश-दुनिया के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी हैं। वहीं 24 लाख 71 हजार 103 शिक्षकों ने भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनके अलावा अभी तक 6 लाख 9 हजार 221 अभिभावकों ने भी अपना पंजीकरण कराया है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि देश के करोड़ों छात्रों के लिए ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्न एक बहुप्रतीक्षित संवाद कार्यक्रम है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे।

खास बात यह है कि प्रधानमंत्री के संवाद में छात्रों के साथ साथ उनके माता-पिता और शिक्षक भी शामिल हो रहे हैं। ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्न का मूल उद्देश्य परीक्षाओं से जुड़े तनाव को कम करना, विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना और पढ़ाई को एक सकारात्मक अनुभव बनाना है। एक विशेष प्रक्रिया के जरिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों का चयन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का यह विशेष संवाद छात्रों में परीक्षा का तनाव दूर करने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए है। इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का यह 9वां संस्करण होना है। यह संवाद इसी महीने जनवरी में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि परीक्षा पे चर्चा 2026 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया अभी भी चालू है।

देश दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कक्षा 6 से 12 तक के छात्र इसमें शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्रों द्वारा पंजीकरण करवाया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह विशेष संवाद छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को एक साथ लाकर परीक्षाओं को सीखने के उत्सव में बदलने का प्रयास करता है।

आरएसएस समय के साथ विकसित हो रहा है, नए रूप धारण कर रहा है: मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है।

आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म शतक के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है। इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, निर्देशक आशीष मॉल, सह-निमार्ता आशीष तिवारी और आरएसएस के पदाधिकारी भैयाजी जोशी उपस्थित थे।

भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।ह्न उन्होंने कहा, ह्नजिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है।

भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार महज 11 साल के थे जब उनके माता-पिता की प्लेग से मृत्यु हो गई, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी संवाद करने या अपने मन की बात कहने के लिए कोई नहीं मिला।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

भारत के पास नरेंद्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवारः मुकेश अंबानी

अहमदाबाद, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा, वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत अडिग है। राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार के कारण ये चुनौतियां देश को प्रभावित नहीं कर सकती। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

जींद के उपायुक्त को पीएचसी निडाना में मिली अव्यवस्थाएं

एजेंसी

जींद। जनसुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने गांव निडाना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जलघर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित स्थलों की स्थिति का गहन अवलोकन किया तथा सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन की वर्तमान स्थिति गंभीर पाई गई। भवन में सीलन, दीवारों व छत में दरारें, फर्श की जर्जर अवस्था तथा प्रकाश एवं वायु संचार की अपर्याप्त व्यवस्था को देखते हुए उपायुक्त ने मरीजों, विशेषकर महिला एवं बाल मरीजों, चिकित्सीय स्टाफ तथा आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत तत्काल एहतियाती कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए। जनहित एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिए कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अस्थायी रूप से किसी सुरक्षित सामुदायिक भवन अथवा धर्मशाला में स्थानांतरित किया जाए। इस संबंध में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को दो दिन के भीतर पंचायत से प्रस्ताव पारित करा कर अस्थायी स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि अस्थायी स्थान पर ओपीडी, जांच, दवा वितरण तथा महिला एवं बाल मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक अस्थायी विभाजित कैबिनों का निर्माण शीघ्र करवाया जाए ताकि चिकित्सीय सेवाएं सुरक्षितए सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकें।

गुरुग्राम में नियमों की अनदेखी करने वाले 286 सीएससी सेंटर किए बंद

गुरुग्राम। जिला में सीएससी सेंटरों की जांच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर कड़ा कदम उठाया गया है। जिला प्रबंधक द्वारा अब तक 286 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को बंद कर दिया गया है। जांच में सामने आया कि इन केंद्रों पर सरकार द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट, अधिकृत ब्रांडिंग तथा पुलिस वेरिफिकेशन जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं थीं, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जिला प्रबंधक विकास पूनिया ने बताया कि आम नागरिकों को पारदर्शी एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जिले के सभी सीएससी सेंटरों का भौतिक व दस्तावेजी वेरिफिकेशन किया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रक्रिया लगातार जारी है और प्रत्येक सेंटर को तय मानकों के अनुरूप जांचा जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन के दौरान यदि किसी भी सीएससी सेंटर पर रेट लिस्ट प्रदर्शित नहीं पाई गई, अधिकृत ब्रांडिंग नहीं होगी अथवा पुलिस वेरिफिकेशन अधूरा या अनुपस्थित मिला तो संबंधित सेंटर को बिना किसी पूर्व सूचना के तत्काल बंद कर दिया जाएगा। जिला प्रबंधक विकास पूनिया ने सीएससी संचालकों से अपील की है कि वे सभी निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को सुचारू और सुरक्षित सेवाएं मिलती रहें।

जयभगवान सैनी को 'बाल साहित्य भूषण' सम्मान

हिसार। हिसार के वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद् जयभगवान सैनी को साहित्यिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राजस्थान के नाथद्वारा में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह में 'बाल साहित्य भूषण' सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रविकांत गर्ग, आचार्य विनय महाराज, श्याम प्रकाश देवपुरा, प्रधानमंत्री, साहित्य मंडल द्वारा प्रदान किया गया। सहित्य मंडल श्री नाथद्वारा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला एवं साहित्यकार सम्मान-समारोह में जयभगवान सैनी को शॉल ओढ़ाकर, पटका प्रदान कर, नकद राशि, प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र एवं श्री नाथ द्वारा का स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में जयभगवन सैनी की साहित्यिक सेवाओं पर चर्चा की गई।राज्य मंत्री व अन्य अतिथियों ने जयभगवान की दो नई पुस्तकों 'भागती-दौड़ती मुंबई (यात्रा)', 'जीवन लहरें (उपन्यास)' का लोकार्पण भी किया गया। वैसे तो वरिष्ठ साहित्यकार जयभगवान सैनी की अब तक 35 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। बाल साहित्य पर केंद्रित इनकी 'चुन्नू-मुन्नू', 'पक्षियों का संसार' व 'कलरव करते पक्षी' तीन पुस्तकें भी छप चुकी हैं। इन्हें यह सम्मान बाल साहित्य लेखन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है।कवि-लेखक जय भगवान सैनी इसके अलावा देश के कई हिस्सों में अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। इस सम्मान के लिए इन्हें गुरुवार को अनेक संस्थाओं, मित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

उपभोक्ता शिकायत निवारण में देरी पर लापरवाही स्वीकार नहीं: विक्रम सिंह

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने उपभोक्ता शिकायतों के निस्तारण, सीजीआरएफ, ओम्बुड्समैन एवं एचईआरसी आदेशों के समयबद्ध अनुपालन तथा अदालती मामलों की प्रभावी पैरवी को लेकर व्यापक और सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। यह कदम हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) द्वारा शिकायतों के निस्तारण और आदेशों की अनुपालना में तीव्रता लाने के लिए उठाया गया है। निगम द्वारा जारी सेल्स इंस्ट्रक्शन के अनुसार अब उपभोक्ता शिकायतों का पंजीकरण केवल डीएचबीवीएन के सीजीआरएफ आईटी पोर्टल के माध्यम से होगा और शिकायत की राशि के अनुसार उसका स्वतः संबंधित फोरम में आवंटन किया जाएगा। किसी भी प्रकार की मैनुअल या गैर-वैधानिक प्रक्रिया को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

हरियाणा में नई दरें तय करने को एचईआरसी प्रदेश भर में करेगा सुनवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नई बिजली दरों को तय करने के लिए हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने प्रदेश भर में जनसुनवाई करने का फैसला किया है। इसकी शुरूआत पंचकूला से हुई। वर्तमान में प्रदेश में 83 लाख 40 हजार 34 बिजली उपभोक्ता हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) द्वारा दायर वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) याचिकाओं पर जनसुनवाई हुई। इस जनसुनवाई में काफी संख्या में बिजली उपभोक्ताओं ने हिस्सा लिया। जनसुनवाई की अध्यक्षता एचईआरसी अध्यक्ष नंद लाल शर्मा, सदस्य मुकेश गर्ग व शिव कुमार ने की। इस अवसर पर यूएचबीवीएन के एमडी मनी राम शर्मा, डीएचबीवीएन के एमडी विक्रम सिंह सहित निगमों एवं एचईआरसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। नई बिजली दरों को लेकर करीब चार

घंटे चली सुनवाई में डिस्कॉम्स की ओर से बताया गया कि यूएचबीवीएन के अंतर्गत 3393 गांवों तथा डीएचबीवीएन के अंतर्गत 2517 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि जो गांव अभी शेष हैं, वहां भी अविलंब 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। दोनों बिजली वितरण निगमों की ओर से वर्ष 2026-27 के लिए एआरआर के संबंध में जानकारी दी गई कि नए वित्त वर्ष में 51,156.71 करोड़ रुपये के राजस्व की मांग की गई है, जबकि बताया गया कि इस वर्ष 1,605.16 करोड़ रुपये का सरप्लस होगा, यानी 52,761.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो जाएगा। हालांकि, वर्ष 2024-25 के राजस्व घाटे को जोड़ने के बाद इस वर्ष 4,484.71 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा रह जाएगा। आयोग ने निर्देश दिए कि एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल (एटीएंडसी) लॉस हर हाल में कम किया जाए और किसी भी सूरत में यह नहीं बढ़ना चाहिए। साथ ही ऋण लेते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वह सस्ती दरों पर लिया जाए। आयोग ने डीएचबीवीएन से अब तक लिए गए ऋण के संबंध में भी जानकारी मांगी। यूएचबीवीएन की ओर से बताया गया कि उनका डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 9.33 प्रतिशत है, जबकि डीएचबीवीएन का डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 10.26 प्रतिशत है। आयोग को बताया गया कि बीबीएमबी से 846.14 मेगावाट बिजली प्राप्त हो रही है, जिसकी दर लगभग 84 पैसे प्रति यूनिट है।

उपायुक्त ने चीफ जस्टिस के आगमन से पहले पेटवाड़ का किया दौरा

एजेंसी

हिसार। हांसी जिले के उपायुक्त राहुल नरवाल एवं पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के गांव पेटवाड़ व नारनौंद में होने वाले कार्यक्रमों की सुरक्षा व इंतजाम से जुड़ी सभी पुख्ता तैयारियों का अंतिम जायजा लिया। उपायुक्त राहुल नरवाल ने गांव पेटवाड़ में ग्रामीणों से मुलाकात कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी ली। साथ ही चीफ जस्टिस सूर्यकांत के बड़े भाई मास्टर ऋषिकांत से भी बातचीत कर सभी कार्यक्रम स्थलों का दौरा किया। मुख्य न्यायाधीश के कार्यक्रम नारनौंद और उनके पैतृक गांव पेटवाड़ में प्रस्तावित हैं।

इसी कड़ी में हांसी कोर्ट कांप्लेक्स, नारनौंद तहसील व गांव पेटवाड़ के स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह की सुरक्षा दृष्टि को ध्यान में रखते हुए, स्टेडियम की स्टेज व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग बैरिकेडिंग, ट्रेफिक रुट ड्यूटी और वीवीआईपी मुवमेंट इत्यादि से संबंधित सभी प्रकार के उचित प्रबंध बारे व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान हांसी जिले के नवनियुक्त

उपायुक्त राहुल नरवाल, एडिशनल सेशन जज हिसार निशांत शर्मा, सीजेएम अशोक कुमार भी मौजूद रहे। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने ड्यूटियों की रिहर्सल की। पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी दुरस्त व ईमानदारी से करने के निर्देश दिए व सभी ड्यूटी प्वाइंटों को चेक किया।

पानीपत में केंद्रीय मंत्री ने किया राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान के छात्रावास का उद्घाटन

एजेंसी

पानीपत। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने पानीपत के राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान परिसर में नवनिर्मित अत्याधुनिक बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और उद्योग आधारित कौशल उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि जब युवा महिलाएं बिना किसी रुकावट के तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं, तो देश की विकास यात्रा और अधिक सशक्त होती है।हरियाणा प्रतिभा, ऊर्जा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जाना जाता है और यहां की बेटियां देश का नाम रोशन कर रही हैं। नया छात्रावास अधिक से अधिक छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ उच्च कौशल वाले करियर की ओर बढ़ने में मदद करेगा। मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए 60 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना चला रही है।

इस योजना से प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पांच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का एक समूह (क्लस्टर) बनाया गया है, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम तैयार करते समय यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उद्योग को किस प्रकार की दक्षता चाहिए। जयंत चौधरी ने जानकारी दी कि पलवल, कुरुक्षेत्र और सोनीपत को प्रमुख समूहों के रूप में चुना गया है और औद्योगिक प्रशिक्षण क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश किया जाएगा।

भाजपा सरकार बदल रही है 'मनरेगा' की मूल भावना : कुमारी सैलजा

एजेंसी

देहरादून। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून 2025 का विरोध करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की महासचिव एवं प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सैलजा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की आत्मा को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इसमें बदलावों के विरोध में कांग्रेस पार्टी प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

देहरादून में प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह सिर्फ नाम या प्रक्रिया बदलने का मामला नहीं है, बल्कि मजदूरों के अधिकारों को समाप्त करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित रोजगार का

कानूनी अधिकार था, जिसमें सरकार काम देने के लिए बाध्य थी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि नए प्रावधानों के तहत मनरेगा को आपूर्ति-आधारित योजना में बदला जा रहा है, जिसमें काम की उपलब्धता केंद्र सरकार के बजट और तय मापदंडों पर निर्भर होगी। इससे ग्राम प्रधानों के अधिकार समाप्त होंगे और शक्ति के विकेंद्रीकरण की मूल भावना खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले योजना में श्रम लागत का लगभग 90 प्रतिशत केंद्र सरकार वहन करती थी, जबकि नए प्रावधानों में अधिकांश राज्यों के लिए यह अनुपात 60:40 कर दिया गया है। हालांकि पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह 90:10 रहेगा, फिर भी इससे राज्यों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा और वे रोजगार उपलब्ध कराने से हतोत्साहित होंगे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नए कानून में कृषि के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों तक काम रोकने की अनुमति दी गई है, जिससे मजदूरों की सौदेबाजी की शक्ति कमजोर होगी और वे बड़े किसानों व जमींदारों पर निर्भर होने को मजबूर होंगे। पहले यह रोजगार की गारंटी थी, लेकिन अब रोजगार न मिलने की गारंटी बनती जा रही है। प्रदेश प्रभारी ने मनरेगा को लेकर एक विस्तृत आंदोलन कार्यक्रम का शेड्यूल जारी किया। कार्यक्रम के अनुसार 10 जनवरी को जिलेवार प्रेस वार्ताएं आयोजित होंगी, 11 जनवरी को महात्मा गांधी या बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया जाएगा और 12 जनवरी से 29 फरवरी तक पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन किया जाएगा। प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, करन माहरा, सुरेन्द्र शर्मा और मनोज यादव, समेत अनेक नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों व शैक्षणिक संस्थानों की होगी डिजिटल ट्रैकिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को ध्यान में रखते हुए नीव पोर्टल को विकसित किया गया है। नीव पोर्टल इंटेलिजेंट, डेटा-ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम है, जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करता है।

मुख्यमंत्री पंचकूला में आयोजित एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीव पोर्टल का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रत्येक प्रावधान का वास्तविक, निष्पक्ष और सतत मूल्यांकन हो सके। यह पोर्टल रियल-टाइम डेटा, प्रदर्शन संकेतकों और भविष्यसूचक विश्लेषण के माध्यम से शिक्षा प्रणाली की निरंतर निगरानी करता है। इससे यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कौन-सी संस्थाएं नीति के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं और कहां सुधार की जरूरत है। यह पोर्टल केवल निगरानी का साधन नहीं, बल्कि समय रहते सुधार और दिशा-निर्देशन का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

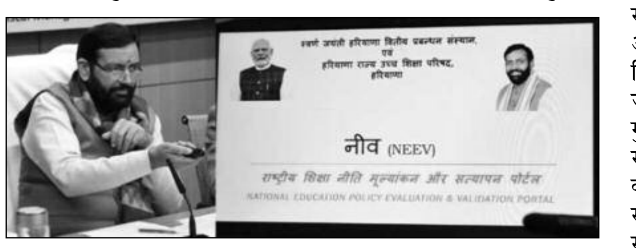

पहले चरण में नीव पोर्टल को विश्वविद्यालयों में लागू किया जा रहा है। इसके बाद महाविद्यालयों और आगे चलकर स्कूलों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक इसका विस्तार किया जाएगा। इस क्रमबद्ध विस्तार से शिक्षण संस्थानों में एकरूपता, गुणवत्ता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति तत्परता सुनिश्चित होगी। नीव पोर्टल के माध्यम से 2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में शत-प्रतिशत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अनुपालन की डिजिटल ट्रैकिंग संभव होगी। एमओयू के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ज्ञान सेतु' पहल के तहत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट और राज्य के लगभग 28 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया है। इसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियों से जोड़ना है, ताकि शोध केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर समाज और शासन की समस्याओं का समाधान बन सके। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा गुरुओं पर की गई टिप्पणी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं ने धर्म, मानवता और देश की रक्षा के लिए अपनी पीढ़ियों को कुर्बान कर दिया। गुरुओं के प्रति उनकी ऐसी सोच ही दुर्भाग्यपूर्ण है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुओं की शिक्षा से हमें प्रेरणा और आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा मिलती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा की बजाय शराब के ठेके खोले। महिलाओं के लिए अलग से शराब के ठेके खोले। ऐसा पूरे देश में केवल दिल्ली में हुआ है।

सेक्टरों की समस्याओं पर मेयर ने किया एचएसवीपी अधिकारियों से मंथन

एजेंसी

हिसार। शहर के सेक्टरों से जुड़ी सीवरेज, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं बारे एचएसवीपी विभाग की नगर निगम कार्यालय में मेयर प्रवीण पोपली की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में एचएसवीपी के अधिकारियों के साथ-साथ नगर निगम के पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य शहर के विभिन्न सेक्टरों में आ रही समस्याओं पर चर्चा कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता भूपेन्द्र सिंह, एसडीओ अनूप सिंह व नरेंद्र सिंह के अलावा पार्षद मनोहर लाल, जगमोहन मित्तल, डॉ. सुमन यादव, हरिसिंह सैनी, राजेन्द्र बिडलान, रवि सैनी, राजेश अरोड़ा, मोहित सिंघल, संजय डालमिया, भीम महाजन सहित कई पार्षद प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी पार्षदों व प्रतिनिधियों ने अपने-अपने वार्डों के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति, सीवरेज जाम, बरसाती नालों की सफाई और खाली प्लॉटों में उगी झाड़ियों जैसी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। पार्षदों ने गुरुवार को इस बैठक में बताया कि कई क्षेत्रों में सीवरेज लाइनें बार-बार जाम हो जाती हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं कुछ सेक्टरों में दूषित पेयजल की शिकायतें भी सामने आई हैं। इस पर मेयर प्रवीण पोपली ने एचएसवीपी अधिकारियों को सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिंदल चौक से जिंदल पुल तक बरसाती नाले की सफाई का कार्य प्रगति पर है, जबकि जिंदल अस्पताल रोड पर बरसाती लाइन की सफाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। दूषित पेयजल की शिकायतों पर अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही तकनीकी जांच कर समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

जी राम जी योजना से श्रमिकों को मिलेगी गारंटीशुदा मजदूरी:गंगवा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत इस बार पहले की तुलना में कई गुना अधिक बजट निर्धारित किया गया है। नए प्रावधानों के तहत रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करने से श्रमिकों की गारंटीशुदा मजदूरी को काफी बढ़ावा मिलेगा। योजना में अब केवल श्रम आधारित कार्य ही नहीं, बल्कि जल प्रबंधन सहित अन्य विकास कार्यों को भी जोड़ा गया है, जिससे योजना का दायरा और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। हरियाणा में इस योजना के माध्यम से 52 प्रतिशत अनुसूचित जाति श्रमिकों और 65 प्रतिशत से अधिक महिला श्रमिकों को रोजगार देने का काम किया है। मंत्री गंगवा सिरसा जिले के डबवाली शहर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री गंगवा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने श्रमिकों को वास्तविक रूप से रोजगार देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने इस वर्ष एक लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपये का

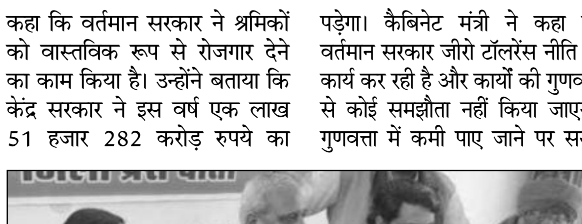

आवंटन किया गया है, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 88 हजार करोड़ थी, जो उस समय तक का सबसे अधिक आवंटन था यानी पिछले रिकॉर्ड आवंटन को भी पार कर लिया गया है। इसमें अकेले केंद्र सरकार का हिस्सा 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक होगा, जिसे सरकार आने वाले वर्षों में बढ़ाने का वादा करती है। योजना में केंद्र और राज्य सरकार का 60:40 का अनुपात है, जिससे राज्य सरकार पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है और कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में गांव गंगा में निर्माण कार्यों में खामियां मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और जनहितकारी तरीके से पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस मौके पर भाजपा की डबवाली जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा, चेयरमैन सतीश जग्गा, पूर्व सांसद चरणजीत रोड़ी, अमीलाल परीक आदि मौजूद थे।

हांसी जिले के पहले डीसी डॉ. राहुल नरवाल ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

हिसार। नवगठित हांसी जिले के पहले डीसी के रूप में डॉ. राहुल नरवाल ने जिला सचिवालय पहुंच विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। डॉ. नरवाल इससे पूर्व फतेहाबाद और चरखी दादरी जिलों में उपायुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जिला उपायुक्त द्वारा कार्यभार संभालने से पहले जिला सचिवालय परिसर में स्कूली बच्चों ने परेड के माध्यम से डॉ. राहुल नरवाल का स्वागत किया। इस दौरान जिला सचिवालय परिसर को गुब्बारों और फूलों की आकर्षक साज-सज्जा से सजाया गया था।

इस अवसर पर उपायुक्त डा. राहुल नरवाल ने कहा कि हांसी जिला उनके लिए नई जिम्मेदारी और एक बड़ा अवसर है। उन्होंने बताया कि जिले के समग्र विकास के लिए कई प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जिन्हें सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय और योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। डॉ. नरवाल ने स्पष्ट किया कि जनहित, पारदर्शिता, समयबद्ध कार्यप्रणाली और विकास कार्यों में गति उनकी प्रशासनिक कार्यशैली का मूल आधार रहेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे सरकार की नीतियों को ईमानदारी और प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करें तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हांसी प्रदेश के अन्य जिलों में अग्रणीय जिले के रूप में कार्य करेगा।

अब नहीं जाना पड़ेगा हिसार : विधायक इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 16 दिसंबर को हांसी को जिला घोषित करने के बाद मात्र तीन दिन में जिले के गठन की अधिसूचना जारी कर दी थी। और अब डीसी के विधिवत पदभार ग्रहण करने से हांसी जिले की जनता को अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए हिसार नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर हांसी के एसडीएम राजेश खोथ, तहसीलदार अनिल कुमार बिढ़ान व डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दस लाख ठगने वाले युवक को राशि लौटाने के आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने अपने दो दिवसीय गुरुग्राम दौरे के पहले दिन पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में महिला उत्पीडन् एवं घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान आयोग में दर्ज 20 शिकायतों पर विस्तार से सुनवाई की गई। सभी मामलों में संबंधित विभागों और पुलिस अधिकारियों को शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान एक मामले में सामने आया कि एक युवक से महिला की शादी तय हो चुकी थी और शादी होने वाली थी। इसी विश्वास के आधार पर युवक ने महिला से करीब 10 लाख रुपये ले लिए, लेकिन बाद में वह बिना जानकारी दिए लंदन चला गया। इस पर चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन माह के भीतर पूरी राशि महिला को वापस दिलाने के आदेश दिए। तय समयसीमा में कार्रवाई न होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी। एक अन्य प्रकरण में एक महिला ने अपने पति पर शराब के नशे में मारपीट करने और जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया। महिला ने बताया

कि उसके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 10 और 6 वर्ष है, और वह पिछले आठ महीनों से मायके में रह रही है। पुलिस अधिकारियों ने आयोग को अवगत कराया कि इस मामले में चालान न्यायालय में पेश किया जा चुका है और ट्रायल जारी है। आयोग ने मामले की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बीमारी का आरोप लगाकर साथ रहने से इनकार का मामला भी आया एक वैवाहिक विवाद में पति द्वारा पत्नी पर बीमारी का आरोप लगाकर साथ रहने से इनकार करने का मामला भी सामने आया। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति दूसरी शादी करना चाहता है और इसी उद्देश्य से उस पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। इस पर चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने सीएमओ को पत्र लिखकर महिला की मेडिकल स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि यदि विवाह के लिए झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं तो ऐसी दूसरी शादी को किसी भी स्थिति में होने नहीं दिया जाएगा। वहीं एक महिला ने एक बिल्डर पर ठेका लेकर बीच में काम छोडने् और भुगतान प्राप्त करने के बावजूद कार्य अधूरा छोडने् का आरोप लगाया।

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: सुमित कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में जिला स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस समाधान शिविर की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), जिला परिषद गुरुग्राम सुमित कुमार ने की। शिविर के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन्हें सीईओ द्वारा गंभीरता से सुना गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अधिकतर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। सीईओ सुमित कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में भाग लेने वाले अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों, ताकि

आमजन को अनावश्यक चक्कर न काटने पड़े। उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र निस्तारण हो सके। समाधान शिविर में ग्रामीण विकास, पुलिस विभाग, सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर सीईओ सुमित कुमार ने कहा कि समाधान शिविर केवल शिकायत सुनने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त मंच हैं। ऐसे शिविरों से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविर को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि इसे जनता के विश्वास को मजबूत करने का माध्यम बनाएं और प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें।

पुस्तक मेला: मेले में उमड़ी भीड़, किताबों के लिए लगी लाइनें

नई दिल्ली। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 के दूसरे दिन कड़ाके की ठंड भी पाठकों का उत्साह कम नहीं कर पाई। 11 बजे के बाद से ही पुस्तक मेला दर्शकों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। टिकट नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में लोग कतारबद्ध देखे गए। अंग्रेजी के कई प्रकाशकों के यहां पुस्तक प्रेमी किताबें खरीदने के लिए लाइन में लगे देखे गए। अवकाश का दिन होने के कारण भी यहां भीड़ अधिक थी। मेट्रो के गेट संख्या 10 से प्रवेश स्थल तक लंबी लाइन देखी गई। गेट संख्या 4 और 5 पर भी भीड़ थी।

भारत मंडपम में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े बिजनेस टू कस्टमर पुस्तक मेलों में शामिल 53वें संस्करण ने इतिहास, साहित्य, विचार और संस्कृति को एक मंच पर लाकर हजारों पुस्तक प्रेमियों को आकर्षित किया। टैंक, सुरक्षा बलों के साथ फोटो खिंचवा रहे युवा पहली बार पुस्तक मेला में सैन्य टुकड़ियों के लोग आए हैं। जिनके साथ युवा और बच्चे बड़े उत्साह के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं। यही नहीं यहां पर रखे टैंक की डमी और विमान के के चित्रों के साथ लोग फोटो खिंचवाते नजर आए। गुरुग्राम से आए परेश ने बताया कि मुझे इस मेला का इंतजार रहता है। मैंने इस मेले में आने के लिए तीन दिन की छुट्टी ली है। उनके साथ आई पल्लवी ने कहा कि किताबों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। हम दोनों आईटी सेक्टर में काम करते हैं लेकिन किताबें हमारा पहला प्यार हैं। याद किए गए सैम मानेकशॉ और सगत सिंह थीम पवेलियन में ह्यभारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और विवेकह्ल विषय पर आयोजित सत्र ह्यसैम और सगतह्ल में भारतीय सेना के दो महानायक फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह को याद किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल अता हसनैन और लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला ने दोनों सेनानायकों के नेतृत्व, व्यक्तित्व और सैन्य विरासत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह अलग-अलग स्वभाव के बावजूद उनकी साझा रणनीतिक दृष्टि ने भारत के निर्णायक सैन्य क्षणों को आकार दिया। ह्यनजरें आसमान पर, पैर जमीन परह्ल कथन के माध्यम से दोनों नेताओं की दूरदृष्टि और व्यावहारिकता को रेखांकित किया गया। इसके बाद पंजाब की सैन्य संस्कृति पर केंद्रित सत्र में क्षेत्र की मार्शल परंपराओं और ऐतिहासिक योगदानों पर चर्चा हुई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। वहीं ह्यफ्रॉम ग्रैमी टू ग्रीन मिशनह्ल सत्र में ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार रिकी केज ने संगीत, सजगता और पर्यावरण चेतना के सामाजिक बदलाव में योगदान पर अपने विचार साझा किए। भारत-जापान प्रकाशन सहयोग की नई शुरूआत अंतरराष्ट्रीय पवेलियन में कजाकिस्तान, इजराइल, रूस और नेपाल के साहित्य पर चचाओं के साथ-साथ ह्यगल्फ ड्रामा में भारत और भारतीयह्ल विषय पर पैनल चर्चा हुई। विशेष आकर्षण रहा पहली बार आयोजित भारत-जापान पब्लिशर्स मीट एंड ग्रीट, जिसमें जापान से आए 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के बीच साहित्यिक और प्रकाशन सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर संवाद किया। आंतरिक विकास, महिला शक्ति और प्रेरणा पर चचाएं ऑथर्स कॉर्नर में आत्मिक विकास, खुशहाली और महिला इतिहास जैसे विषयों पर सत्र आयोजित हुए। ह्यबैडास बेगम्सह्ल सत्र में मुगल काल की प्रभावशाली महिलाओं के कम चर्चित इतिहास सामने आए। वहीं प्रेरक पुस्तकों पर केंद्रित चर्चा में लेखन के माध्यम से जीवन अनुभवों के पाठकों से जुड़ाव पर बात हुई। लेखक मंच पर पुस्तकों का लोकार्पण लेखक मंच पर भारत और मैक्सिको की सभ्यताओं के बीच सांस्कृतिक समानताओं पर संवाद हुआ। इसके बाद ह्यहैप्पीनेस फॉर बिजी प्रोफेशनल्सह्ल सहित कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया, जिनमें ह्यसफल छात्र बनने का रास्ताह्ल, ह्यभारत के प्रधानमंत्रीः अटल बिहारी वाजपेयीह्ल और ह्यअंतरमन की करवटेंह्ल शामिल रहीं। बच्चों के लिए कहानियां, कठपुतलियां और रचनात्मकता बाल पवेलियन में कठपुतली कथावाचन, लोक नृत्य, बाल लेखकों से संवाद और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने बच्चों को आकर्षित किया। ह्यपपेट स्टोरी टाइमह्ल में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच पर आधारित कहानी ने बच्चों का मन मोहा। दिनभर में किड्ज एक्सप्रेस के माध्यम से दो हजार से अधिक बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। शाम को एम्फीथिएटर में रिकी केज की सजीव संगीत प्रस्तुति ने मेले को संगीतमय बना दिया। रचनाओं में मानवता का संदेश जरूरीःनासिरा शर्मा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शनिवार को दो महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्यक्रम संपन्न हुए। वरिष्ठ हिंदी कथाकार नासिरा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित ह्यकहानी-पाठह्ल कार्यक्रम में लेखकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समकालीन समाज की जटिलताओं को सामने रखा। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रख्यात लेखिका नासिरा शर्मा ने कहा कि लेखक के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वह किन मुद्दों को छोड़े और किन मुद्दों को उठाए। लेखक जीवन के अत्यंत निकट के विषयों से जुड़कर लिखता है। सियासत और मानवता की दृष्टि लेखक को अलग-अलग तरह से लिखने के लिए विवश करती है और उसे इन दोनों के बीच संतुलन साधना पड़ता है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी जटिल क्यों न हों, रचनाओं में मानवता का संदेश बना रहना बेहद जरूरी है। केसी त्यागी सहित कई लोगों की पुस्तकों का हुआ विमोचन दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेले के दूसरे दिन विभिन्न लेखकों की पुस्तकों का प्रकाशन हुआ। थीम पवेलियन में शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने पुस्तक मेले का दौरा किया और पूर्व सांसद के.सी. त्यागी की पुस्तक संकट की खेती का लोकार्पण किया। इसके अलावा केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी मेले का भ्रमण किया। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में भारत सरकार के विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह द्वारा लिखित पुस्तक जियॉपॉलिटिकल रिलेशन ऑफ द प्रिंसली स्टेट मणिपुर विद नेबरिंग रीजन का विमोचन किया गया। वहीं शिक्षा मंत्रालय के संचार एवं आउटरीच प्रमुख चैतन्य प्रसाद की पुस्तक व्हेन ब्रांडिंग मेट मूवीजह्लका भी लोकार्पण हुआ। प्रभात प्रकाशन के स्टॉल पर राजीव मुद्गल की किताब कुल प्रलय का विमोचन किया गया।

लाजपत नगर में चोरी की वारदातों का खुलासा, एक शातिर चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाजपत नगर थाना पुलिस की सतर्क और मुस्तैद टीम ने इलाके में हुई चोरी की दो अलग-अलग वारदातों का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान भी बरामद किया है, जिसमें महंगे मोबाइल फोन, लैपटॉप और टैबलेट शामिल हैं।

पहला मामला ई-एफआईआर संख्या 80000308/26, दिनांक 2 जनवरी 2026, धारा 305 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता यशवर्धन सिंह चौहान ने बताया था कि उनके घर पर दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी चल रही थी। देर रात पार्टी के बाद सभी सो गए। सुबह एक दोस्त जल्दी निकल गया और अनजाने में मुख्य दरवाजा खुला रह गया। करीब सुबह 10 बजे जब सभी की नींद खुली तो घर से मोबाइल फोन गायब मिले। जांच में पता चला कि 3 आईफोन चोरी हो चुके थे।

वहीं, दूसरा मामला ई-एफआईआर संख्या 80001425/26, दिनांक 5 जनवरी 2026, धारा 305/331(3) बीएनएस के तहत दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता राकेश ने बताया कि दिनदहाड़े उनके घर में चोरी हुई और 2 लैपटॉप गायब पाए गए। इन दोनों मामलों में चोरी का तरीका (मोडस ऑपरेंडी) समान पाए जाने पर पुलिस ने दोनों केस एक साथ लेकर जांच शुरू की।

आप ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा नेताओं पर सिख गुरुओं की बेअदबी करने का आरोप लगाते हुए रविवार को प्रदर्शन किया। पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने पैदल मार्च किया। भाजपा मुख्यालय पर जाने के लिए निकले आप नेताओं को दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर हिरासत में ले लिया और आईपी एस्टेट थाने ले गए।

आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के मंत्रियों ने फर्जी वीडियो बनाकर बेअदबी की है। जब आप के नेता व कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे तो सरकार के इशारे पर पुलिस ने पार्टी के तमाम नेताओं को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्री और नेता सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब पंजाब पुलिस वीडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच एक दिन में करा सकती है तो दिल्ली पुलिस को 15 दिन क्यों लग रहे। इसका मतलब है कि जानबूझकर दिल्ली सरकार वीडियो क्लिप की जांच को टालना चाहती है, क्योंकि उसे मालूम है कि उनके मंत्री ने फजीर्वाड़ा किया है।

आप विधायकों ने आतिशी से किया किनाराः भाजपा दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी में फूट पड़ रही है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के इशारे पर आप विधायकों ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी से किनारा कर लिया है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि आप ने आतिशी के समर्थन में भाजपा कार्यालय के पास प्रदर्शन की घोषणा की थी पर उसमें पार्टी बमुश्किल 100 कार्यकर्ता ही जुटा पाई। उन्होंने कहा कि आतिशी के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन में आप के 22 विधायकों में से 21 विधायक नहीं पहुंचे थे।

नबीन ने कनाट प्लेस में भगवान शंकर का किया दुग्ध अभिषेक, प्राचीन हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमनाथ मंदिर पर गजनी के हमले के 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य देश भर में मनाये जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने शनिवार को यहां के कनाट प्लेस स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान शंकर का दुग्ध अभिषेक किया और फिर प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की।

श्री नबीन के साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, सांसद बाँसुरी स्वराज, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री महेन्द्र पांडेय ने भी भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर भाजपा के नई दिल्ली के अध्यक्ष रविन्द्र चौधरी और मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल भी उपस्थित रहे।

श्री सचदेवा ने कहा पूरे देश में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है और आज भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भगवान शिव की आराधना की। उन्होंने कहा कि कहा सोमनाथ का मंदिर, जहां सागर भी भगवान शिव के चरण धोता है इस मंदिर की पुनः स्थापना हुई और उस मंदिर को लेकर हमारे पूरे समाज में विशेष आस्था भी है। यह पूरा 2026 वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा और बताया जाएगा कि किस तरह से बार-बार आक्रमण करने के बावजूद भी हमारी धार्मिक, हमारी सांस्कृतिक शक्ति जो है वो इतनी अमिट है, उसको कोई हाथ नहीं लगा सकता।"

वहीं, श्री चौधरी ने कहा कि दिल्ली में हर स्थानीय मंदिर में आज सोमनाथ अभिमान पर्व के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और लगभग एक लाख कार्यकताओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा, "जिस तरह से विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। सन 1026 में से लेकर आज तक 1000 वर्षों की ये ऐसी गाथा है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और हमारी परंपरा को दशार्ती है।"

दिल्ली में आज मौसम की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गयी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सीजन के औसत तापमान से 2.7 डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही दिल्ली में आज की सुबह मौजूदा शीतकालीन सीजन में 2024 के बाद सबसे सर्द रही। इससे पहले 15 जनवरी 2024 पिछले कुछ वर्षों में जनवरी का सबसे सर्द दिन था, जब न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

राज्यवार आंकड़ों से पता चला है कि सफदरजंग वेधशाला में 4.2 डिग्री सेल्सियस, पालम में 4.5 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 4.7 डिग्री सेल्सियस, रिज स्टेशन पर 5.3 डिग्री सेल्सियस जबकि आयानगर में 4.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया। आईएमडी के अनुसार शनिवार को घना कोहरा छाया रहने का अनुमान है। सुबह नौ बजे सापेक्ष आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में शनिवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 366 रहा। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

मुख्यमंत्री 'वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह' में हुई शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज उत्तर-पश्चिम जिला कार्यालय में आयोजित 'वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह' में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ शामिल हुई। इस कार्यक्रम में 60 वर्ष से अधिक आयु के निष्ठावान वरिष्ठ कार्यकताओं का उनकी निष्ठा, समर्पण और सतत सेवा के लिए कृतज्ञतापूर्वक अभिनंदन किया गया।

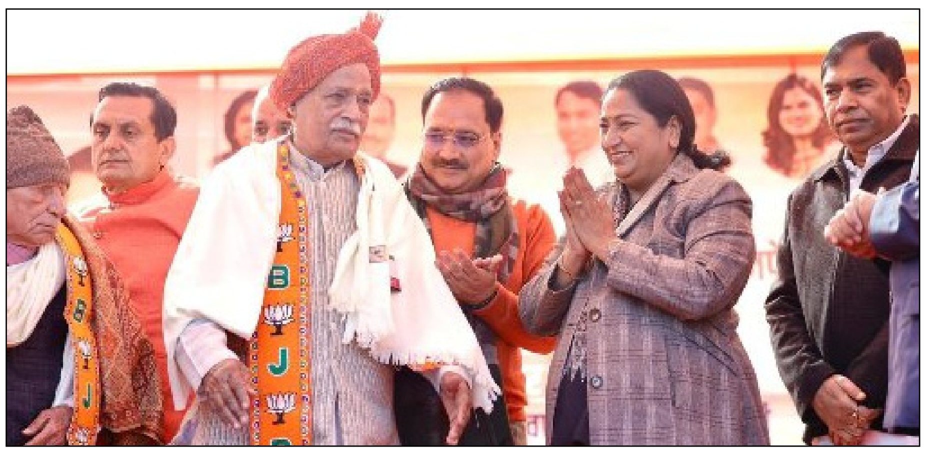

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों तक पार्टी को संगठनात्मक और वैचारिक मजबूती देने वाले इन वरिष्ठ साथियों का तप, त्याग और अनुशासन ही आज भाजपा के विशाल वटवृक्ष का आधार है। उनका मार्गदर्शन और निस्वार्थ सेवा भाव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पुंज है।

उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार अपने इन कर्मठ कार्यकताओं के अमूल्य योगदान के प्रति सदैव ऋणी है और उनके मान-सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी रविंद्र इंद्राज, सांसद योगेंद्र चांदोलिया एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

मुख्यमंत्री ने '47वीं जूनियर बॉयज राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यहां के सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा में 47वीं जूनियर बॉयज राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा में बच्चों से मिलकर दिन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि बचपन वही समय होता है, जब हर दिन कुछ बनने की तैयारी करता है और हर प्रतियोगिता सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर देती है। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए युवा खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों से फोकस रखने, पूरे दिल से खेलने और हर मैच से सीखकर लौटने की बात कही।

एक नजर

हिंदी वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते गौरव की प्रतिध्वनि: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते गौरव की प्रतिध्वनि है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हिंदी हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होने के साथ हमारे चिंतन की गहराई तथा वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते गौरव की प्रतिध्वनि है। उन्होंने कहा कि हिंदी वह सेतु है, जो हमारी पारंपरिक मेधा को आधुनिक नवाचारों से जोड़ते हुए हमें विश्व नागरिक के रूप में विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विशेष दिन पर अपनी भाषा के गौरव की रक्षा करना हमारा सामूहिक दायित्व है। हिंदी को जन-जन की वाणी बनाने और इसे वैश्विक शोध एवं संवाद की मुख्यधारा में प्रतिष्ठित करने का संकल्प लें। हिंदी दिवस पर दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद, लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान, भावनाओं की अभिव्यक्ति और राष्ट्र की एकता का सशक्त माध्यम है।

दिल्ली पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर की गयी हत्या के आरोप में तीन भाइयों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में पुरानी दुश्मनी के कारण एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में तीन भाइयों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी मनीष, राजेश उर्फ हड्डी और राजा घटना के बाद से पिछले साल सितंबर से फरार थे। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या), 109(1) (हत्या का प्रयास) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत दर्ज एक मामले में उनकी तलाश थी। पुलिस ने बताया कि दिल्ली की एक अदालत ने पहले ही उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए थे। अकबर नामक व्यक्ति की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था, जिसने आरोप लगाया था कि आरोपी ने पहले हुए झगड़े को लेकर उसे और उसके भाई राजा को धमकी दी थी। पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन मनीष ने अपने भाइयों राजेश और राजा तथा उनके साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता के समूह पर सुनियोजित हमला किया। हमले के दौरान शिकायतकर्ता के करीबी दोस्त बादशाह को कई बार चाकू मारा गया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को ऐसी सूचनाएं मिली थी कि आरोपी बिहार के बेगुसराय जिले में छिपे हुए हैं। पुलिस ने बताया कि आठ जनवरी को तीनों आरोपियों को बेगुसराय से ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि लंबी पूछताछ के दौरान तीनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता कथित तौर पर स्वीकार कर ली।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज, 3 और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई हिंसा के मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां शुक्रवार रात की गईं। आरोपियों की पहचान मोहम्मद नावेद (44), मोहम्मद फैज (20) और मोहम्मद उबैदुल्लाह (23) के रूप में हुई है। ये तीनों ही आरोपी तुर्कमान गेट के पास के इलाकों में रहते हैं। घटना वाले दिन ये तीनों भी पत्थर फेंकने वालों में शामिल थे। दिल्ली पुलिस लगातार इस मामले में सक्रिय है और हिंसा में शामिल सभी व्यक्तियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। इस मामले में पिछले कुछ दिनों में इलाके में तनाव बढ़ गया था। पुलिस ने मामले में पहले ही कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया था और अब इन तीन नई गिरफ्तारियों के साथ जांच में और तेजी आई है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम की टीम जब फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी, उसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा। एफआईआर में बताया गया है कि अतिक्रमण वाली जमीन पर पुलिस की बैरिकेडिंग के समय करीब रात 12:40 बजे 30-35 लोगों का एक समूह इकट्ठा हो गया, भड़काऊ नारे लगाने लगा और पुलिस को काम करने से रोकने की कोशिश करने लगा।

तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी में तीन और आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले के तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी के मामले में तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मो. नावेद (44), मो. फैज (20) और मो. उबैदुल्ला (23) के रूप में हुई है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपितों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वलसन का कहना है कि हिंसा भड़कने की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया पर फैलाई गई भ्रामक और झूठी जानकारी थी। इसी सिलसिले में पुलिस ने एक महिला सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कार्रवाई उन 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान के बाद की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर यह अफवाह फैलाई थी कि अदालत के आदेश पर चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान तुर्कमान गेट के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम ने एक वीडियो के आधार पर महिला को बुलाया, जिसमें उसने यह दावा किया था कि मस्जिद को रामलीला मैदान इलाके में तोड़ दिया गया है। जांच में यह सामग्री भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत पाई गई। फिलहाल तुर्कमान गेट के पास अतिक्रमण हटाए गए क्षेत्र से मलबा हटाने का काम जारी है और मौके पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

शालीमार बाग में महिला की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिले के शालीमार बाग इलाके में शनिवार सुबह एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान रचना यादव (44) के रूप में हुई है। पुलिस को मौके से एक खाली कारतूस बरामद हुआ है। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह के अनुसार सुबह करीब 10:59 बजे शालीमार बाग थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक महिला का शव पड़ा मिला। महिला के सिर में गोली लगने के निशान थे। मृतका शालीमार बाग के बीसी ब्लॉक स्थित मकान संख्या 95ए की रहने वाली थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। स्थानीय जांच में सामने आया है कि मृतका के पति विजेंद्र कुमार की वर्ष 2023 में थाना जहांगीरपुरी क्षेत्र में हत्या हो चुकी थी। वर्तमान में न्यायालय में वो मामला विचाराधीन है। पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या दोनों हत्याओं के बीच कोई आपसी संबंध है। फिलहाल, गोली चलाने वाले आरोपित की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही खुलासा किया जाएगा। वहीं रचना की मौत के बाद से परिवार में मातम छा गया। रचना की दो बेटियां हैं।

अशोक लेलैंड का इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र उत्तर प्रदेश के औद्योगिक बदलाव का प्रतीक: आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि लखनऊ में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

आदित्यनाथ ने कारखाने के उद्घाटन के मौके पर कहा कि कारखाने की मौजूदा विनिर्माण क्षमता 2,500 इकाई है, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर सालाना 5,000 इकाई किया जाएगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे समय जब दुनिया वैश्विक तापमान में वृद्धि जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, इलेक्ट्रिक परिवहन बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि यह कारखाना राज्य के हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। निवेश के लिए उत्तर प्रदेश को चुनने के लिए हिंदुजा परिवार को बधाई देते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह परियोजना 2017 से राज्य में हुए बदलाव को दिखाता है। उन्होंने कहा, ह्यउत्तर प्रदेश अब अव्यवस्था के लिए जाने जाने वाले राज्य से बदलकर ऐसा राज्य बन गया है जो क्षमता को नतीजों में बदलता है। बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में अब एक्सप्रेसवे का बड़ा नेटवर्क, मेट्रो सेवाएं, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, मालगाड़ियों के लिए दो अलग गलियारे, लॉजिस्टिक केंद्र, रैपिड रेल और अंतदेर्शीय जलमार्ग हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ से नौ साल में उत्तर प्रदेश को 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईवी संयंत्र ह्यमेक इन इंडियाह्ण और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण कार्यक्रमों के अनुरूप है और ह्यडबल-इंजनह्ण सरकार के तहत तेज विकास का उदाहरण है।

कड़ाके की ठंड के बावजूद बाबा विश्वनाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड है। शीतलहर व कई इलाकों में हल्की बूंदाबंदी ने सर्दी और बढ़ा दी है। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश के वाराणसी में श्रद्धालुओं के बीच बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। लोगों में बाबा विश्वनाथ के प्रति आस्था के सामने ठंड का कोई असर नहीं दिख रहा है।

एक श्रद्धालु ने कहा कि बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए ठंड का कोई असर नहीं है। बाबा का आशीर्वाद चाहिए, जिसके आगे सब कुछ भूल जाते हैं। ज्यादा भीड़ नहीं है। यहां सब कुछ सामान्य है। यही वजह है कि अच्छे से दर्शन हुए हैं। इस दौरान, एक युवक ने कहा कि वाराणसी में धुंध और ठंड बहुत ज्यादा है, लेकिन इस ठंड में काशी घूमने में आनंद आ रहा है। सनातन की यही खूबी है कि भगवान की आस्था पहले है। लोगों को भगवान का बुलावा मिलता है और वह दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के अच्छे से दर्शन हो पाते हैं। एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि ठंड के मौसम में सर्दी रहेगी, लेकिन काशी विश्वनाथ के दर्शन बड़ी बात होती है। उनके दर्शन के लिए कोई ठंड नहीं लगती है। वहीं, एक महिला ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुकाबले वाराणसी में ठंड कम है। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ ने बुलाया था और हम लोग दर्शन करने के लिए आए हैं। लोगों की भीड़ काफी है, लेकिन दर्शन अच्छे से हुए हैं।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार, वाराणसी में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 6.6 और अधिकतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इसके अलावा, प्रयागराज में शुक्रवार सुबह 8 डिग्री सेल्सियस, बरेली में 6.4 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर में 9.2 डिग्री सेल्सियस और लखनऊ में 8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

डॉ. रमीजुद्दीन का दाखिला होगा रद्द

केजीएमयू प्रशासन ने डीजीएमई को लिखा पत्र

लखनऊ, एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में शादी का झांसा देकर यौन शोषण, गर्भपात कराने के आरोपी जूनियर रेजिडेंट डॉ. रमीज उद्दीन नायक का दाखिला रद्द होगा, वह आगे की पढ़ाई नहीं कर पाएगा। इसके लिए केजीएमयू प्रशासन की तरफ से चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक (डीजीएमई) को पत्र भेजा गया है। यह जानकारी केजीएमयू की कुलपति प्रो, सोनिया नित्यानंद ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में दी है।

हालांकि केजीएमयू में धर्मांतरण के प्रयास के आरोपी पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर को कथित रूप से बचाने वाले मददगारों की जानकारी सामने नहीं आ सकी है। जांच के दौरान दो प्रोफेसरों की भूमिका संदेह के घेरे में बताई जा रही थी, उस पर भी केजीएमयू प्रशासन की तरफ से अभी कुछ कहा नहीं गया है और न ही उन्हें क्लीनचिट दी गई। केजीएमयू के प्रवक्ता केके सिंह ने कहा है कि इस मामले में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

आरोप है कि पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज ने एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर को प्रेमजाल में फंसाया। शादी की बात सामने आने पर आरोपी ने महिला डॉक्टर पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता के विरोध करने पर उसे धमकाया गया, जिससे मानसिक रूप से परेशान होकर महिला डॉक्टर ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ।घटना के बाद पीड़िता ने केजीएमयू प्रशासन, पुलिस, मुख्यमंत्री के आईजीआरएस पोर्टल और राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई। मामला सामने आने पर प्रशासन और जांच एजेंसियां सक्रिय हुईं।

केजीएमयू के प्रवक्ता केके सिंह ने बताया कि इस मामले की केजीएमयू में दो कमेटियां जांच कर रही थीं। यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच विशाखा कमेटी कर रही है, जबकि धर्मांतरण प्रकरण की जांच सात सदस्यीय कमेटी को सौंपी गई है, जिसमें एक सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक भी शामिल हैं।

विशाखा कमेटी की जांच रिपोर्ट गुरुवार को कुलपति को सौंपी गई है। विशाखा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने डॉ रमीज का दाखिला निरस्त करने के संबंध में डीजीएमई को पत्र भेजा है।

हाड़ कपा देने वाली ठंड के बीच जिला प्रशासन ने देर रात्रि चलाया राहत अभियान,कंबल किए वितरित

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में शीत-लहर और हाड़ कपा देने वाली ठंड के बीच जिला प्रशासन ने राहत अभियान तेज कर दिया है। तहसील सदर क्षेत्र में देर रात्रि तक विशेष अभियान चलाकर सड़क किनारे खुले में जीवन गुजार रहे जरूरतमंदों को ठंड से बचाने की व्यवस्था की गई। प्रशासनिक टीमें शहर के उन इलाकों में पहुंचीं, जहां ठंड का असर सबसे अधिक देखा जा रहा था। यह जानकारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह ने देर रात्रि दी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह ने बताया कि तहसीलदार सदर विनय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने प्रमुख चौराहों, बस अड्डे व रेलवे स्टेशनों के आसपास डेरा डाले लोगों से सीधा संवाद किया। मौके पर कंबल वितरित किए साथ ही खुले में सो रहे लोगों को पास के रैन बसेरों में पहुंचाकर सुरक्षित आश्रय दिलाया। कई स्थानों पर टीम ने लोगों को समझाकर खुले में रुकने से भी रोका।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत शहर में एक नई तकनीकी पहल भी की गई है। प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर क्यू-आर कोड युक्त स्टीकर चस्पा किए गए हैं। इन्हें स्कैन करने पर संबंधित क्षेत्र के रैन बसेरों की लोकेशन, वहां उपलब्ध सुविधाएं और केयरटेकर का मोबाइल नंबर एक ही स्क्रीन पर उपलब्ध हो रहा है। इससे यात्रियों, प्रवासियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को रैन बसेरों की जानकारी तत्काल मिल सकेगी।

एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने बताया कि शीत-लहर के दौरान खुले में रह रहे लोगों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रैन बसेरों की क्षमता, साफ-सफाई, कंबल और हीटर की व्यवस्था पर लगातार निगरानी की जा रही है और ठंड की अवधि में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

भदोही में एम्बुलेंस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

भदोही, एजेंसी। भदोही में एम्बुलेंस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा बृहस्पतिवार शाम जिले के कोतवाली शहर थाना क्षेत्र में राजपुरा बालू मंडी के पास उस वक्त हुआ, जब जौनपुर जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के निगोह गांव निवासी भोला गौतम (70) मोटरसाइकिल से भदोही के एक निजी नेत्र अस्पताल जा रहे थे।

थाना प्रभारी सच्चिदानंद पांडे ने बताया कि तभी एक एम्बुलेंस ने उनकी मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी और एंबुलेंस चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग को महाराजा बलवंत सिंह राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि वाराणसी पहुंचने के बाद उसी रात करीब नौ बजे बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया।

पांडे ने बताया कि पोस्टमार्टम वाराणसी में कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से एंबुलेंस चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि गौतम ने हाल में भदोही स्थित श्याम लाल मेमोरियल नेत्र अस्पताल में आंखों का ऑपरेशन कराया था और नियमित जांच के लिए अस्पताल जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

एसपी ने पांच चौकी इंचार्च सहित आठ उपनिरीक्षकों का किया तबादला

फरुर्खाबाद, एजेंसी। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने कानून व्यवस्था को चुस्त व दुरुस्त बनाने के लिए गुरुवार को देर रात पांच चौकी प्रभारी सहित आठ उप निरीक्षकों की तैनाती में फेर बदल कर दिया है। जिससे महकमें में हड़कंप मचा हैं। थाना मऊदरवाजा से उप निरीक्षक मुनीर खान को थाना कादरी गेट भेजा गया है। कोतवाली मोहम्मदाबाद के उप निरीक्षक अनुज कुमार को थाना शमशाबाद के चिलसरा चौकी का प्रभारी बनाया गया है।थाना जहानगंज में तैनात दरोगा धीरज कुमार को थाना कम्पिल के सिवारा चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। चिलसरा चौकी के उप निरीक्षक जगभान सिंह को थाना मेरापुर के सिवारा चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। कम्पिल की सिवारा चौकी के इंचार्ज प्रमोद कुमार को कोतवाली फतेहगढ़ की याकूतगंज चौकी का प्रभारी बनाया गया है। चौकी प्रभारी राहुल कुमार को थाना मऊदरवाजा भेजा गया है। पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत उप निरीक्षक अवधेश कुमार अवस्थी को थाना जहानगंज में तैनाती दी गयी हैं।

पेरिस में बीएचयू के शिक्षक की भित्ति चित्र को मिली सराहना,विश्वविद्यालय के लिए गौरव का पल

वाराणसी, एजेंसी। भारत की सांस्कृतिक उपस्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने की दिशा में काशी हिंदू विश्वविद्यालय को एक और उपलब्धि मिली है। भारतीय कलाकार एवं भित्ति चित्रकार तथा दृश्य कला संकाय बीएचयू के शिक्षक प्रो. सुरेश के. नायर ने फ्रांस में एक सांस्कृतिक दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। भारतीय दृश्य कला की समृद्धि और विविधता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने वाली यह पहल भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के प्रायोजन में संपन्न हुई। इस परियोजना के तहत प्रो. नायर ने भारतीय दूतावास, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), पेरिस में एक भव्य भित्ति चित्र का सृजन किया। यह भित्ति चित्र भारत की समृद्ध दृश्य एवं कला परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें कथकली, मणिपुरी नृत्य, कथक, थेय्यम, भरतनाट्यम तथा छाया कठपुतली कला जैसी शास्त्रीय एवं लोक कला विधाओं का सुंदर समन्वय किया गया है। पारंपरिक अलंकरण शैली में स्वर्णिम आभा के साथ निर्मित यह कृति भारतीय कला की गहन सौंदर्यात्मक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। बताया गया कि 10.5 फीट गुणे 33.8 फीट के विशाल आकार में निर्मित यह भित्ति चित्र महज 10 दिनों की सघन अवधि में पूर्ण किया गया। प्रो. नायर ने बताया कि यह भित्ति चित्र वर्तमान में पेरिस में स्थापित सबसे बड़ा भारतीय चित्रकर्म माना जा रहा है, जो भारतीय कला के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस भित्ति चित्र की फ्रांस में भारत के राजदूत संजीव सिंगला तथा आईसीसीआर की महानिदेशक के. नंदिनी सिंगला ने भी सराहना की है। यह परियोजना कलाकारों, सांस्कृतिक कर्मियों, राजनयिकों एवं कला प्रेमियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जिससे विदेशों में भारत की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई मिली है तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ है।

विशाखा कमेटी की जांच में डॉ. रमीज दोषी, निष्कासन की सिफारिश

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में सामने आए लव जिहाद के मामले में विशाखा कमेटी ने रेजिडेंट डॉक्टर रमीज उद्दीन नायक उर्फ रमीज मलिक को दोषी पाया है। कमेटी की जांच में फिजिकल, इमोशनल और मेंटल हरासमेंट के आरोप सही पाए गए हैं। इसके बाद आरोपी डॉक्टर को निलंबित कर दिया गया है और उसके निष्कासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

शुक्रवार को परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में प्रेस कांफ्रेंस में विवि की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि डॉक्टर रमीज उद्दीन अभी निलंबित चल रहे हैं। कमेटी की फाइंडिंग के आधार पर उसे निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है। सोनिया नित्यानंद ने कहा कि विवि में नीट के जरिये एमबीबीएस में प्रवेश होता है। यह प्रवेश चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिया जाता है। इसलिए रमीज के निष्कासन की संस्तुति उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग से की है।

विवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो आर एस कुशवाहा ने बताया कि जांच के दौरान रमीज एक बार कमेटी के सामने उपस्थित हुआ, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल फोन लगातार स्विच ऑफ जाने लगा। रमीज के पिता ने कमेटी के समक्ष दावा किया कि उनका बेटा शादीशुदा नहीं है। इस दावे की पुष्टि के लिए कमेटी ने हलफनामा मांगा, लेकिन वह प्रस्तुत नहीं किया गया।

चीफ प्रॉक्टर सुरेश कुशवाहा ने बताया कि पीड़िता की सुरक्षा को देखते हुए 23 तारीख को उसे हॉस्टल में रहने का अनुरोध किया गया था। सुरक्षा के लिए अतिरिक्त गार्ड भी तैनात किए गए थे। पहले तो दो दिन छात्रा के पिता ने भी शिकायत नही दर्ज कराई थी।

विशाखा कमेटी की चेयरमैन डॉ मोनिका रानी ने कहा कि जुलाई 2025 में उसे यह जानकारी नहीं थी कि रमीज पहले से शादीशुदा है। सितंबर 2025 में जब उसे सच्चाई का पता चला तो उसने अलग होने का निर्णय लिया, लेकिन आरोपी ने शादी का झांसा देकर मानसिक रूप से ब्लैकमेल करना जारी रखा। आरोप है कि 9 फरवरी 2025 को काजी के माध्यम से शादी कराई गई।

विशाखा कमेटी की चेयरमैन डॉ. मोनिका ने बताया कि जांच में आरोपी दोषी पाया गया है और उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। विवि के मीडिया प्रभारी प्रो केके सिंह ने कहा कि इस पूरे मामले में धर्मांतरण से जुड़े आरोपों की पुलिस जांच भी जारी है।

गौरतलब है कि पीड़िता केजीएमयू से एमडी पैथोलॉजी कर रही है, जबकि आरोपी डॉक्टर पैथोलॉजी विभाग में सेकंड ईयर का जूनियर रेजिडेंट और उसका सीनियर बताया जा रहा है। 17 दिसंबर को पीड़िता ने कथित तौर पर मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर दवा की ओवरडोज लेकर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे केजीएमयू के आईसीयू में भर्ती कराया गया। परिजनों के पहुंचने पर पूरा मामला सामने आया और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल व राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

एक नजर

माल गाड़ी से कट कर अज्ञात युवक की मौत

फरुर्खाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद फरुर्खाबाद के फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र में याकूतगंज रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को मालगाड़ी से कटकर युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। दुखद बात यह है कि इसकी गुमटी पर मौजूद लोगों को भनक तक नहीं लगी। जिसकी वजह से मृतक के शव के ऊपर से एक अन्य गाड़ी निकल गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फतेहगढ़ के कोतवाल रणविजय सिंह का कहना है कि शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस युवक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। मृतक की उम्र लगभग 30 साल है।

एसपी ने कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में किए बदलाव

बाराबंकी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने गुरुवार देर रात कानून व्यस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 11 थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया हैं। इनमें कई थानों के प्रभारी निरीक्षक, अपराध शाखा, स्वाट टीम एवं विशेष जांच प्रकोष्ठ से जुड़े पुलिस कर्मी शामिल हैं।

एसपी ने थाना प्रभारी अनिल सिंह को थाना कुर्सी से हटाकर अपराध शाखा प्रभारी बनाया गया है। कृष्णकांत को थाना सुबेहा थाना कुर्सी, यशकांत सिंह को डीसीआरबी से थाना सुबेहा, जगदीश प्रसाद शुक्ल को टिकैतनगर से थाना रामसनेहीघाट,संजीत कुमार सोनकर को थाना फतेहपुर से थाना एसटी/एसजेपीयू/विशेष जांच प्रकोष्ठ बनाया गया है। इसी तरह अमित प्रताप सिंह को मसौली से थाना फतेहपुर,अजय प्रकाश त्रिपाठी को स्वाट टीम से थाना मसौली, मनोज कुमार सोनकर को दरियाबाद से थाना बद्दूपुर और धर्मेंद्र कुमार को एसटी/एसजेपीयू/विशेष जांच प्रकोष्ठ से थाना दरियाबाद का प्रभारी बनाया है। इसके अलावा उप निरीक्षक मनोज कुमार को बद्दूपुर से थानाध्यक्ष टिकैतनगर और उप निरीक्षक अंकित त्रिपाठी को रामसनेहीघाट से हटाकर प्रभारी स्वाट टीम नियुक्त किया है।

एटा में ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, व्यक्ति की मौत

एटा, एजेंसी। एटा जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक तेज रफ़्तार ट्रैक्टर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 30 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा उज्जपुर गांव के मोड़ के पास हुआ, जब ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से घायल आदमी को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उज्जपुर गांव के रहने वाले कमल सिंह के रूप में हुई है। उसके परिवार वालों ने बताया कि उसकी बेटी का नामकरण संस्कार 11 जनवरी को होना था और वह समारोह के लिए टेंट बुक कर-के घर लौट रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है, जबकि उसका ड्राइवर मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रोडवेज परिसर में संदिग्ध हालात में नाबालिग मिली, लाखों की नकदी व आईफोन बरामद

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रोडवेज परिसर में शुक्रवार को रोडवेज चाइल्डलाइन के केस वर्कर ने एक नाबालिग लड़की को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लाख 54 हजार 700 रुपये नकद और एक आईफोन बरामद हुआ।

चाइल्डलाइन के प्रभारी राम रक्षा पाण्डेय का कहना है कि पूछताछ में नाबालिग लड़की अपने बारे में सही जानकारी नहीं दे पा रही है। कभी वह अपना पता प्रयागराज बताती है तो कभी मीरजापुर। इसके अलावा वह यह भी स्पष्ट नहीं कर सकी कि, उसके पास इतनी बड़ी रकम कहां से आई और आईफोन किसका है।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद चाइल्डलाइन की ओर से नाबालिग को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सीडब्ल्यूसी ने बच्ची को अपने संरक्षण में लेते हुए उससे पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल बच्ची की पहचान, परिजनों का पता लगाने और बरामद नकदी व मोबाइल के स्त्रोत की जांच की जा रही है। मामले को लेकर पुलिस और चाइल्डलाइन दोनों ही गंभीरता से छानबीन में जुटे हैं।

शामली में चाचा की हत्या के जुर्म में भतीजे और दोस्त को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। शामली जिले के कैराना की एक स्थानीय अदालत ने एक व्यक्ति और उसके दोस्त को अपने चाचा की खेती की जमीन हड़पने के लिए उनकी हत्या करने के जुर्म में उम्रकैद की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने शुक्रवार को बताया कि अपर जिला और सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार राय ने बृहस्पतिवार को मोनू और उसके साथी सागर को पुरानी भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराया और उन पर 20,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। सरकारी वकील अशोक कुमार पुंधीर के अनुसार, पीड़ित वेद पाल की 20 मई, 2020 को शामली कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र के लंक गांव में उसके भतीजे मोनू ने सागर की मदद से गोली मारकर हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि वेद पाल अविवाहित थे, और उनको आरोपियों ने उनकी खेती की जमीन हड़पने के लिए निशाना बनाया था। पुंधीर ने बताया कि यह घटना तब हुई जब पीड़ित अपने घर में सो रहा था। हत्या के बाद, एक मामला दर्ज किया गया और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सुनवाई पूरी होने के बाद, अदालत ने दोनों आरोपियों को अपराध का दोषी पाया और उम्रकैद की सजा सुनाई।

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए युवक की दर्दनाक मौत; चालक फरार

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। इंडियन ऑयल चौकी के पास तेज रफ्तार डंपर के पीछे फंसकर एक युवक काफी दूरी तक घसीटता चला गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर कानपुर की ओर से आ रहा था। किसी कारणवश युवक वाहन के पिछले हिस्से में फंस गया और चालक को इसकी भनक तक नहीं लगी। राहगीरों ने युवक को डंपर के पीछे लटका और घसीटते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद चालक डंपर को घटनास्थल के पास खड़ा कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपी चालक की पहचान की जा सके। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है। कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भूमि नामांतरण व भू-उपयोग प्रक्रियाएं अब हुई डिजिटल

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश सरकार ने भूमि संबंधी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्टांप एवं पंजीकरण विभाग और राजस्व परिषद के संयुक्त प्रयासों से भू- स्वामित्व में नामांतरण की धारा- 34 और भू-उपयोग परिवर्तन की धारा 80 की प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से सरल किया जा रहा है। इसके लिए एनआईसी से विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रक्रिया को एक प्लेटफार्म पर लाया जा रहा है। इस प्रक्रिया को फरवरी 2026 तक पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की गई है। योगी सरकार की इस पहल से प्रदेश के लाखों किसानों और उद्योगपतियों को अनावश्यक कागजी कार्रवाई से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही डिजिटल तकनीक के माध्यम से कार्रवाई भी और अधिक पारदर्शी हो सकेगी। भू-संपत्ति हस्तांतरण के दौरान नामों के बदलाव की धारा- 34 के तहत

नामांतरण प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल बनाया जा रहा है। इसके तहत सभी आवश्यक जानकारियां जैसे खसरा, खतौनी विवरण, मालिकाना हक के प्रमाण और अन्य अभिलेख ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के जरिए एक ही बार में ली जाएंगी। ऑनलाइन अपलोड होते ही डिजिटल डाटा फ्लो के जरिए अभिलेखों की जांच की जाएगी। इसके कई स्तरों पर फॉर्म भरने, दस्तावेज जमा करने और लेखपाल की रिपोर्ट की प्रतीक्षा में लगने वाले समय में कमी आएगी. कृषि भूमि को गैर- कृषि या औद्योगिक उपयोग में बदलने से संबंधित धारा- 80 के अंतर्गत लैंड यूज (भू -उपयोग) बदलने की प्रक्रिया का भी डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

इसमें पहले आवेदन, अनुमोदन और अभिलेख अपडेट के लिए बार-बार दौड़-भाग करनी पड़ती थी। अब सभी जानकारियां जैसे भूमि का खसरा- खतौनी विवरण, मौजूदा उपयोग की स्थिति और आसपास के क्षेत्र की जानकारियां ऑनलाइन आवेदन फार्म में एक बार में ही ली जाएंगी। गैरजरूरी औपचारिकताओं को हटाकर डिजिटल जांच की व्यवस्था की गई है, जिससे लेखपाल की तरफ से बार-बार रिपोर्टिंग की जरूरत समाप्त हो जाएगी। विभाग ने आवेदन फार्म, रिपोर्ट और प्रमाण के सरल प्रारूप का परीक्षण पूरा कर लिया है। इस प्रक्रिया संबंधित सभी नोटिस अब डाक के बजाय ऑनलाइन पोर्टल, एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जाएंगे।

आवेदक को तत्काल सूचना मिल सकेगी। स्टांप एवं पंजीकरण विभाग की भी मदद ली जा रही है, जो डाटा फ्लो को अधिक प्रभावी बनाएगा। इस प्रक्रिया के तहत नामांतरण प्रमाण पत्र और भू-उपयोग परिवर्तन प्रमाण पत्र कुछ ही दिनों में ऑनलाइन भी उपलब्ध हो सकेगा। इस डिजिटल पहल से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि संपत्ति की खरीद- बिक्री में होने वाले अपराध और भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाई जा सकेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश में भी वृद्धि होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

एसपी विनीत जायसवाल ने पसका मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

राकेश कुमार चौहान

उत्तर प्रदेशः थाना परसपुर क्षेत्र अंतर्गत पसका संगम तट पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक पसका पर्व मेला की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल ने मेला परिसर एवं संगम स्थित स्नान घाटों का स्थलीय भ्रमण कर गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला क्षेत्र में की गई सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं के आवागमन, स्नान घाटों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला अवधि के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। किसी भी

प्रकार की अव्यवस्था अथवा आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि संगम तट एवं स्नान घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए निर्धारित रूट डायवर्जन का कड़ाई से पालन, मेला मार्गों पर आने-जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग, अवैध पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई तथा पैदल श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि मेला क्षेत्र में तैनात सभी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी कर्तव्यनिष्ठा, संयम और विनम्रता के साथ कार्य करें, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व का आनंद ले सकें। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस प्रदीप कुमार, उपजिलाधिकारी कर्नलगंज नेहा मिश्रा

करन भूषण का वीडियो सॉन्ग सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

विजय बिहारी विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम समेत तमाम प्लेटफॉर्म्स पर उनके समर्थक और चाहने वाले शुभकामनाओं के संदेश साझा कर रहे हैं।ह्न पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिवस पर समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आई हुई है। इसी बीच उनके पुत्र करन भूषण सिंह द्वारा साझा किया। एक वीडियो सॉन्ग सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।सोशल मीडिया पर बृजभूषण शरण सिंह को जन्मदिन की बधाइयों की बाढ़ करन भूषण सिंह का वीडियो सॉन्ग

हुआ वायरल समर्थकों ने वीडियो के जरिए मनाया नेता का जन्म दिन बृजभूषण सिंह की संघर्ष यात्रा पर बना वीडियो चर्चा में जन्म दिवस पर सोशल मीडिया पर छाये बृजभूषण शरण सिंह जीवनशैली, संघर्ष और व्यक्तित्व को दशार्या गया है। वीडियो में उनके बचपन से लेकर राजनीतिक सफर और राजनीतिक उतार-चढ़ाव तक के विभिन्न पड़ाव दिखाए गए हैं।समर्थकों का कहना है कि यह सिर्फ एक वीडियो नहीं, बल्कि उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक यात्रा को समझने का भावनात्मक प्रयास है।

नगर पालिका के टाइपिस्ट 87,500 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, अधिशासी अधिकारी नामजद

प्रशांत

उत्तर प्रदेशः भ्रष्टाचार निवारण संगठन प्रयागराज मण्डल की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ के अधिशासी अधिकारी केटाइपिस्ट को ?87,500 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मामले में अधिशासी अधिकारी को भी नामजद किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता श्री प्रवीण रामपाल सिंह पुत्र श्री रामपाल सिंह निवासी रोही पोस्ट रोही थाना ऊंज जनपद भदोही (हाल पता उस्तापुर थाना झूंसी जनपद प्रयागराज) ने दिनांक 06 जनवरी 2026 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन प्रयागराज में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अराजपत्रित लोकसेवक

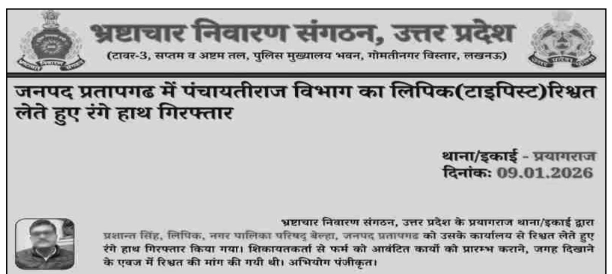
भ्रष्टाचार निवारण संगठन, उत्तर प्रदेश
(टावर-3, सप्तम व अष्टम तल, पुलिस मुख्यालय भवन, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ)

जनपद प्रतापगढ में पंचायतीराज विभाग का लिपिक(टाइपिस्ट)रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

थाना/इकाई - प्रयागराज
दिनांकः 09.01.2026

भ्रष्टाचार निवारण संगठन, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज थाना/इकाई द्वारा प्रशान्त सिंह, लिपिक, नगर पालिका परिषद् बेल्हा, जनपद प्रतापगढ को उसके कार्यालय से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। शिकायतकर्ता से फर्म को आवंटित कार्यों को प्रारम्भ कराने, जगह दिखाने के एवज में रिश्वत की मांग की गयी थी। अभियोग पंजीकृत।

अधिशासी अधिकारी अभिनव यादव एवं लिपिक प्रशान्त सिंह द्वारा शिकायतकर्ता की फर्म मेसर्स कैलाश गंगापुरम, प्रयागराज को आवंटित कार्यों को प्रारम्भ कराने, कार्यस्थल दिखाने एवं टी.एस. की अनुमति दिलाने के एवज में ?87,500 की रिश्वत मांगी जा रही है।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आज दिनांक 09 जनवरी 2026 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन, थाना/इकाई प्रयागराज की 14 सदस्यीय टीम ने निरीक्षक श्रीमती अंजली यादव के नेतृत्व में जाल बिछाया। टीम ने नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ स्थित अधिशासी अधिकारी के टाइपिस्ट कक्ष से शिकायतकर्ता से ?87,500 की रिश्वत लेते हुए आरोपी प्रशान्त सिंह पुत्र स्व. जंग बहादुर सिंह निवासी 81 अजीतनगर पड़ाव वार्ड थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़, वर्तमान में लिपिक (टाइपिस्ट), नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ को समय करीब 14:13 बजे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस प्रकरण में प्रशान्त सिंह, लिपिक (टाइपिस्ट), नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ (गिरफ्तार) तथा अभिनव यादव, पुत्र राजबली यादव, सम्प्रति अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ढकवा प्रतापगढ़, थाना कोतवाली नगर प्रतापगढ़ (नामजद) के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली नगर प्रतापगढ़ में अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है। आगे की जांच जारी है।

एक नजर

अवैध वसूली पर लगाई गई रोक, नागरिको को दिलाये गए 700 रुपए वापस

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेशः आज राणापुर तहसील में आवेदन बनवाने के नाम पर आम नागरिक से ?700 की अवैध वसूली का मामला सामने आया। तहसील के बाहर आवेदन लिखने वाले एक दुकानदार द्वारा यह राशि ली गई थी। पीड़ित व्यक्ति ने आज तहसील पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलते ही तहसीलदार श्री हुकुमसिंह निंगवाल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित दुकानदार को बुलवाया और पीड़ित आवेदक को पूरी राशि वापस दिलवाई। तहसीलदार की इस त्वरित कार्रवाई से तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। आम नागरिकों को आगे किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए लोक सेवा केंद्र (CSC) के अधिकृत व्यक्ति को तहसील परिसर में ही बैठा दिया गया। तहसील प्रशासन द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना में स्पष्ट किया गया है कि अब सभी प्रकार के आवेदन यहीं बैठे लोक सेवा केंद्र से ही तैयार किए जाएंगे और इसके लिए केवल ?30 सेवा शुल्क एवं शासन द्वारा निर्धारित शुल्क ही लिया जाएगा। इस सख्त कदम से तहसील क्षेत्र के नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि अब आवेदन के नाम पर लूट पर रोक लगेगी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति तय शुल्क से अधिक राशि मांगता है तो इसकी तत्काल शिकायत तहसीलदार या एसडीएम कार्यालय में करें।

गरीब ठेलेवालों से वसूली, GRP-RPF पर गंभीर आरोप

साजिद हुसैन/बिहारः यह है कि एक तरफ हमारे बिहार सरकार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी जी और विजय कुमार सिन्हा जी चिल्ला चिल्लाकर बोल रहे हैं कि बिहार से माफिया और गुंडागर्दी खत्म कर देंगे और दुसरे पुलिस वाले खुद ही गुंडागर्दी कर रहा है,हम बात कर रहे हैं, अपने नवादा जिला रेलवे स्टेशन का जो GRP, और RPF वाले गरीब आदमियों से एक ठेला पर बेचने ,चाय ,बेदाम सब्जी, अन्य से 100,50,30 रुपए वसूले जा रहे हैं यह खुलेआम जा रहा है, नवादा रेलवे स्टेशन के आस-पास भी जो कि रेलवे के हद में नहीं आता वहॉ से भी GRP और RPF आम गुंडे को रखकर पैसा वसूली करवा रहे हैं, एक गरीब आदमी अपना घर बीबी बच्चे को पालेगा कि इन गुंडे को जेब भरेगा, इस विषय का जॉच करवाया जाए 100,/सही निकलेगा, और यह कार्य किसी सीआईडी वाले को दिया जाए , नवादा रेलवे स्टेशन पर गुंडागर्दी बंद करवाया जाए, और सख्त सख्त कानून करवाया जाए राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वॉलंटियर भाजपा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष, बिहार भारतीय जनता पार्टी अनूसुचित जाति मोर्चा प्रदेश क्षैत्रिय प्रभारी नवादा बिहार मैं एक सनातनी हिन्दू हुं, गरीबों का हमदर्द हूं बिहार से गुंडागर्दी खत्म करवाने में गरीबों का साथ दें मैं बिहार सरकार और अपने जिला के सभी संबंधित वरीय पदाधिकारी से मांग करता हूं के अति शीघ्र इसपर कार्रवाई करते हुए इन गरीबों को सुरक्षा प्रदान करें ताकि एक निचले पायदान के लोगों को भी यह एहसास हो कि बिहार में कानून का राज है।

वरिष्ठ पत्रकार ए.आर. उस्मानी का निधन, गोण्डा ने खोई निर्भीक आवाज

राकेश कुमार चौहान/उत्तर प्रदेशः जिले के तेज-तर्रार, निर्भीक एवं वरिष्ठ पत्रकार ए.आर. उस्मानी अब हमारे बीच नहीं रहे। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनका इलाज लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहा था, जहां आज भोर में इलाज के दौरान उनका आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही जिले भर के पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। पत्रकारिता जगत ने एक सजग प्रहरी, निर्भीक आवाज और सशक्त कलम को खो दिया है। ए.आर. उस्मानी अपने बेबाक लेखन, निष्पक्ष पत्रकारिता और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

भाई ने ही किया भाई का कत्ल, पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः दिनांक 03.01.2026 को रात्रि लगभग 09.00 बजे दुला मचार की मृत्यु हो जाने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर थाना राणापुर में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच के दौरान प्रकरण संदिग्ध प्रतीत होने पर मृतक दुला मचार का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर द्वारा मृत्यु का कारण गला दबाए जाने से होना पाया गया। उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना राणापुर में हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि घटना दिनांक 03.01.2026 को मृतक दुला मचार एवं उसके सगे भाई हिमता मचार के बीच भूमि के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते आरोपी हिमता मचार ने रात्रि में अपने भाई दुला मचार की हत्या करने की नीयत से उसका गला दबाकर उसकी जान ले ली।

पुलिस टीम द्वारा त्वरित एवं प्रभावी हुए आरोपी हिमता मचार

को गिरफ्तार कर लिया गया है। सराहनीय कार्य उक्त सराहनीय कार्यवाही में थाना राणापुर प्रभारी निरीक्षक श्री दिनेश रावत, उपनिरीक्षक श्री ब्रिजेन्द्र छाबरिया, सहायक उपनिरीक्षक श्री कडेबसिंह मेडा, प्रधान आरक्षक 244 श्री राजेन्द्र, आरक्षक 19 श्री दिनेश, आरक्षक 163 श्री विवेक कुमार एवं आरक्षक 607 श्री दिनेश भयडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रत्येक जिले में साइबर कमांडो तैनाती के लिए विशेषज्ञ टीम की गई तैयार

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः साइबर अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए साइबर कमांडो की एक टीम तैयार की गई है। आधुनिक उपकरणों और साइबर संबंधी जानकारी से यह कमांडो लैस हैं। टीम को उत्तर प्रदेश मुख्यालय मे तैनात किया गया। फिलहाल कमांडो जिले, जोन व रेंज के पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। इससे साइबर अपराध को रोकने और अपराधियों को गिरफ्त में लेने में आसानी होगी। डीजी साइबर व सीआईडी विनोद कुमार के अनुसार, 15 सदस्य टीम को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी कानपुर, नया रायपुर, मद्रास व राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के एक्सपर्ट के साथ-साथ गुजरात के साइबर विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग दिया गया है, जिसमें तकनीकी तौर पर जानकारी दी गई है कि किसी तरह के साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है। अगर अपराध हो गया है तो साइबर अपराधियों को कैसे ट्रेस किया जा सकता है और ठगी की

रकम को कैसे सुरक्षित किया जा सकता है।

तमाम टूल्स भी टीम को उपलब्ध कराए गए हैं। डीजी ने बताया कि एसपीजी और एनएसजी के कमांडो जिस तरह से अपने कार्य क्षेत्रों में दक्ष होते हैं। इस तरह से यह कमांडो साइबर के क्षेत्र में सक्षम होंगे। प्रशिक्षित टीम जिला व जोन स्तर के पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। जिससे उत्तर प्रदेश की हर जिले की पुलिस जोन व रेंज स्तर की टीम में साइबर कमांडो की तैनाती की जा सके, जो केवल साइबर अपराध से जुड़े मामलों की विवेचना आदि करेंगे. क्योंकि प्रदेश के प्रत्येक जिले में साइबर अपराध की घटनाएं हो रही हैं। वहां एक्सपर्ट की टीम होने से कार्रवाई करने में आसानी होगी। साइबर ठगी, ऑनलाइन साइबर हमले, सोशल मीडिया अपराध, डाटा चोरी, फिशिंग और डिजिटल ब्लैकमेलिंग, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध से निपटना चुनौती बन गया है। एक्सपर्ट इन मामलों में बेहतर कार्रवाई करेंगे।

अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह का अनिश्चितकालीन धरना 19वें दिन भी जारी

लेखपाल व ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

प्रशांत

उत्तर प्रदेशः अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह के शिकायती प्रार्थना पत्र पर लेखपाल बलराम सरोज व ग्राम विकास अधिकारी शांति प्रकाश शर्मा द्वारा फर्जी आख्या लगा कर जिला प्रशासन प्रतापगढ़ एवं उत्तर प्रदेश शासन को गुमराह करने के संबंध में जिला कलेक्ट्रेट परिसर प्रतापगढ़ में दिनांक 22/12/25 से समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं तथा आज दिनांक=09/01/26 को भी धरना दिया आज धरने से प्रार्थी की मांगे पूरी नहीं हुई है इसलिए कल दिनांक

10/01/2026 को भी धरना देगा `जिनकी प्रमुख मांगे हैं 1 डूडा के ठेकेदार द्वारा पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए इंटरलॉकिंग करने की योजना से ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए इंटरलॉकिंग की साइट दीवाल पर दीवाल जोड़ लेने की जांच कराई जाय।

पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए कार्यों के अवशेष भुगतान को कराया जाए।

पूर्व में ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए कार्य का अवशेष धन निकाल लेने के बाबत तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी शांति प्रकाश शर्मा पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जाए एवं धन की रिकवरी कराई जाए।

ग्राम कटाता वार्ड नंबर 7 नगर पंचायत मांधाता बाजार में डूडा द्वारा कराई जा रही मानक विहीन गुणवत्ता विहीन इंटरलॉकिंग की जांच कराई जाए एवं दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही कराई जाए। डूडा द्वारा ग्राम कटाता में हो रहे मानक विपरीत कार्य केदार के घर की तरफ न होकर केदार के घर के पीछे की तरफ नवीन परती की गाटा संख्या=65 , 66 व 142 की बेशकीमती भूमि को कब्जा कराने की नीयत से लेखपाल बलराम सरोज को मिलाकर घुमा देने की जांच कराई जाए एवं दोषी लेखपाल एवं कब्जा धारकों पर कार्यवाही कराई जाए। डूडा के ठेकेदार द्वारा बिहार राज्य से बाल श्रमिक लाकर कार्य कराये जाने की जांच कराई जाए। ग्राम कटाता वार्ड नंबर 7 नगर पंचायत मांधाता बाजार को विकास हेतु श्री शिव सहाय अवस्थी जिला अधिकारी प्रतापगढ़ द्वारा गोद लिया जाए। उपरोक्त धरने के समर्थन में अधिवक्ता गण शिव प्रसाद त्रिपाठी, जवाहर लाल द्विवेदी पूर्व अध्यक्ष जिला बार लक्ष्मीकांत द्विवेदी, सत्य नारायण ओझा, दुर्गामणि राय, बृजेंद्र कुमार त्रिपाठी, राम अवध मौर्य, मनोज कुमार मिश्र, अनिल कुमार मिश्र, विवेक कुमार शुक्ला, आनंद ओझा एवं रामेंद्र सिंह कटियार प्रत्याशी बार काउंसिल, श्री राम द्विवेदी सदस्य जूनियर बार, योगेंद्र नाथ तिवारी, मो इस्तियाक, सीमा पांडेय, जय मंगल पांडेय, शिव शंकर सिंह अविनाश शर्मा, लल्लू प्रसाद गिरी, अरविंद कुमार तिवारी, संतोष कुमार मिश्र उपमन्यु प्रताप सिंह, शिव प्रसाद, राकेश सिंह, विजय तिवारी, शैलेश तिवारी, सतीश कुमार सिंह, शरद चंद्र मिश्र आदि सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

500 फीसदी टैरिफ लगा, तो...

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साथ कई मोर्चे खोल लिए हैं। वह क्यूबा, कोलंबिया, ग्रीनलैंड सरीखे छोटे देशों को बंधक बना कर अमरीका के उपनिवेश बनाने पर आमादा हैं, लिहाजा वेनेजुएला की तरह हमले की धमकियां दे रहे हैं। ईरान के चारों ओर भी अमरीकी विमान, युद्धपोत आदि मंडरा रहे हैं, घातक डेल्टा फोर्स को भी तैनात करने की खबरें हैं। हालांकि अमरीका जानता है कि ईरान कमजोर देश नहीं है। ईरान एक सैन्य ताकत है। वह परमाणु सम्पन्न मिसाइलों से अमरीका के वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों पर विनाशक हमले करने में सक्षम है। अमरीकी सीनेट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जिसके साफ मायने हैं कि अमरीकी संसद की अनुमति के बिना ट्रंप किसी भी देश पर हमला नहीं कर सकते अथवा युद्ध में जाने का सेनाओं को आदेश नहीं दे सकते। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को अलग-अलग मोर्चों पर धमकाने, हडकाने में जुटे हैं। ये अर्द्ध-तानाशाही के संकेत हैं। उन्होंने रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दी है, जो इसी सप्ताह संसद के पटल पर पेश किया जा सकता है। यदि यह बिल पारित हो गया, तो आर्थिक अराजकता का माहौल बनना तय है। बिल में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं कि जो भी देश रूस से तेल, गैस और अन्य उत्पादों की खरीद करेगा, अमरीका उस पर 500 फीसदी का टैरिफ थोप सकता है। यानी उन देशों का जो भी माल अमरीकी बाजार में आएगा, उस पर 500 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप की कुटिल निगाहें भारत, चीन, ब्राजील पर हैं। भारत ने बीते चार साल में रूस से 1.73 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल खरीदा है। भारत अब भी अपनी जरूरतों का 30-32 फीसदी तेल रूस से ही खरीदता है।

चीन तो 48 फीसदी तक तेल रूस से खरीदता है। रूस से सबसे अधिक पाइपलाइन गैस की खरीद यूरोपीय संघ के देश करते हैं। अमरीका भी सबसे अधिक यूरेनियम रूस से ही खरीदता है। उन पर प्रतिबंध क्यों नहीं हैं? यूरोपीय देशों पर 500 फीसदी तक के टैरिफ की धमकियां क्यों नहीं दी जातीं? जापान, दक्षिण कोरिया, तुर्किए पर भारत से बहुत कम टैरिफ क्यों है? भारत-अमरीका में जो व्यापार-समझौता होना था, वह इसलिए खटाई में पड़ गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। नतीजतन अमरीका ने इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस के साथ व्यापार-करार कर लिए। अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक का यह बयान हास्यास्पद लगता है, क्योंकि 2025 में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 8 बार फोन पर बातचीत हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी की है। बहरहाल मुद्दा 500 फीसदी टैरिफ का है।

> यूएसए की कूटनीतिक लड़ाई वैचारिक आधार के पर्दे में सोवियत रूस और लातीनी अमेरिका के देशों से हो रही थी। इस लड़ाई में सोवियत रूस टूट गया। उसके बाद सारी व्यवस्थाएं चरमरा गईं। मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप रूस के शिकंजे से निकल गया। पश्चिमी यूरोप में जर्मनी की दीवार टूट गई। चीन ने आर्थिक क्षेत्र में तो कम्युनिस्ट व्यवस्था छोड़ दी लेकिन शासन में पुरानी व्यवस्था जारी रखी। अमेरिका ने भी नए हालात में अपनी रणनीति बदली। उसने अपने आर्थिक हितों के लिए दूसरे देशों में सीधा सैन्य हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया।

विश्व राजनीति की नई पहचान

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया में एक नया ध्रुवीकरण हुआ था। उसमें दो नई महाशक्तियां उभरी थीं। रूस और अमेरिका। पूर्वी यूरोप के देश रूस की छाया में दे दिए गए। शेष यूरोप को अमेरिका ने अपनी छाया में ले लिया। जापान को सजा दी गई थी। उसे सेना रखने से रोक दिया गया। जर्मनी को सजा में दो हिस्सों में बांट दिया गया। आगे से लड़ाई न हो, इसकी व्यवस्था के लिए 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था बना दी गई। लेकिन मामला नियंत्रण से बाहर न हो जाए, इसके लिए रूस, अमेरिका, फ्रांस व इंग्लैंड इसकी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बने। एशिया से चीन को स्थायी सदस्य बनाया गया, क्योंकि चीन ने विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों की मदद की थी। इन पांच स्थायी सदस्यों को वीटो पावर दी गई। दूसरे विश्व युद्ध से एशिया और अफ्रीका को एक लाभ यह हुआ कि उसके अधिकांश देश यूरोप के देशों के शिकंजे से मुक्त होने लगे। भारत भी उनमें से एक था। मोटे तौर पर दो महाशक्तियां स्थापित हो गईं, अमेरिका (यूएसए) और सोवियत रूस। इन दोनों के वैचारिक धरातल भी अलग थे।

सोवियत रूस का दावा था कि वह कम्युनिज्म का पक्षधर है और अमेरिका पूंजीवाद का पोषक है। इस व्यवस्था को झटका तब लगा जब चीन में लंबे अरसे से चला आ रहा सिविल युद्ध कामयाब हो गया और चीन के अधिकांश हिस्से पर माओ के नेतृत्व में कम्युनिस्ट पार्टी का कब्जा हो गया और चीन की सरकार ताईवान तक सीमित हो गई। यहां तक कि कम्युनिस्ट पार्टी ने देश का आधिकारिक नाम भी रिपब्लिक ऑफ चाईना से बदल कर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाईना कर दिया। लेकिन अमेरिका की जिद के कारण 1971 तक वीटो पावर रिपब्लिक ऑफ चाईना (ताईवान) के पास ही रही, जबकि उसके पास अपनी रक्षा कर पाने की ताकत भी नहीं थी। शुरू में तो चीन सोवियत रूस की छाया में रहा। इसके लिए उसके पास कम्युनिज्म का बहाना भी था। लेकिन धीरे धीरे जब उसने अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत समेट ली तो वह उसकी छाया से मुक्त हो गया। अलबत्ता अमेरिकी महाद्वीप के दक्षिणी हिस्से जिसमें ज्यादातर स्पेन के लोग आ बसे थे, के अनेक देशों ने कम्युनिज्म व्यवस्था को स्वीकार किया हुआ था।

यूएसए की कूटनीतिक लड़ाई वैचारिक आधार के पर्दे में सोवियत रूस और लातीनी अमेरिका के देशों से हो रही थी। इस लड़ाई में सोवियत रूस टूट गया। उसके बाद सारी व्यवस्थाएं चरमरा गईं। मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप रूस के शिकंजे से निकल गया। पश्चिमी यूरोप में जर्मनी की दीवार टूट गई। चीन ने आर्थिक क्षेत्र में तो कम्युनिस्ट व्यवस्था छोड़ दी लेकिन शासन में पुरानी व्यवस्था जारी रखी। अमेरिका ने भी नए हालात में अपनी रणनीति बदली। उसने अपने आर्थिक हितों के लिए दूसरे देशों में सीधा सैन्य हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। जिस देश का राष्ट्रपति/अध्यक्ष अमेरिका के अनुकूल न हो, उसे सजा देने का उत्तरदायित्व वाशिंगटन ने स्वयं उठा लिया। इराक का सद्दाम हुसैन अमेरिका की इसी नीति का शिकार हुआ था। लेकिन अब वाशिंगटन के पास इस प्रकार के कामों के लिए कोई वैचारिक ढाल नहीं थी क्योंकि सद्दाम हुसैन को कम्युनिस्ट तो कहा नहीं जा सकता था। इसलिए अब अमेरिका ने नई रणनीति में आतंकवाद/ड्रगवाद को आधार बनाया। जबकि अफगानिस्तान के समय से अमेरिका ने खुद ही इस्लामी आतंकवाद की फसलें तैयार की थीं। लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका ने इस प्रकार के सभी छद्म पर्दों से मुक्ति पा ली है।

अब वाशिंगटन साफ-साफ किसी चतुर व्यापारी की भाषा में बात करनी शुरू कर रहा है। अमेरिका की इस नई नीति का शिकार वेनेजुएला हुआ है। हो सकता है लातीनी अमेरिका के कुछ अन्य देश भी अगली किश्त में इसका शिकार हो जाएं। वेनेजुएला में तेल है। चतुर व्यापारी जानता है तेल की कीमत होती है। इसलिए उसे वेनेजुएला की जरूरत है। ऐसा नहीं कि तेल की जरूरत अमेरिका को अभी हुई है या फिर वाशिंगटन को इसकी अहमियत पहली बार पता चली है। यह लड़ाई पुरानी है। लंबे समय से विश्व की राजनीति में लड़ाई झगड़े का मुख्य कारण मध्य पूर्व का तेल ही रहा है। लेकिन तब इसकी प्राप्ति के लिए लंबे-लंबे छद्म शब्दों का प्रयोग किया जाता था और इनको गढ? के लिए विश्वविद्यालयों के विद्वानों की पूरी फौज मैदान में उतारी जाती थी। लेकिन अब शायद पर्दे में शिकार करने की अपनी रणनीति या कूटनीति अमेरिका ने बदल दी है। हो सकता अब वाशिंगटन यह सब ड्रामा करने की जरूरत ही न समझता हो। अब यहां एक देसी मुहावरे की बात। जिसकी लाठी उसकी भैंस। वाशिंगटन को लगा कि वेनेजुएला एक ऐसी भैंस है जो दूध की जगह तेल देती है। अमेरिका को तेल की जरूरत है। अब तेल देने वाली भैंस अमेरिकी महाद्वीप में घूम रही है। लेकिन यूएसए की सीमा से बाहर है। परन्तु इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वाशिंगटन के पास लाठी है।

वाशिंगटन यह भी जानता है कि तमाम मार्डर्न तकनीकों के बावजूद भैंस को लाठी से ही हांका जाता है। उसने सबसे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति को समझाया कि यह भैंस हमारे हवाले कर दो। लेकिन वह नहीं माना। उसको शायद लगा होगा कि यह इक्कीसवीं शताब्दी है। भैंस और लाठी वाला कानून मध्ययुगीन कानून था। इसलिए उसका प्रयोग आजकल नहीं हो सकता। फिर एक दूसरी आशा भी थी। वाशिंगटन तो संयुक्त राष्ट्र संघ बनाता और उसको पालता है। इसलिए वह तो भैंस और लाठी वाले विधि विधान पर नहीं चल सकता। लेकिन वाशिंगटन जानता था कि कानून तो आज भी वही है, बस उसकी व्याख्याएं अलग तरीके से हैं। लेकिन वाशिंगटन ने एक पुरानी व्याख्या के सहारे ही भैंस को हांकने का निर्णय किया। वह व्याख्या भेड़िए और लेले वाली है। भेड़िए किसी लेले को खाना चाहता था। लेकिन यह सजा सुनाने के लिए लेले का कोई अपराध तो किया होना चाहिए। इसलिए भेड़िए ने लेले को कहा कि दो साल पहले तुमने मुझे गालियां निकाली थीं। लेले ने कहा कि मेरी उम्र महज एक साल है।

भेड़िए को अपने झूठ पर शर्म नहीं आई। उसने निर्लज्जता से कहा कि तुम्हारे बाप ने निकाली होंगी और इस अपराध में वह लेले को खा गया। वाशिंगटन ने भी वेनेजुएला के राष्ट्रपति को कहा कि तुम नशीले पदार्थों का धंधा करते हो और उसे अमेरिका भेजते हो। राष्ट्रपति मादुरो ने इन्कार किया। वाशिंगटन ने इसे उसकी धृष्टता माना। और अपने जहाज भेज कर उसका अपहरण कर उसे न्यूयार्क ले आया और अब कचहरी वगैरह का कोई प्रहसन चालू किया है। दुनिया भर के बुद्धिजीवी भारी भरकम शब्दों में इस विषय पर गुरु गम्भीर विवेचन कर रहे हैं। कागज काले हो रहे हैं। किताबें छप रही हैं। विश्वविद्यालयों में किसी अंतरराष्ट्रीय कानून को समझने समझाने की कोशिश हो रही है। लेकिन आम आदमी को इस माथापच्ची की जरूरत नहीं है। वह जानता है जिसकी लाठी उसकी भैंस। इस कथा से क्या शिक्षा मिलती है? अपनी लाठी मजबूत करो। इसलिए नहीं कि आपको पड़ोसियों की भैंसें खोलनी हैं। बल्कि इसलिए ताकि कोई आपकी भैंस अपनी लाठी के बल पर खोल कर न ले जाए। आप की ताकतवर लाठी का एक दूसरा लाभ भी हो सकता है। ताकि कोई दूसरा भी किसी निर्बल की भैंस हांक कर न ले जा सके। जब भारत के विश्वगुरु बनने की बात आती है तो इसी संदर्भ में आती है। अभी जिसके पास लाठी है, वह गुंडई पर उतर आया है।

पढ़ाई के नाम पर बच्चों से छिनता बचपन

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

अखबार की एक छोटी-सी खबर कई बार पूरे समाज के चेहरे से नकाब हटा देती है। ह्लपढ़ाई के लिए कहने और रील बनाने से रोकने पर किशोर छोड़ रहे घरह्व-यह वाक्य सिर्फ. सूचना नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गहरी त्रासदी का बयान है। यह बताता है कि घर, जो बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है, कई मामलों में उनके लिए असहनीय दबाव का केंद्र बनता जा रहा है। पढ़ाई, अनुशासन और भविष्य की चिंता-ये सब आवश्यक हैं, लेकिन जब ये डर, ताने, अपमान और तुलना के साथ बच्चों पर थोपे जाते हैं, तो नतीजा सीखने की प्रेरणा नहीं, बल्कि पलायन होता है। यह खबर हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करती है कि आखिर हम अपने बच्चों से क्या चाहते हैं-अंक, रैंक और प्रदर्शन या एक संतुलित, संवेदनशील और स्वस्थ मनुष्य?

आज का किशोर अभूतपूर्व बदलावों के दौर से गुजर रहा है। डिजिटल दुनिया ने उसकी आंखों के सामने विकल्पों का विस्तार कर दिया है-रील्स, शॉर्ट वीडियो, ऑनलाइन दोस्ती, त्वरित प्रसिद्धि और तुरंत मिलने वाली प्रशंसा। यह सब आकर्षक है, पर इसके भीतर अस्थिरता भी है। ऐसे में परिवार की भूमिका और भी निर्णायक हो जाती है। दुर्भाग्य से कई घरों में संवाद की जगह आदेश ने ले ली है, समझ की जगह तुलना ने, और सहानुभूति की जगह अपेक्षाओं ने। ह्लहम तुम्हारे भले के लिए कह रहे हैंह्व-यह वाक्य अक्सर बच्चों के मन में भय बनकर उतरता है, क्योंकि इसके साथ उनकी बात सुनने की इच्छा नहीं जुड़ी होती। पढ़ाई को लेकर समाज में एकांगी दृष्टि विकसित हो गई है। सफलता का पैमाना सीमित कर दिया गया है-अच्छे अंक, प्रतिष्ठित कॉलेज और तथाकथित सुरक्षित करियर। इस दौड़ में यह भूल जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में है, किसी की कला में; कोई खेल में खिलता है, कोई लेखन में। जब एक ही साँचे में सबको ढालने की कोशिश होती है, तो कई बच्चे टूटते हैं। वे अपनी असफलता को निजी अपराध मानने लगते हैं और धीरे-धीरे आत्मविश्वास खो देते हैं। घर छोड़ना उस टूटन का चरम बिंदु है-एक हताश प्रयास, जहाँ बच्चा भागकर शांति ढूंढना चाहता है।

किशोरावस्था वैसे ही भावनात्मक उथल-पुथल का समय है। शरीर बदलता है, मन सवालों से भरता है, पहचान गढ़ने की बेचैनी होती है। ऐसे समय में अगर घर में डांट, चिल्लाहट, तिरस्कार और निरंतर निगरानी का माहौल हो, तो बच्चा खुद को अकेला महसूस करता है। उसे लगता है कि उसकी भावनाओं की कोई कीमत नहीं। कई बार माता-पिता बच्चों की चुप्पी को अनुशासन समझ लेते हैं, जबकि वह भीतर जमा होता तनाव होता है। यह तनाव कब विस्फोट बन जाए-घर छोड़ने, नशे की ओर जाने या आत्म-क्षति तक-कहना मुश्किल है।

रील्स और सोशल मीडिया को इस समस्या का एकमात्र दोषी ठहराना भी सरलीकरण होगा। यह सच है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की एकाग्रता और धैर्य को प्रभावित करता है, लेकिन सवाल यह है कि बच्चे स्क्रीन में शरण क्यों लेते हैं? अक्सर इसलिए क्योंकि वहाँ उन्हें सुना जाता है, सराहा जाता है, या कम-से-कम जज नहीं किया जाता। अगर घर में संवाद जीवित हो, साझा समय हो, और भरोसे का रिश्ता हो, तो डिजिटल आकर्षण संतुलन में रहता है। समस्या तकनीक नहीं, तकनीक के साथ हमारे रिश्ते की है।

माता-पिता की चिंता स्वाभाविक है। वे अपने अनुभवों से सीखकर बच्चों को कठिनाइयों से बचाना चाहते हैं। पर चिंता जब नियंत्रण में बदल जाती है, तब नुकसान होता है। बच्चों के शौक छीन लेना, दोस्तों से मिलना रोकना, हर समय तुलना करना-ये तरीके अल्पकाल में अनुशासन जैसे दिख सकते हैं, पर दीर्घकाल में विश्वास तोड़ देते हैं। बच्चा आज्ञाकारी दिखे, पर भीतर विद्रोह पनपता रहता है। पढ़ाई के प्रति प्रेम डर से नहीं, अर्थ से पैदा होता है-जब बच्चा समझता है कि वह क्यों पढ़ रहा है, किस दिशा में बढ़ रहा है।

स्कूल और शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं। परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था बच्चों को अंक मशीन बना देती है। काउंसलिंग, लाइफ स्किल्स और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर निवेश अभी भी अपवाद है। शिक्षक अक्सर पाठ्यक्रम पूरा करने के दबाव में बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को नहीं देख पाते। स्कूल और घर अगर मिलकर एक सहायक तंत्र बनाएं-जहाँ बच्चे की रुचि, क्षमता और मानसिक स्थिति पर संवाद हो-तो बहुत-सी त्रासदियाँ रोकी जा सकती हैं।

समाज में सफलताओं का प्रदर्शन और असफलताओं का उपहास भी समस्या को बढ़ाता है। रिश्तेदारों की तुलना, पड़ोस की अपेक्षाएँ, सोशल मीडिया पर उपलब्धि का शोर-ये सब माता-पिता के दबाव को कई गुना कर देते हैं, जो आगे बच्चों पर उतरता है। हमें सामूहिक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि हर रास्ता एक जैसा नहीं होता और देर से खिलने वाले फूल भी सुगंध बिखेरते हैं। जीवन रैखिक नहीं है; उसमें ठहराव, मोड़ और पुनः शुरूआत भी होती है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चुप्पी सबसे खतरनाक है। बच्चों की उदासी, चिड़चिड़ापन, नींद में बदलाव, पढ़ाई से अचानक दूरी-ये सब संकेत हैं, जिन्हें ह्यनाटकह्न या ह्यजिदह्न कहकर टाल देना आसान है। लेकिन समय रहते संवेदनशील हस्तक्षेप-एक शांत बातचीत, बिना टोके सुनना, जरूरत पड़े तो पेशेवर काउंसलिंग-कई जिंदगियाँ बचा सकता है। काउंसलिंग कोई कलंक नहीं, बल्कि समझदारी का कदम है।

घर के भीतर संवाद की संस्कृति बनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। रोज का साझा समय-बिना मोबाइल, बिना आदेश-जहाँ बच्चा अपने दिन, डर और सपने कह सके। माता-पिता का यह स्वीकार करना कि उनसे भी गलती हो सकती है, बच्चों को ईमानदार बनाता है।

संवाद में निहित होती है लोकतंत्र की आत्मा

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) भारत की उस दीर्घकालिक सोच का हिस्सा है, जिसमें युवा केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति-निर्माण और राष्ट्र-निर्देशन के सक्रिय भागीदार हैं। भारत विश्व का सबसे युवा देश है, जहाँ 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को सही दिशा और मंच प्रदान किया जाए। वीबीवाईएलडी इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देता है। यह पहल युवाओं को संवाद, विचार-विमर्श, नीति सुझाव और नेतृत्व विकास के अवसर प्रदान कर उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में सक्षम बनाती है।

लोकतंत्र की आत्मा संवाद में निहित होती है। विकसित भारत युवा नेता संवाद युवाओं और शासन के बीच सेतु का कार्य करता है। पारंपरिक रूप से नीति-निर्माण एक सीमित वर्ग तक सिमटा रहता था, परंतु इस पहल के माध्यम से युवाओं को अपनी समस्याएँ, आकांक्षाएँ और समाधान सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। यह न केवल लोकतांत्रिक सहभागिता को गहरा करता है, बल्कि शासन को अधिक उत्तरदायी और समावेशी भी बनाता है। युवा जब अपनी आवाज नीति-निर्माण में प्रतिबिंबित होते देखते हैं, तो उनमें लोकतंत्र के प्रति विश्वास और उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होती है।

युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं है। वीबीवाईएलडी युवाओं को सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और पर्यावरणीय क्षेत्रों में नेतृत्व के लिए तैयार करता है। संवाद और विचार-विमर्श के माध्यम से युवाओं में आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान की क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि का विकास होता है। यह उन्हें तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित और सतत विकास के व्यापक लक्ष्यों पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार यह पहल नेतृत्व को मूल्य-आधारित, संवेदनशील और दूरदर्शी बनाती है।

वर्ष 2047 तक सतत विकास भारत की सबसे बड़ी चुनौती और आवश्यकता दोनों है। आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और समावेशिता सुनिश्चित करना एक जटिल कार्य है। युवा नेता संवाद युवाओं को सतत विकास लक्ष्यों की समझ प्रदान करता है और उन्हें समाधान का हिस्सा बनाता है। जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी, शहरीकरण, बेरोजगारी और असमानता जैसे मुद्दों पर युवा अपने अनुभव और नवाचारी विचार साझा करते हैं। इससे नीतियाँ अधिक व्यावहारिक, जमीनी और भविष्य-सुरक्षित बनती हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के संदर्भ में भी वीबीवाईएलडी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। संवाद के दौरान युवा शिक्षा प्रणाली की कमियों, कौशल-असंगति और रोजगार योग्य प्रशिक्षण की आवश्यकता को उजागर करते हैं। इससे सरकार को शिक्षा और कौशल नीतियों को युवाओं की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप ढालने में सहायता मिलती है। वर्ष 2047 तक भारत को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है, और यह तभी संभव है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और नवाचार के अवसर मिलें। युवा नेता संवाद इस दिशा में एक वैचारिक प्रयोगशाला की तरह कार्य करता है।

सामाजिक न्याय और समावेशिता जीएस पेपर क्क का केंद्रीय विषय है, और वीबीवाईएलडी इसमें भी योगदान देता है। भारत विविधताओं का देश है-जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र और संस्कृति के स्तर पर। युवा नेता संवाद विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए युवाओं को एक मंच पर लाकर समावेशी सोच को बढ़ावा देता है। जब ग्रामीण, शहरी, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिला युवा एक साथ संवाद करते हैं, तो नीति सुझाव अधिक संतुलित और न्यायपूर्ण बनते हैं। यह पहल हाशिए पर पड़े वर्गों की आवाज को मुख्यधारा तक पहुँचाने में सहायक है। डिजिटल युग में युवा सबसे बड़े परिवर्तनकारी एजेंट हैं। वीबीवाईएलडी डिजिटल प्लेटफॉर्म और संवाद का उपयोग कर युवाओं की भागीदारी को व्यापक बनाता है। इससे भौगोलिक सीमाएँ टूटती हैं और देश के दूर-दराज क्षेत्रों के युवा भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनते हैं। डिजिटल सहभागिता पारदर्शिता, पहुँच और गति को बढ़ाती है, जो सुशासन के लिए आवश्यक तत्व हैं। वर्ष 2047 तक डिजिटल इंडिया की परिकल्पना को साकार करने में युवा नेतृत्व की यह भूमिका निर्णायक होगी।

नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी केवल सुझाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि क्रियान्वयन और निगरानी तक विस्तारित होनी चाहिए। वीबीवाईएलडी युवाओं में उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है, जिससे वे केवल आलोचक नहीं, बल्कि समाधानकर्ता बनते हैं। जब युवा किसी नीति के निर्माण में शामिल होते हैं, तो उसके सफल क्रियान्वयन में भी उनकी भागीदारी स्वाभाविक हो जाती है। इससे नीति और समाज के बीच की दूरी कम होती है। आर्थिक विकास के संदर्भ में भी युवा नेता संवाद की भूमिका अहम है। स्टार्टअप, उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर युवा अपने अनुभव और अपेक्षाएँ साझा करते हैं। इससे रोजगार सृजन, एमएसएमई सशक्तिकरण और नवाचार-आधारित विकास को गति मिलती है। वर्ष 2047 तक भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर से आगे की अर्थव्यवस्था बनाना है, और इसमें युवा उद्यमियों और नेताओं की भूमिका केंद्रीय होगी।

पर्यावरणीय स्थिरता के बिना विकास अधूरा है। युवा स्वाभाविक रूप से पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, क्योंकि भविष्य की सबसे बड़ी कीमत उन्हें ही चुकानी है।

खुद पर विश्वास रखो

-संजय गोस्वामी-

बेरोजगारी वह स्थिति है जब काम करने की क्षमता रखने वाले व्यक्ति को नौकरी नहीं मिलती। यह एक बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौती है। इसके प्रमुख कारणों में जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक मंदी, तकनीकी बदलाव और कौशल की कमी शामिल हैं। बेरोजगारी से व्यक्ति में मानसिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक अपराध की संभावना बढ़ती है। जो कि आज के समय में मेन समस्या है, बेरोजगारी केवल इंडिया में ही नहीं, यह पूरी दुनिया की प्रॉब्लम है, लेकिन अगर आप टैलेंटेड हैं तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। युवाओं का दिमाग नियाग्रा फॉल्स जैसा होता है। पहाड़ की ऊंचाइयों से पानी का एक बड़ा हिस्सा, बिना सोचे-समझे बहता रहता है और आखिर में, बिना किसी मकसद के, समुद्र में अपनी पहचान खो देता है। दूसरी ओर, अगर इसके पानी पर एक डैम बनाया जाए और उसे रेगुलेटेड नहरों में बहाया जाए, तो खेतों की सिंचाई की जा सकती है और अच्छी फसल काटी जा सकती है। जैसा कि स्वामी विवेकानंद कहते हैं, एकाग्र मन सच में एक सर्चलाइट है। एक सर्चलाइट हमें दूर, अंधेरे कोनों में पड़ी चीजों को भी देखने में मदद करती है। हमें यह बात पता चलती है कि लगातार कोशिश करने से एकाग्रता मिलती है। अर्जुन के सवाल का जवाब भी भगवान कृष्ण ने यही दिया थाः प्रैक्टिस से परफेक्शन मिलता है। अर्जुन का सवाल क्या था? कृष्ण, मन बहुत चंचल है; यह हमेशा बेचैन रहता है। यह ताकतवर भी है। इसे कंट्रोल में रखना हवा को पकड़ने के बराबर है। तो फिर ऐसे मन को कैसे कंट्रोल में लाया जा सकता है? भगवान कृष्ण जवाब देते हैं झ्र तुम जो कहते हो, वह सच है, अर्जुन। यह सच है कि मन बेचैन है, यह सच है कि इसे कंट्रोल में रखना कोई आसान काम नहीं है। लेकिन यह जरूरी बात सुनोः यह भी उतना ही सच है कि ऐसे चंचल मन को भी लगातार प्रैक्टिस और वैराग्य के बल पर कंट्रोल में लाया जा सकता है। यहाँ हम इस बारे में बात करेंगे कि स्टूडेंट्स को पढ़ाई पर अपना ध्यान कैसे लगाना चाहिए, क्योंकि यह एडिटोरियल खास तौर पर स्टूडेंट्स के लिए है। जैसे एक योगी को ध्यान करते समय बैठने के लिए एक मजबूत और मुलायम सीट की जरूरत होती है, वैसे ही हर स्टूडेंट के पास एक कुर्सी और एक टेबल होनी चाहिए ताकि वह किताबें फैला सके और आराम से पढ़ाई कर सके। सवाल, ह्यक्या सर एम विश्वेश्वरैया के पास अपने स्टूडेंट-डे के दौरान एक टेबल और एक कुर्सी थी? क्या वह स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़कर दुनिया भर में मशहूर नहीं हो गए?- यह बात यहाँ नहीं लानी चाहिए। पक्का, स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ने वाले सभी लोग विश्वेश्वरैया नहीं बन सकते। पढ़ने या लिखने के लिए बैठते समय, किसी को भी बेवजह अपना शरीर नहीं हिलाना चाहिए।

बहुत सारे स्टूडेंट पढ़ने के लिए बैठते समय अजीब-अजीब पोजिशन अपनाते हैं। कुछ दूसरे ऐसे भी होते हैं जो किसी न किसी चीज को देखते रहते हैं, जैसे गहरी सोच में डूबे हों और पढ़ते समय पेन या पेंसिल चबाते रहते हैं। ऐसी और भी कई दिखावटी आदतें हैं। ये सभी कॉन्संट्रेशन के लिए नुकसानदायक हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि एक तय समय पर एक ही टॉपिक पढ़ना है। लेकिन, जब कोई टॉपिक चुन लिया जाए, तो कम से कम पूरे एक घंटे तक मन को उसमें डुबोए रखना चाहिए। सिर्फ. किताब पढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आपने उसकी पढ़ाई कर ली है। सिर्फ. किताब पढ़ने और उसकी पढ़ाई करने में फर्क पता होना चाहिए। लेकिन कॉन्संट्रेशन एक ऐसी चीज है जो पढ़ने और पढ़ाई करने दोनों में कॉमन है। किताब को ऊपर-ऊपर से पढ़ना पढ़ने वाले को इसका सिनॉप्सिस पता चल सकता है। लेकिन अच्छी तरह से पढ़ने से मन किताब के कंटेंट की गहराई में उतर पाएगा और अक्सर छिपे हुए उनके असली महत्व को समझ पाएगा। इससे सब्जेक्ट मैटर पर अच्छी पकड़ बनेगी और आगे पढ़ने में भी मदद मिलेगी। एक बार स्टडी टेबल पर पढ़ाई के लिए टॉपिक लेकर बैठने के बाद, यह सबसे जरूरी है कि जैसा कि ऊपर बताया गया है, पढ़ाई पूरे एक घंटे तक जारी रहे। आमतौर पर मन किसी नए सब्जेक्ट को तुरंत समझने के लिए तैयार नहीं होगा। दिन भर में हम जो अलग-अलग काम करते थे, अपने दोस्तों और दूसरों के साथ जो बातें करते थे या जो विचार इस पढ़ाई को शुरू करने से ठीक पहले हमारे मन में थे, वे अभी भी हमारे अंदर एक्टिव रहेंगे। इसलिए, इस पढ़ाई के लिए मन को तैयार होने में कम से कम 8 से 10 मिनट लग सकते हैं। अगर मन जब सब्जेक्ट मैटर की गहराई में जा रहा हो, तभी अचानक पढ़ाई रोक दी जाए, तो कंसंट्रेशन खत्म हो जाएगा और पढ़ाई खराब हो जाएगी।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, भूमाफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ह्यजनता दर्शनह्न में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

कानून व राजस्व के प्रकरण में शीघ्रता से निस्तारण का दिया निर्देश मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है। इसमें हीला-हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें।

इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता दे रही सरकार गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने ह्यजनता दर्शनह्न में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हॉस्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी।

धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। सीएम योगी ने किया नौनिहालों को दुलार जनता दर्शनह्न में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे-मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा-पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

शिक्षा सेवक महासंघ ने लंबित मांगों को लेकर किया आंदोलन का ऐलान

संजय कुमार वर्मा

बिहार: सदर के अम्बेडकर पुस्तकालय भवन में शिक्षा सेवक महासंघ जिला कमेटी की एक बैठक मुसहर भुंईया शिक्षा सेवक महासंघ के प्रदेश सचिव मुकेश मांझी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें संघ के जिला कमेटी के सदस्यों ने भाग लिए। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सचिव मुकेश मांझी ने कहा कि नवादा समेत पुरे बिहार में 2008- 09 से अठाईस हजार से अधिक शिक्षा सेवक, शिक्षा तालीमी मरकज विभाग में कार्यरत हैं। आज हमलोग भी पुरी तरह समय देकर अन्य शिक्षकों की तरह विभाग में कार्य करते हैं। हमलोगों ने इस बार न ई सरकार गठन होने पर शिक्षा सेवकों की लम्बित मांगों की पुर्ती के लिए काफी उम्मीद और विश्वास जताये थे परन्तु मांगों पर सरकार की कोई ध्यान नहीं है। और सरकार से शिक्षा सेवकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। इससे साफ जाहिर होता है कि अब शिक्षा सेवकों की सेवा समाप्त करने की साजिश चल रही है। अगर हमलोगों की मांगें नहीं मानी गई तो हमलोग भी चुप रहने वाले नहीं हैं। मांगें पूरी होने तक पुरे बिहार में आन्दोलन जारी रहेगा। हमारी मुख्य मांगें हैं। 18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कायार्नुभव के आधार पर शिक्षा का दर्जा देने एवं शिक्षकों की तरह अन्य भता सहित सारी सुविधा मुहैया कराने की मांग शामिल हैं। बैठक सम्पन्न होने के बाद गोविन्दपुर विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा सदस्य बिनिता मेहता को मांग पत्र सौंपा गया। बैठक में आजाद राजवंशी, मुकेश मांझी प्रदेश सचिव, गणेश मांझी,बिरेन्द्र मांझी, विकाश कु0 मांझी,बसंत मांझी, अशोक कुमार, सहित जिला कमिटी के अन्य सदस्य शामिल थे।

कायस्थ सभा गाडरवारा की नई कार्यकारिणी गठित

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेश: रविवार को नए कॉलेज के सामने श्री कुटी गार्डन में कायस्थ समाज गाडरवारा की बैठक रखी गई। जिसमें चित्रगुप्त पूजन उपरांत समाज की एकजुटता पर बल दिया गया और युवाओं को समाज से परिचित कराने उन्हें प्रेरित करने पर चर्चा हुई।

साथ ही इस मौके पर समाज की कार्यकारिणी का भी मनोनयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से विनोद श्रीवास्तव को अध्यक्ष, अरुण श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव एवं राजकुमार श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं आशीष सक्सेना और दुर्गेश श्रीवास्तव कोठिया महासचिव बनाए गए।

ऐसे ही संगठन सचिव कुलदीप श्रीवास्तव, संदीप खरे, शिवकुमार खरे, संदीप श्रीवास्तव, प्रचार प्रभारी अरुण श्रीवास्तव उड़नी पिपरिया, कोषाध्यक्ष बृजमोहन श्रीवास्तव, महिला प्रकोष्ठ में रजनी श्रीवास्तव, टीना खरे, मोनिका खरे, व्यवस्था प्रभारी संदीप हेमंत, अजय, मार्गदर्शक मंडल में कुशलेंद्र श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव तथा कार्यकारिणी में शुभम श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव आदि को रखा गया है।

दुकानदारों ने एएसआई पर वसूली व धमकी के लगाए आरोप

अंकित कुमार सिंह

झारखण्ड: धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचगढ़ी बाजार के छोटे-छोटे दुकानदारों ने सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) एस.के. चौबे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दुकानदारों ने झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भेजकर एएसआई के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की है। दुकानदारों का आरोप है कि एएसआई एस.के. चौबे द्वारा उन्हें लगातार डरा-धमकाकर अवैध रूप से पैसे की वसूली की जाती है। आरोप है कि वसूली का विरोध करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने और हवालात भेजने की धमकी दी जाती है। दुकानदारों का कहना है कि वे छोटे-छोटे व्यवसाय के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, लेकिन पुलिसिया दबाव के कारण उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कतरास थाना क्षेत्र में सक्रिय अवैध कारोबारियों के साथ एएसआई की कथित सांठ-गांठ है। दुकानदारों का दावा है कि अवैध कारोबारियों को संरक्षण दिया जाता है, जबकि गरीब दुकानदारों को निशाना बनाया जाता है।

दुकानदारों के अनुसार, कुछ दिन पूर्व कतरास थाना क्षेत्र में जमुना दास विशेश्वरलाल ऑनामेंट प्रतिष्ठान में हुई लूट की घटना के बाद अपराधियों की गिरफ्तारी न होने के कारण छोटे दुकानदारों को ही संदेह के घेरे में लिया जा रहा है। आरोप है कि चाय, नाश्ता, भोजनालय सहित अन्य दुकानों को ह्वरेकी करानेह्न के नाम पर जबरन बंद कराया जा रहा है और लूट कांड में फंसाने की साजिश की जा रही है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि रात आठ बजे के बाद बाजार जबरन बंद कराए जाने से क्षेत्र में सुनसान माहौल बन गया है, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं। ऑटो और टोटो चालकों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाओं की भी चर्चा की गई है, जिससे यात्रियों और मरीजों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

दुकानदारों ने एएसआई एस.के. चौबे पर लंबे समय से एक ही थाना में पदस्थ रहने, रेलवे क्वार्टर पर अवैध कब्जा, नशे की हालत में ड्यूटी करने और दुर्व्यवहार करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर दुकानदारों ने मुख्यमंत्री के साथ-साथ पुलिस महानिरीक्षक, उपायुक्त धनबाद और वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को भी प्रतिलिपि भेजी है। दुकानदारों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है ताकि उन्हें न्याय मिल सके। आवेदन पत्र शिकायत मामले में एएसआई एस.के. चौबे से पूछे जाने पर बताया कि छोटे-छोटे दुकानदारों कि हा से ही रेकी होता है, मेरा बाप मुख्यमंत्री के पास ही रहते हैं कुछ नहीं होगा ,पीएम के पास लिखे उसके बाद देखेंगे। हम अपने अधिकारी की आदेश मानकर काम करते हैं।

एक नजर

पुलिस की बड़ी कार्रवाई 1 करोड़ रुपए और चोरी का माल किया बरामद ,आरोपी फरार

राजु/उत्तर प्रदेश: शीशगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार देर रात नोएडा पुलिस की एक विशेष टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई की। मोहल्ला शेखुपुर में एक व्यापारी के घर पर छापेमारी कर पुलिस ने एक करोड़ रुपये नकद और वर्धमान कंपनी का भारी मात्रा में चोरी का कच्चा माल बरामद किया है, जांच में सामने आया है कि आरोपी व्यापारी नोएडा की वर्धमान कंपनी से माल चोरी कर उसे बरेली लाता था। इस चोरी के माल को यहां से ऊंचे दामों पर आसपास के बाजारों में बेचा जाता था। नोएडा के एक पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले पर जांच करना शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान घर से 1 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। इसके अतिरिक्त, भारी मात्रा में धागा, नलकी और अलॉय स्टील भी मिला। बरामद सामग्री की बाजार में कुल कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस की भनक लगते ही मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। नोएडा पुलिस कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य और बरामद माल अपने साथ ले गई है, जबकि भारी मशीनरी और शेष सामान स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। शीशगढ़ इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि यह संयुक्त कार्रवाई नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर की गई थी। उन्होंने पुष्टि की कि कंपनी का चोरी हुआ काफी माल बरामद हुआ है। इंस्पेक्टर सिंह के अनुसार, आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तिलैया-राजगीर रेलखंड पर युवक की ट्रेन से कटकर हुई मौत

संजय कुमार वर्मा/बिहार: नवादा जिला अंतर्गत तिलैया -राजगीर रेलखंड पर शनिवार की रात्रि एक युवक की ट्रेन से कटकर मृत्यु हो गया, जिसे हिसुआ पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेजा है। यह घटना हिसुआ थानाक्षेत्र अंतर्गत भेलु बिगहा गोमती के पास हुआ ,जिसकी सूचना हिसुआ थाना को मिली। एसआई परदेशी कुमार ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया ,जिसके बाद शव का शिनाख्त हुआ। मृतक नारदीगंज थानाक्षेत्र के कहुआरा ग्राम निवासी 45 वर्षीय अर्जुन दास पिता सुबोध दास हैं। घटना के कारणों का पता नहीं चला है ,पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेजकर अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट की बैठक संपन्न

अरविंद कुमार दुबे/मध्य प्रदेश: सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम बगासपुर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्रिकेट टूर्नामेंट हेतु बैठक हुई संपन्न जिसमें मुख्य निर्णय लिए गए टूर्नामेंट संरक्षक प्रेमशंकर पटेल ने बताया कि पिछले नो वर्षो सन 2017 से लगातार टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल मित्र मंडल की ओर से किया जाता हैं उसी संदर्भ में आज बैठक रखी गई है इस वर्ष टूर्नामेंट 19 जनवरी से प्रारंभ होगा और इस वर्ष विजेता की राशि 91 हजार से 1 लाख तक विजेता टीम के लिए और अभिजेता टीम के लिए 45 हजार से 51 हजार तक रखी जायेगी समस्त सदस्यों द्वारा युवा समिति का अध्यक्ष पुनः शुभम पटेल को नियुक्त किया गया।

क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों को निर्देश दिए गए हैं शामिल होने वाली टीम की एंट्री फीस 4100 रुपए रखी गई है भाग लेने वाली टीम क्रिकेट किट में अपनी एवं बनाए गए नियमों का पालन करेगी एवं एम्पायर का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा अध्यक्ष श्री पटेल ने अधिक से अधिक दर्शकों को क्रिकेट प्रतियोगिता में आनंद उठाने का निमंत्रण दिया बैठक में आयोजन समिति संरक्षक प्रेमशंकर पटेल,चौधरी सुधीर पटेल,कल्याण पटेल,दिलीप पटेल,शुभम पटेल,एडवोकेट मनोज साहू,उमाशंकर पटेल,सुनील पटेल,संतोष पटेल,दिलीप पटेल एवं समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दीपक लूंठी को पिथौरागढ़ व गंगोलीहाट का ब्लॉक प्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिखी खुशी

लिखित पंत

उत्तराखंड: प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्य श्री दीपक लूंठी को संगठन द्वारा विधानसभा पिथौरागढ़ नगर एवं विधानसभा गंगोलीहाट नगर व ब्लॉक प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्री

दीपक लूंगी लंबे समय से संगठन के लिए निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते आ रहे हैं। उनकी संगठनात्मक समझ, कार्यक्षमता और जनसंपर्क को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है, जो संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएगी।

कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पिथौरागढ़ नगर एवं गंगोलीहाट क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा आम जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से पार्टी मंच तक पहुँचाया जाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही सभी ने श्री दीपक लूंगी के सफल कार्यकाल की कामना की खबर है, इसमें कुछ नाम जोड़ने हैं।

समाजसेवी श्यामदेव प्रसाद का हुआ निधन, गांव में शोक की लहर

संजय कुमार वर्मा

बिहार: हिसुआ प्रखंड के दोना पंचायत अंतर्गत सचौल गांव निवासी एवं समाजसेवी स्वभाव के श्यामदेव प्रसाद का 11 जनवरी को पटना स्थित मेडिन हॉस्पिटल में ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया।

लगभग 80 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और इलाजरत थे, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। स्वर्गीय श्यामदेव प्रसाद अर्जुन महतो, छोटे लाल प्रसाद एवं रामस्वरूप प्रसाद के बड़े भाई थे। वे अपने सरल, मिलनसार और समाज के प्रति सदैव सक्रिय रहने वाले व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण वे गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाकों में भी सम्मानित माने जाते थे। आम लोगों की समस्याओं को लेकर वे हमेशा आगे रहते थे और यथासंभव सहयोग करते थे।

बस ड्राइवरो के स्वास्थ्य के लिए लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प

राकेश कुमार चौहान

उत्तर प्रदेश: परिवहन विभाग और एआरटीओ प्रशासन ने संयुक्त रूप से रोडवेज बस स्टैंड पर एक स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प लगाया। इस कैम्प में सरकारी रोडवेज बस ड्राइवर और प्राइवेट बस ड्राइवरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस कैम्प का उद्देश्य बस ड्राइवरों के स्वास्थ्य की जांच करना था, ताकि वे सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से अपने वाहनों को चला सकें। स्वास्थ्य परीक्षण में ड्राइवरों की आँखों, रक्तचाप, शुगर और अन्य स्वास्थ्य पैरामीटर्स की जांच की गई। एआरटीओ प्रशासन ने बताया कि इस तरह के कैम्प आगे भी लगाए जाएंगे, ताकि बस ड्राइवरों के स्वास्थ्य की नियमित जांच की जा सके।

16 दिव्यांगजनों को बैट्री ट्राईसाइकिल की गई वितरित

संजय कुमार वर्मा

बिहार: जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में को बुनियाद केंद्र, हिसुआ (नवादा) में शनिवार को सहायक निदेशक जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग रीतेश कुमार द्वारा 16 चयनित दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। यह वितरण मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना अंतर्गत संचालित राज्य योजना 'सम्बल' के तहत किया गया। बैट्री चालित ट्राईसाइकिल प्राप्त कर सभी दिव्यांगजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा बताया कि अब वे बिना किसी कठिनाई के जीविकोपार्जन एवं शिक्षा हेतु

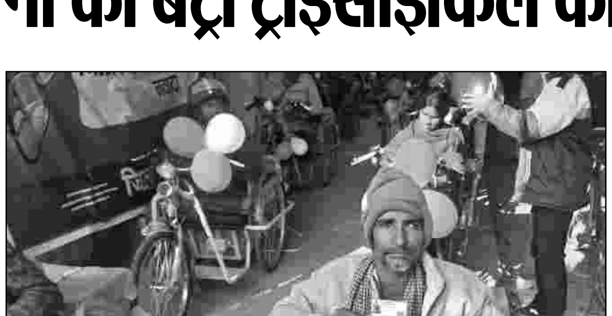

आवागमन कर सकेंगे दिव्यांगजनों के आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए इस योजना के अंतर्गत सभी प्रकार के दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, जैसे– ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नवादा जिले में अब तक कुल 387 बैट्री चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया जा चुका है।

सहायक निदेशक द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना ह्रसम्बलह्न की विस्तृत जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक दिव्यांगजनों से आवेदन कर योजना का लाभ लेने का अनुरोध किया गया। कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण दिव्यांगता के प्रकार के अनुसार सभी प्रकार के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, जैसे– हस्तचालित ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, सुगम्य केन, बैसाखी आदि प्रदान किए जाते हैं। दिव्यांगजन विहित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर संबंधित प्रखंड कार्यालय, बुनियाद केंद्र अथवा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय, नवादा में आवेदन जमा कर सकते हैं।

ऊर्जा मौर्य परिवार ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन

संजय कुमार वर्मा

बिहार: ज्ञान, इतिहास और संस्कृति की विश्वविख्यात धरती नालंदा के राजगीर में शनिवार 10 तारीख को शाम ऊर्जा मौर्य परिवार सेवा संस्थान के तत्वावधान में भव्य सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सम्राट अशोक कुशवाहा धर्मशाला, राजगीर में संपन्न हुआ, जहां गीतइसंगीत की सुरमयी प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उल्लास और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से आए नामचीन कलाकारों

ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बेगुसराय के शंभू साहेब, सासाराम की प्रसिद्ध गायिका रिमझिम मौर्य, डॉ. रमेश कुशवाहा, हिसुआ बीरेंद्र कुशवाहा, तुंगी कलाकारों के साथ-साथ राजद के प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुशवाहा ने एक से बढ़कर एक लोकगीत, पारंपरिक गीत और गजलें प्रस्तुत कीं। इन गीतों में सामाजिक एकता, संस्कृति, इतिहास और समाज की भावनाएं झलकती रहीं, जिस पर उपस्थित लोग झूमते नजर आए।

ऊर्जा मौर्य परिवार की ओर से बताया गया कि मौर्य ऊर्जा परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष पूरे बिहार के विभिन्न जिलों में भ्रमण सह सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2026 में यह आयोजन ज्ञान की धरती नालंदा में किया गया, जिसका उद्देश्य ऐतिहासिक विरासत से जुड़ना, समाज को एक सूत्र में बांधना और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना है। राजगीर जैसे ऐतिहासिक स्थल पर कार्यक्रम होने से मौर्य परिवार के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ऐतिहासिक धरोहरों का दीदार करते हुए गीतइसंगीत का आनंद लेने से कार्यक्रम और भी यादगार बन गया। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मौर्य परिवार के सदस्यों ने पत्रकार संजय वर्मा एवं सभी कलाकारों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत कर सम्मान किया।

यह सम्मान समाज के प्रति उनके योगदान और सांस्कृतिक प्रस्तुति के प्रति आभार का प्रतीक रहा। मौके पर नालंदा मत्स्य डेयरी के अध्यक्ष शिव शंकर, डॉ. संजीव कुशवाहा, रामचंद्र महतो, शुगन साहेब, संगम वर्मा, दिलीप कुमार, सुधि, मनोज सहित मौर्य समाज के सैकड़ों लोग, गणमान्य नागरिक महिलाएँ एवं युवा उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में भाईचारे, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को मिला, जिसे उपस्थित लोगों ने गायिका रिमझिम मौर्य गजल पर खूब प्रशंसा और तालियां बजाते रहे।

तारिक रहमान नियुक्त हुए बीएनपी अध्यक्ष

एजेंसी

ढाका। तारिक रहमान को बंगलादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का अध्यक्ष बनाया गया है। बीएनपी की स्थायी समिति ने (9.30 बजे) पार्टी के गुलशन कार्यालय में हुई बैठक में इस नियुक्ति को मंजूरी दी। बैठक के बाद बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने मीडिया को इसकी पुष्टि की। 30 दिसंबर को पार्टी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन के बाद बीएनपी अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। पार्टी संविधान के अनुसार, इस रिक्ति पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई थी। खालिदा जिया के जेल जाने के बाद 2018 में तारिक रहमान को पार्टी का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, तारिक रहमान ने इरशाद विरोधी आंदोलन के दौरान अपनी मां के साथ सड़क प्रदर्शनों में भाग लिया था। उन्होंने 1988 में पार्टी की गबतली उपजिला इकाई के सामान्य सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से बीएनपी में शामिल हुए। 1991 के राष्ट्रीय चुनाव से पहले, उन्होंने देश के लगभग हर जिले में बेगम खालिदा जिया के साथ प्रचार किया। 1993 में, उन्होंने बीएनपी की बोगुरा जिला इकाई का एक सम्मेलन आयोजित किया, जहां गुप्त मतदान के माध्यम से नेतृत्व का चुनाव हुआ।

कीव पर रूसी हमलों में चार लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

कीव। यूक्रेन पर पूरी रात रूस ने बड़े पैमाने पर ड्रोन एवं मिसाइल से हमला किया जिसमें राजधानी कीव में कम से कम चार लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। कीव के अभियोजक कार्यालय ने कहा कि मृतकों में से तीन एक आवासीय परिसर के निवासी थे और चौथा 58 वर्षीय आपातकालीन चिकित्सा कर्मी था जिसकी सहायता प्रदान करने के दौरान मौत हो गई। कार्यालय ने यह भी कहा कि घायलों में चिकित्सा कर्मी, बचावकर्मी और एक पुलिस अधिकारी शामिल हैं।इस हमले से कीव के सात जिले प्रभावित हुए, जिसमें दूतावास भवन, एक किंडरगार्टन और अन्य सुविधाओं सहित 19 अपार्टमेंटों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि रूस ने हमले में 242 ड्रोन और 36 मिसाइलें दागीं, जिनमें रूसी रॉकेट प्रक्षेपण परिसर, कपुस्टिन यार परीक्षण स्थल से दागी गई एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग किया गया, जो परमाणु पेलोड ले जाने में भी सक्षम है और इसका लक्ष्य यूक्रेन में महत्वपूर्ण सुविधाएं थीं।

खामेनेई ने प्रदर्शनों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति पर साधा निशाना

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि उनका देश प्रदर्शनों के आगे नहीं झुकेगा। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में श्री खामेनेई ने विदेशी समर्थित तत्वों पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। श्री खामेनेई ने कहा कि सभी को यह जान लेना चाहिए कि इस्लामी गणतंत्र हजारों सम्मानित लोगों के खून के दम पर सत्ता में आया है और यह उपद्रवियों के सामने पीछे नहीं हटेगा। राजधानी में जारी अशांति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें देश चलाना आता होता तो वे अपना देश ठीक से चलाते क्योंकि अमेरिका के भीतर ही कई समस्याएं हैं। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हाथ 1,000 से अधिक ईरानियों के खून से रंगे हुए हैं। उनके इस बयान को जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के संदर्भ में देखा जा रहा है। श्री खामेनेई ने अपने समर्थकों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए युवाओं से कहा कि अपनी तैयारी और एकता बनाए रखें क्योंकि एक एकजुट राष्ट्र किसी भी दुश्मन पर विजय प्राप्त कर सकता है। उल्लेखनीय है कि ईरान में आर्थिक नीतियों को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

रूस ने जब्त किए गए टैंकर के रूसी चालक दल के दो सदस्यों की रिहाई का स्वागत किया

मास्को। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर मैरिनेरा के रूसी चालक दल के दो सदस्यों को रिहा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले का स्वागत किया है। मंत्रालय ने जारी किए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कदम क्रेमलिन के एक अनुरोध के जवाब में उठाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।' इससे पहले बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी।

वेनेजुएला के बाद मेक्सिको ट्रंप के निशाने पर आया, अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले की दी धमकी

एजेंसी

विक्टोरिया । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों धमकियां देने के मूड में नजर आ रहे हैं। दरअसल, वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह मैक्सिकन इलाके में ड्रग कार्टेल के खिलाफ हमले का ऑर्डर दे सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला पर हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में उनके कंपाउंड से हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अब उन्होंने अमेरिका के मैक्सिको के खिलाफ फिर से धमकियां दी हैं। ट्रंप ने मैक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों को भेजने का भी आरोप लगाया है, जिनमें से कई को उन्होंने हिंसक क्रिमिनल बताया है। सितंबर 2025 से, अमेरिका ने

कैरिबियन में कम से कम 35 कथित कार्टेल बोट पर हमला किया है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वेनेजुएला पर भी यही आरोप लगाकर कार्रवाई की थी। हालांकि, मादुरो ने इस बात से साफ इनकार किया था।

ट्रंप ने गुरुवार रात फॉक्स न्यूज के सीन हैनिटी से कहा, 'हमने पानी के रास्ते आने वाली 97 फीसदी ड्रग्स को खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के मामले में जमीनी स्तर से भी ड्रग्स ले जाने के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।'

ट्रंप ने कहा, 'मेक्सिको को कार्टेल चला रहे हैं। उस देश के साथ जो हुआ है, उसे देखना बहुत, बहुत दुख की बात है।' वहीं एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ट्रंप के इस बयान को उनके बात करने के एक तरीके का हिस्सा बताया। शीनबाम ने आगे कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री जुआन रेमन डे ला फुएंते को अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से और अगर जरूरी हो, तो ट्रंप से सहयोग मजबूत करने के लिए बात करने के लिए कहा है।

पिछले हफ्ते, मैक्सिकन विदेश मंत्री ने वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य रेड की आलोचना करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा बताया। मादुरो के किडनैपिंग के बाद, ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को भी अपशब्द कहा। फिर बाद में अमेरिका और कोलंबिया के राष्ट्रपति ने बुधवार को तनाव कम करने के लिए फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रूथ सोशल पर जानकारी दी कि पेट्रो को उन्होंने मुलाकात के लिए आमंत्रित किया है और यह मुलाकात व्हाइट हाउस में होगी।

रूस ने यूक्रेन पर पहली बार ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

एजेंसी

मॉस्को/कीव। रूस ने यूक्रेन पर किए गए बड़े हमले में पहली बार अपनी नई ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन पर ताजा हमले में अन्य हथियारों के साथ ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल को भी शामिल किया, जिससे यूक्रेन को काफी नुकसान हुआ है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि राजधानी कीव में रातभर हुए हमले में चार लोग मारे गए और कम से कम 22 घायल हो गए। रूस ने यह नहीं बताया कि उसने ओरेश्निक से यूक्रेन में कहां हमला किया। मगर रूसी मीडिया और सैन्य ब्लॉगर्स ने कहा कि इस मिसाइल से यूक्रेन के पश्चिमी लवीव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण सुविधा केंद्र को निशाना बनाया गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के जवाब में किया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि इस हमले में रूस की ओरेश्निक के अलावा 242 ड्रोन और 36 अन्य मिसाइलें शामिल थीं। इनमें से 226 ड्रोन और 18 मिसाइलों को मार गिराया गया। लवीव के मेयर एंड्री सादोवी ने कहा कि रूस ने एक बैलिस्टिक मिसाइल से अहम स्थान पर हमला किया। इस मिसाइल की गति 13,000 किलोमीटर (8,000 मील से ज्यादा) प्रति घंटा रही होगी। रूस ने पश्चिम को चेतावनी दी है कि वह ओरेश्निक से अगला हमला कीव के उन सहयोगियों पर कर सकता है, जिन्होंने उसे अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के अंदर हमला करने की इजाजत दी है। यूक्रेन के विदेशमंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया पर कहा कि मॉस्को यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

कई युद्धों को रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए मैं नोबेल पुरस्कार का हकदार : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उनका कहना है कि उन्होंने कई बड़े युद्धों को रुकवाया है, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को टालना भी शामिल है। ट्रंप ने दावा किया कि किसी और नेता ने इतने बड़े और गंभीर संघर्षों को इस तरह नहीं रोका। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऐसे झगड़ों को सुलझाया जो कई दशकों से चले आ रहे थे और कई नए युद्धों को बढ़ने से पहले ही रोक दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने अक्सर सेना का इस्तेमाल भी नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'चाहे लोग मुझे पसंद करें या नहीं, लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने आठ युद्ध खत्म कराए।' उनके अनुसार, इनमें से कुछ संघर्ष 36 साल, 32 साल, 31 साल, 28 साल और 25 साल से चल रहे थे।

उन्होंने दक्षिण एशिया का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह इलाका बहुत खतरनाक माना जाता है। अमेरिका की पहल से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव युद्ध में बदलने से पहले ही थम गया। उस समय हालात ऐसे थे कि दोनों तरफ से विमानों को गिराया जा चुका था। यह संकट बहुत जल्दी शांत हो गया और इसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं हुआ। उनके मुताबिक, यही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, 'और मैंने इसे बिना परमाणु हथियारों के तेजी से कर दिखाया। मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है।' ट्रंप ने कहा कि बचाई गई जानों की संख्या नोबेल सम्मान के लिए काफी है। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक रूप से यह बात कही थी कि ट्रंप की वजह से भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव टल गया और कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बची। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां आए थे, और उन्होंने एक बहुत ही सार्वजनिक बयान दिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान और भारत से जुड़े कम से कम 10 मिलियन लोगों की जान बचाई है। हमारा तरीका लंबे समय तक युद्ध करने के बजाय सीधे बातचीत और दबाव बनाने पर केंद्रित था। ये बड़े युद्ध थे। ये ऐसे युद्ध थे जिनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि उन्हें रोका जा सकता है।'

उन्होंने अपने काम की तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से की, जिन्हें राष्ट्रपति बनने के कुछ ही समय बाद नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा कि ओबामा को खुद भी नहीं पता कि उन्हें वह पुरस्कार क्यों दिया गया।

ट्रंप ने कहा कि वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागते, लेकिन उनका रिकॉर्ड देखकर लगता है कि यह सम्मान उन्हें मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता युद्ध रोकता है, तो सैद्धांतिक रूप से उसे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं कोई शेखी नहीं बघारना चाहता हूं।'

नेपाली कांग्रेस में विभाजन रोकने के लिए नेताओं के बीच गतिरोध जारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस में विभाजन को रोकने को लेकर पार्टी के नेताओं के बीच दो दिन से जारी बातचीत का फिलहाल किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। हालांकि विभिन्न पक्षों के बीच आंतरिक मतभेदों को सुलझाने को लेकर बातचीत जारी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार शुक्रवार पूरे दिन और शनिवार सुबह से दोनों पक्षों के दूसरे-स्तर के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'यह संवादहीनता की स्थिति तो नहीं है, लेकिन समाधान भी अभी निकल नहीं पाया है।' नेता के मुताबिक, देउवा पक्ष विशेष महाधिवेशन को स्थगित किए जाने के बाद ही आगे बातचीत करने के रुख पर है, जबकि इतर (असंतुष्ट) पक्ष केवल विशेष महाधिवेशन पर ही अड़ा हुआ है। तथा दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से टस-से-मस नहीं हो रहे हैं।इसी बीच गुरु घिमिरे, देवराज चालिसे समेत अन्य नेताओं ने शेखर कोइराला के साथ भी चर्चा की। शेखर कोइराला ने पहले ही पार्टी सभापति शेरबहादुर देउवा से मिलकर समाधान के लिए पहल करने का आग्रह कर चुके हैं। इस दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि पुस महीने के दूसरे सप्ताह के आसपास निर्वाचन आयोग में एक निवेदन दायर किया गया था, जिसमें केंद्रीय समिति को विशेष महाधिवेशन बुलाने का निर्देश देने की मांग की गई है। पार्टी विधान के अनुसार यदि 40 प्रतिशत महाधिवेशन प्रतिनिधि विशेष महाधिवेशन की मांग करते हैं तो उसे बुलाना अनिवार्य होता है। निवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 54 प्रतिशत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर पहले ही जुटाए जा चुके हैं और आवश्यक कार्रवाई के लिए आयोग से अनुरोध किया गया है। पार्टी अध्यक्ष देउवा पक्ष ने इस कदम को पार्टी को विभाजित करने के प्रयास के रूप में देखा है। वहीं, निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह कांग्रेस के भीतर बढ़ते विवाद पर करीबी नजर बनाए हुए है। शुक्रवार की प्रेस ब्रीफिंग में आयोग के प्रवक्ता एवं सहसचिव नारायणप्रसाद भट्टराई ने कहा कि कांग्रेस का महाधिवेशन विवाद पार्टी का आंतरिक विषय है।उन्होंने कहा, 'आंतरिक मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करने की नीति के कारण अभी तक हमने कोई ठोस धारणा नहीं बनाई है। राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर नजर रखना आयोग की जिम्मेदारी है। हमें जानकारी तो है, लेकिन यह दल के भीतर लोकतंत्र का विषय होने के कारण आयोग ने फिलहाल इसमें प्रवेश नहीं किया है।' भृकुटीमंडप में 11-12 जनवरी को तय विशेष महाधिवेशन के लिए देशभर से प्रतिनिधियों के काठमांडू पहुंचने का क्रम जारी है। पीछे न हटने के मूड में दिख रहे महामंत्रीद्वय गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा, हस्ताक्षर करने वालों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों को उतारने के दावे के साथ तेज़ी से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

भीषण गर्मी से झुलस रहा विक्टोरिया राज्य, 200 जगहों पर लगी, 120 बिल्डिंग क्षतिग्रस्त

एजेंसी

विक्टोरिया । दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में आग ने तांडव मचा दिया है। बढ़ते तापमान के बीच आगजनी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही हजारों घरों में अंधेरा छा गया है। विक्टोरिया की प्रीमियर जैसिंटा एलन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 60 साल के एक आदमी की मौत शुक्रवार दोपहर मेलबर्न से 110 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में हारकोर्ट शहर के पास उसकी कार में हुई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एलन ने कहा कि शख्स की मौत सीधे तौर पर आग से जुड़ी नहीं थी, बल्कि आग लगने की जगह के पास हुई।मेलबर्न से 120 किलोमीटर उत्तर में लॉन्गवुड शहर के पास लापता बताए गए तीन और लोग सुरक्षित मिल गए। दरअसल, लापता हुए शख्स का घर राज्य की सबसे भयानक आग में तबाह हो गया था।

स्थानीय अग्निशमन अधिकारियों

ने जानकारी दी कि आग बुझाते समय तीन फायर फाइटर घायल हो गए। एलन ने कहा कि शनिवार सुबह तक विक्टोरिया में 10 जगहों पर बड़ी आग लगी हुई थीं और अधिकारी 20 और जगहों पर कड़ी नजर रख रहे थे।

विक्टोरिया में कुल 200 जगहों पर आग लगी थी। आग लगने का मुख्य कारण तापमान का 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होना था। एलन ने शनिवार को कहा कि अधिकारियों का मानना है कि 300,000 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल गई है और 38,000 घरों और कारोबार में बिजली नहीं है।

शनिवार को तापमान में गिरावट आई, लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं की वजह से आग फैलती रहेगी। इमरजेंसी मैनेजमेंट अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि विक्टोरिया राज्य में कम से कम 120 इमारतें आग से नष्ट हो गई हैं और जानवरों का भी काफी नुकसान हुआ है।राज्य सरकार ने 19 इलाकों में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है, जिससे अधिकारियों को आग बुझाने, आवाजाही को कंट्रोल करने और लोगों को निकालने के लिए निजी संपत्तियों पर कब्जा करने की अनुमति मिल गई है।

तुर्की में तूफान संबंधी घटनाओं के कारण पांच की मौत

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की में पिछले दो दिनों के दौरान आये तूफान और तेज हवाओं के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी है। तुर्की के प्रसारक एनटीवी ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान विभाग ने तूफान, भारी बारिश और हिमस्खलन के खतरे को देखते हुए देश के 81 में से 63 प्रांतों के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। कई शहरों में भी तूफान का कहर जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार इन लोगों की मौत की मुख्य वजह छतों का गिरना रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने देश के आधे से अधिक प्रांतों में फिर से येलो अलर्ट जारी किया है।

ब्रेंट क्रिस्टेंसन ने बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत के तौर पर ली शपथ

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश सेवा के अधिकारी ब्रेंट क्रिस्टेंसन को बांग्लादेश में अमेरिका का राजदूत बनाया गया है। क्रिस्टेंसन ने बांग्लादेश में यूएस के नए राजदूत के तौर पर शपथ ली। अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश के साथ क्रिस्टेंसन के लंबे अनुभव और ढाका के साथ व्यापार संबंधों और रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया। क्रिस्टेंसन को डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट माइकल आर. मैकफॉल ने बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत के पद की शपथ दिलाई। दक्षिण और मध्य एशिया ब्यूरो ने कहा कि क्रिस्टेंसन के पास अमेरिकी-बांग्लादेश रिश्तों में गहरा अनुभव और विशेषज्ञता है। ब्यूरो ने कहा, 'हम अपनी व्यापार साझेदारी को मजबूत करने और बांग्लादेश में अमेरिका के हितों को बढ़ावा देने में उनके नेतृत्व का इंतजार कर रहे हैं।'

क्रिस्टेंसन अब ढाका जा रहे हैं; उनके पास अपने विदेश सेवा में बांग्लादेश के लिए अमेरिकी नीति पर

काम करने का 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। 23 अक्टूबर 2025 को क्रिस्टेंसन को बांग्लादेश का राजदूत बनाने का फैसला लिया गया था। इस दौरान क्रिस्टेंसन ने सीनेट फोरम रिलेशंस कमेटी के सदस्यों से कहा, 'मैं इसकी अहमियत और वहां अमेरिका के अहम हितों को अच्छी तरह समझता हूं। बांग्लादेश की स्ट्रेटेजिक लोकेशन इसे एक खुले, सुरक्षित और खुशहाल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक अहम हिस्सा बनाती है।'

क्रिस्टेंसन ने कहा था, 'बांग्लादेश भी एक अहम मोड़ पर है। अगस्त 2024 में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों ने एक ऐसी सरकार गिरा दी जो 15 साल से सत्ता में थी। बांग्लादेश के लोग साल की शुरुआत में चुनाव करेंगे, जो दशकों में देश का सबसे अहम चुनाव होगा, ताकि एक नई सरकार और आगे का नया रास्ता चुना जा सके।'

यह शपथ ग्रहण बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रम पर कांग्रेस के बढ़ते ध्यान के बीच हो रहा है। 23 दिसंबर, 2025 को विदेश मामलों की कमेटी के अमेरिकी सीनेटरों ने मुहम्मद यूनुस को एक चिट्ठी लिखी और कहा था, 'हम बांग्लादेश में राष्ट्रीय संकट के समय अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए आगे आने की आपकी इच्छा का स्वागत करते हैं।'

अमेरिका ईरान में कर सकता है हस्तक्षेप, मगर फौजें जमीन पर नहीं उतारेगा: ट्रम्प

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा। ईरान की स्थिति पर संवाददाताओं से बात करते हुए श्री ट्रम्प ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। श्री ट्रम्प और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा। ईरान के

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अशांति के बारे में ट्रम्प प्रशासन की टिप्पणियों को हस्तक्षेपवादी और भ्रामक बताते हुए उनकी निंदा की थी। ईरान का कहना है कि ये बयान ईरानी लोगों के प्रति अमेरिका की निरंतर शत्रुता को दर्शाते हैं।? ईरान के कई शहरों में दिसंबर के अंत से रियाल के मूल्य में भारी गिरावट और लंबे समय से चली आ रही आर्थिक कठिनाइयों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए हैं। ईरानी अधिकारियों ने प्रदर्शनों की बात स्वीकार की है और आर्थिक शिकायतों को दूर करने की इच्छा जतायी है, साथ ही हिंसा और तोड़फोड़ के खिलाफ चेतावनी भी दी है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार प्रदर्शन शुरू होने के बाद से प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के सदस्यों सहित दर्जनों लोग मारे गये हैं, हालांकि मरने वालों की संख्या का कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

'पहले गोली मारो, फिर सवाल पूछो...', ट्रंप की धमकी पर भड़का डेनमार्क

एजेंसी

डेनमार्क। डेनमार्क का रक्षा मंत्रालय ग्रीनलैंड की रक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है, सैनिकों को आक्रमण पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का आदेश; यह बयान ट्रंप के कब्जे के बयान पर तनाव के बाद आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने वाले बयानों के चलते अमेरिका और डेनमार्क के रिश्तों तनावपूर्म हो गए हैं। इसी बीच डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय

ने कहा है कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर हमला करता है, तो उनके सैनिकों को तुरंत प्रतिक्रिया देनी होगी, पहले गोली चलानी होगी और बाद में सवाल पूछने होंगे।यह निर्देश 1952 के सैन्य नियमों पर आधारित है, जिसके तहत सैनिकों को उच्च अधिकारियों के आदेश का इंतजार किए बिना आक्रमणकारियों पर हमला करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह नियम 'अभी भी लागू है।' यह बयान डेनमार्क की अपनी स्वायत्त क्षेत्र, ग्रीनलैंड, की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज: 60 से ज्यादा लोगों की मौत, लगातार बिगड़ते हालात

एजेंसी

तेहरान । ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन लगातार उग्र होते जा रहे हैं। देश के कई हिस्सों में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक 60 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि कई इलाकों में संचार सेवाएं भी बाधित कर दी गई हैं। इसके बावजूद प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिसंबर 2025 में शुरू हुए इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 62 लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) का दावा है कि मृतकों की संख्या 65 से ज्यादा हो सकती है। संगठन के अनुसार, 9 जनवरी को प्रदर्शन 13वें दिन में प्रवेश कर चुके थे और अब तक 2,311 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एचआरएएनए की रिपोर्ट बताती है कि विरोध प्रदर्शन पूरे ईरान में फैल चुके हैं। देश के सभी 31 प्रांतों के 180 शहरों में कुल 512 स्थानों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। शुरुआत में ये प्रदर्शन 28 दिसंबर 2025 को तेहरान के दो बाजारों से शुरू हुए थे, जहां लोग महंगाई, बेरोजगारी और ईरानी मुद्रा रियाल की गिरती कीमत के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। धीरे-धीरे यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया और अब यह सीधे तौर पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली धार्मिक सत्ता के खिलाफ गुस्से का रूप ले चुका है।

ईरान की सरकारी मीडिया ने पहली बार माना कि

प्रदर्शनों में जानमाल का नुकसान हुआ है, हालांकि उसने कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं दिया। साथ ही, सरकारी मीडिया ने हिंसा के लिए अमेरिका और इजरायल से जुड़े आतंकी एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया है।

इस बीच, सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'घमंडी' बताया और आरोप लगाया कि उनके हाथ ईरानियों के खून से सने हैं। खामेनेई ने कहा कि ट्रंप को अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। खामेनेई ने संकेत दिए कि सुरक्षा बल अब प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और सख्त कार्रवाई करेंगे। सरकारी टीवी पर प्रसारित वीडियो में 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे भी सुनाई दिए।खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी ट्रंप पर निशाना साधते हुए दावा किया कि जून में हुई 12 दिनों की जंग में एक हजार से ज्यादा ईरानी मारे गए थे, जिसका आदेश ट्रंप ने दिया था। इसी बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने ट्रंप से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, 'मिस्टर प्रेसिडेंट, यह ईरान के लोगों के लिए तुरंत मदद और कार्रवाई की अपील है।' पहलवी की अपील के बाद गुरुवार और बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने पहलवी के समर्थन में नारे लगाए और उनकी ईरान वापसी की मांग की।

रजा पहलवी के पिता ईरान के आखिरी शाह थे, जिन्हें 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सत्ता छोड़कर देश छोड़ना पड़ा था।

पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स यूरोपीय संघ के साथ की उच्चस्तरीय व्यापार समझौता वार्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ब्रुसेल्स में दो दिन की बातचीत एक आधुनिक, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता शीघ्र संपन्न करने पर दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दृढ़ संकल्प व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुई है। वाणिज्य मंत्री आठ-नौ जनवरी को एफटीए वार्ताओं के लिए ब्रुसेल्स में थे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में श्री गोयल की इस यात्रा समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आठ-नौ जनवरी की इस यात्रा के दौरान श्री गोयल ने ईयू के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविच के साथ कई बार बाचतीत की और दोनों नेताओं ने वार्ता टीमों को लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा है कि वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा के साथ दोनों पक्षों के बीच ब्रुसेल्स में एक सप्ताह तक चला गहन राजनयिक और तकनीकी बैठकों का दौर पूरा हुआ। यह बातचीत भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापक एफटीए को साकार करने के लिए दोनों पक्षों के राजनीतिक संकल्प को रेखांकित करता है।

ऋणदाताओं ने निर्यातकों के लिए एक महीने में क्रेडिट गारंटी योजना के तहत 3,362 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

नई दिल्ली। अमेरिकी शुल्क के भारी प्रभावों का सामना कर रहे निर्यातकों को समर्थन देने के लिए ऋणदाताओं ने 20,000 करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) के तहत एक महीने में 774 आवेदकों को 3,361.83 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 नवंबर 2025 को इस योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं देने के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) ऋण संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी देती है। सीजीएसई की शुरुआत एक दिसंबर, 2025 को हुई। यह बैंकों और वित्तीय संस्थानों को कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान भारतीय निर्यातकों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाती है, जिससे उनके बाजारों में विविधता आएगी और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक बयान में कहा कि दो जनवरी, 2026 तक '8,764.81 करोड़ रुपये के लिए 1,840 आवेदन मिले, जिनमें से ऋणदाताओं ने 3,361.83 करोड़ रुपये के 774 आवेदनों को मंजूरी दी।'

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम ने 2.6 करोड़ डॉलर में अमेरिका की स्वीट रश का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम (एनआईआईटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सर्विसेज) ने अमेरिकी कंपनी स्वीट रश को खरीदने की घोषणा की। स्वीट रश एक ऐसी कंपनी है जो कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके विशेष लर्निंग अनुभव और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करती है और इस अधिग्रहण का कुल मूल्य लगभग 2.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। एक विज्ञप्ति के अनुसार यह अधिग्रहण पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनआईआईटी (यूएसए), इंक. के माध्यम से किया गया। कुल 2.6 करोड़ डॉलर की राशि में अगले पांच वर्षों के लिए प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त भुगतान भी शामिल है, जो सामान्य अनुबंध शर्तों के अनुसार समायोजित किए जा सकते हैं। स्वीट रश में 100 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और इसके पास अमेरिका तथा कोस्टा रिका में फैले उद्योग विशेषज्ञों का बड़ा नेटवर्क है, जिसे अन्य कई लर्निंग पेशेवरों का सहयोग भी मिलता है।

भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की, 'मध्यम आय के जाल' से बचने की जरूरतः चेयरमैन, ईएसी-पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शनिवार को कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है और देश को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समृद्ध और समावेशी समाज एवं अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाना चाहिए। देव ने '104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने जीएसटी सुधारों, रेरा, आईबीसी, बीमा में 100 प्रतिशत एफडीआई, परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और कारोबारी सुगमता की पहल सहित कई सुधार किए हैं।उन्होंने कहा, 'भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों के सही आवंटन, मजबूत सुधारों और उच्च वृद्धि दर के साथ भारत अपनी वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज कर सकता है। ' प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, व्यापक आर्थिक स्थिरता और एक बड़ा घरेलू बाजार भारत की प्रमुख ताकतें हैं। उन्होंने कहा, 'भारत को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए और एक ऐसा समाज और अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए जो समृद्ध, समावेशी और प्रकृति के अनुकूल हो। 'मध्यम आय का जाल ऐसी स्थिति है, जहां एक मध्यम आय वाला देश बनने के बाद आर्थिक वृद्धि स्थिर हो जाती है और वह उच्च आय वाला देश नहीं बन पाता है। उन्होंने कहा, 'विनिर्माण क्षेत्र केवल 11-12 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है, जिसकी जीडीपी में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विनिर्माण और सेवाओं को बढ़ाना आवश्यक है। '

शेयर बाजार को लेकर रुझान घटने के संकेत, 2025 में सुस्त रफ्तार से बढ़ी डीमैट खातों की संख्या

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के प्रति नए निवेशकों के रुझान में पिछले साल के दौरान गिरावट का रुख नजर आया। साल 2025 में पिछले 6 सालों के दौरान देश में नए डीमैट खातों की संख्या में तुलनात्मक तौर पर सबसे कम बढ़ोतरी दर्ज की गई। साल 2025 के दौरान डीमैट खातों की कुल संख्या 21.59 करोड़ हो गई, जो साल 2024 के अंत में 18.53 करोड़ थी। इस तरह साल 2025 के दौरान नए डीमैट खातों की संख्या में 16.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं साल 2024 के दौरान 4.60 करोड़ नए डीमैट खाते खुले थे। 2024 के नए डीमैट खातों की ये संख्या 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है साल 2025 के दौरान नए डीमैट खाते के ग्रोथ में आई इस गिरावट के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अर्थव्यवस्था के मोर्चे में हुए उतार चढ़ाव और भारतीय शेयर बाजार पर पड़े नकारात्मक असर को जिम्मेदार माना जा रहा है।

आपको बता दें कि भारत में डीमैट खातों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हर साल करोड़ों की संख्या में निवेशक नए डीमैट अकाउंट के जरिए स्टॉक मार्केट से जुड़ रहे हैं। ऐसे में साल 2025 के दौरान नए डीमैट खातों के खुलने की रफ्तार में आई कमी से बाजार के प्रति लोगों के नजरिए में आए ठहराव का एहसास होता है।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल जितने नए डीमैट खाते खुले, उनमें सबसे अधिक हिस्सेदारी सीडीएसएल की रही। पिछले साल के दौरान सीडीएसएल में 2.62 करोड़ नए डीमैट खाते खोले गए। इस तरह सीडीएसएल के कुल डीमैट खातों की संख्या 17.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 17.28 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई। दूसरी ओर, साल 2025 के अंत तक एनएसडीएल में करीब 44 लाख नए डिमैट खाते खोले गए। इस तरह एनएसडीएल के कुल डीमैट खातों की संख्या 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4.32 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई। सीडीएसएल और एनएसडीएल के डीमैट खातों की संख्या पर अगर नजर डालें, तो साल 2019 में डीमैट खातों की कुल संख्या 3.94 करोड़ थी, जो अगले साल 2020 में 26.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4.98 करोड़ हो गई थी। इसके अगले साल 2021 में डीमैट खातों की संख्या में 3.08 करोड़ की वृद्धि हुई, जिससे सीडीएसएल और एनएसडीएल के कुल डीमैट खातों की संख्या 66.85 प्रतिशत उछल कर 8.06 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई।

हालांकि 2022 से डीमैट खाते खुलने की अनुपातिक रफ्तार में कमी आने लगी। साल 2022 में डीमैट खातों की संख्या में 34.30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 2023 में डीमैट खातों की संख्या में 28.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके बाद 2024 में डीमैट खातों की संख्या में 33 प्रतिशत की रफ्तार दर्ज की गई, जबकि 2025 में नए डीमैट खाता खुलने की रफ्तार 16.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई।

चावल, गेहूं नरम; चीन, खाद्य तेल में साप्ताहिक तेजी; दालों में घटबढ़

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव घट गये। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गयी जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 52 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 3,756 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं आठ रुपये कमजोर हुआ और सप्ताहांत पर 2,854 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा चार रुपये महंगा हुआ और 3,319 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में

तेजी रही। मूंगफली तेल की औसत कीमत 225 रुपये और पाम ऑयल की 101 रुपये बढ़ गयी। सरसों तेल 81 रुपये और वनस्पति 76 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल के भाव में 72 रुपये और सोया तेल में 43 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गयी सप्ताह के दौरान चना दाल औसतन 22 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। वहीं, उड़द दाल की कीमत 887 रुपये और तुअर (अरहर) दाल की 58 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल 14 रुपये और मसूर दाल 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 24 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी 23 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,63,412 करोड़ रुपये घटा

एजेंसी
मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही बड़ी गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल सात कंपनियों का सम्मिलित बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 3,63,412 करोड़ रुपये घट गया जबकि अन्य तीन का एमकैप 41,599 करोड़ रुपये बढ़ा।बाजार पूंजीकरण के मामले में लंबे समय से शीर्ष पर रहने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज को सप्ताह के दौरान 1,58,533 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और सप्ताहांत पर उसका एमकैप घटकर 19,96,446 करोड़ रुपये रह गया। सप्ताह के दौरान उसका शेयर 7.36 प्रतिशत गिरा था।निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का एमकैप 96,154 करोड़ रुपये गिरकर 14,44,150 करोड़ रुपये रहा। वह अब भी रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे नंबर पर बरकरार है। बाजार पूंजीकरण के मामले में भारती एयरटेल बीते सप्ताह 45,275 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ तीसरे

स्थान से फिसलकर चौथे स्थान पर आ गयी। अब 11,60,682 करोड़ रुपये के साथ टीसीएस ने शीर्ष तीन में जगह बना ली है। हालांकि उसे भी 15,232.14 करोड़ रुपये का साप्ताहिक नुकसान उठाना पड़ा। बजाज फाइनेंस का एमकैप 18,730 करोड़ रुपये और एलएंडटी का 18,729 करोड़ रुपये घट गया। इंफोसिस को 10,761 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।फायदे में रहने वाली कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 34,902 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 6,097 करोड़ रुपये बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में 600 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी।

अमेरिका की भू-आर्थिक धमकियों के बीच भारत-ईयू व्यापार वार्ता में कार्बन कर, कृषि सब्सिडी जैसे मुद्दों को सुलझाने का प्रयास तेज

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत पर शुल्क और बढ़ाने तथा ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसी अमेरिका की धमकियों के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने आपस में मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत में कार्बन कर और कृषि सब्सिडी जैसे कुछ मुद्दों पर मतभेद दूर करने और समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के प्रयास तेज कर दिये हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोश शेफचोविच के साथ लंबी और गहन व्यापार वार्ता की। इन चर्चाओं में यूरोप के विवादास्पद कार्बन कर और कृषि सब्सिडी पर भारत की 'आपत्ति' जैसे कुछ संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। यहां वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने यूनीवार्ता को बताया, 'हमें भी यह समझौता चाहिए और उन्हें भी, क्योंकि दोनों पक्ष मजबूत बाजार की इच्छा रखते हैं, जो शुल्क की धमकियों से सुरक्षित हों। साथ ही, हम दोनों चीन पर बहुत अधिक निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्पों की ओर भी बढ़ना चाहते हैं। '

भारत और यूरोपीय संघ का प्रयास है कि एफटीए वार्ता गणतंत्र दिवस से पहे सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंच जाए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा इस वर्ष गणतंत्र दिवास पर सरकार के अतिथि होंगे।भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के पूर्व प्रमुख प्रो. बिस्वजीत धर ने कहा, 'जहां तक मेरी जानकारी है, हम बहुत करीब हैं-काफी करीब। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) टैक्स (कार्बन कर) और श्रमिकों की आवाजाही से जुड़ी भारत की मांगों पर समझौते के रास्ते निकल रहे हैं।' यूरोपीय संघ ने अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले उद्योगों के उत्पादों पर अपनी सीमा में विशेष कर लगाने का निर्णय किया है। यूरोपीय संघ के कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों में 'लीकेज' रोकने के उद्देश्य से लाया गया कार्बन भारत से पहुंचने वाले स्टील, एल्युमीनियम, सीमेंट और उर्वरकों जैसे कार्बन-गहन उत्पादों के आयात को वहां मंहगा कर सकता है।

यह कर यूरोपीय उत्पादकों द्वारा ईयू के कार्बन उत्सर्जन प्रमाण-पत्र के व्यापार में चुकाए जाने वाले कार्बन मूल्य के अनुसार लगाया गया है। भारत ने इस कर से प्रभावित होने वाले घरेलू स्टील और अन्य उत्पादकों के लिए, उनके द्वारा अर्जित कार्बन क्रेडिट के बदले राहत की मांग की है।

सीबीएएम के कारण इन उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय वार्ताकार इसमें पूर्ण छूट की मांग नहीं कर रहे हैं पर भारत व्यापार समझौते के तहत इसमें लचीलापन चाहता है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली।घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी बनी रही। दूसरी ओर, चांदी आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का शिकार हो गया। सोना आज 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसके विपरीत चांदी आज दिल्ली में 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई।

सोने के भाव में आज आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,320 रुपये से लेकर 1,39,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,710 रुपये से लेकर 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,48,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,470 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सहकारिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला में डाटाबेस की मजबूती, बहु-राज्यीय सहकारी समितियों में सुधार पर बल

एजेंसी
उदयपुर (राजस्थान)। सहकारिता क्षेत्र पर यहां दो दिवसीय राष्ट्रीय-स्तरीय कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस को सुदृढ़ करने और बहु-राज्य सहकारी समितियों में सुधारों को आगे बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 'सहकार से समृद्धि' के मोदी सरकार के आह्वान की भावना के अनुरूप सहकारी संस्थाओं को समावेशी विकास, ग्रामीण समृद्धि तथा जमीनी स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रमुख माध्यम बनाने के केन्द्र सरकार के वृहद उद्येश्यों के साथ यह आयोजन शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। विज्ञप्ति में कहा गया है , ' कार्यशाला का एक अन्य प्रमुख फोकस राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस को सुदृढ़ करने और बहु-राज्य सहकारी समितियों में सुधारों को आगे बढ़ाने पर रहा। '

इस कार्यक्रम में सहकारी समितयों के सचिवों तथ रजिस्ट्रार समेत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और सहकारिता क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। राजस्थान सरकार की सहकारिता सचिव आनंदी ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

केंद्रीय सहकारिता सचिव भूटानी ने कहा कि सरकार राज्यों के साथ मिल कर और उनके साथ विचार विमर्श कर सहकारिता क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए नवाचारी दृष्टिकोण अपनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों को पारंपरिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से उजागर करने की आवश्यकता है। उन्होंने बनासकांठा डेयरी का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक सूखा-प्रभावित ज़िले ने सशक्त और एकीकृत मूल्यवर्धन श्रृंखला के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 90 लाख लीटर दूध उत्पादन हासिल किया, जो सहकारी संस्थाओं की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ बीसीसीएल का आईपीओ, 13 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी
नई दिल्ली। कोयले का उत्पादन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडरी भारत कोकिंग कोल लिमिटिड (बीसीसीएल) का 1,071.11 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 15 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 16 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। ये आईपीओ साल 2026 का पहला मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। दोपहर 1:30 बजे तक कंपनी का आईपीओ 5.42 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। बीसीसीएल के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 600 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,800 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स अधिक से अधिक 14 लौट यानी 8,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,93,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.57 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 8 जनवरी गुरुवार को बीसीसीएल ने एंकर इनवेस्टर्स से 273.13 करोड़ रुपये जुटाए। एंकरबुक में सबसे अधिक पैसे देश की सबसे बड़ी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने लगाए। एलआईसी ने 78 करोड़ रुपये के निवेश से बीसीसीएल के 3.39 करोड़ शेयर अपने नाम किए। इसके अलावा एंकर बुक में निप्पन लाइफ इंडिया म्यूचुअल फंड ने 75 करोड़ रुपये के निवेश से 3.26 करोड़ शेयर और बंधन म्यूचुअल फंड ने 75 करोड़ रुपये के निवेश से 3.26 करोड़ शेयर हासिल किए। इन तीनों एंकर इनवेस्टर्स के अलावा, यूटीआई म्यूचुअल फंड, सोसिएट जेनेरेल, साइट्रिन फंड, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज, एम-7 ग्लोबल फंड, कॉप्थल मॉरिशस इनवेस्टमेंट और मेबैंक सिक्योरिटीज जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में एंकर इनवेस्टर्स समेत क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.75 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.75 प्रतिशत हिस्सा, एंप्लॉयीज के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा और पुराने शेयर होल्डर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है।

सीतारमण ने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के साथ राजधानी में किया बजट-पूर्व विचार-विमर्श

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी बजट की तैयारियों के सिलसिले में राज्यों और विधायिका वाले केंद्र शासित प्रदेशों के साथ यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की और उनकी वित्तीय प्राथमिकताओं, विकास संबंधी आवश्यकताओं को सुना। वित्त मंत्री ने उनसे 2026-27 के बजट को लेकर उनके सुझाव प्राप्त किये। बैठक में मणिपुर के राज्यपाल, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और सिक्किम के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री तथा अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल थे। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मंत्रालय के आर्थिक कार्य, व्यय और राजस्व विभागों के

सचिव और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्रीमती सीतारमण ने देश के विकास में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि केंद्र जमीनी स्तर की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले बजट के निर्माण में राज्य सरकारों के 'रचनात्मक और व्यावहारिक सुझावों' को महत्व देता है। सूत्रों के अनुसार कई राज्यों ने पूंजीगत व्यय के लिए बढ़े हुए समर्थन, उधारी सीमा में लचीलापन, और सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए अधिक आवंटन जैसे मुद्दे उठाए। वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण वर्ष 2026-27 का बजट 1 फरवरी (रविवार) को संसद में पेश करेंगी। यह उनका लगातार आठवां बजट होगा।

ओएनजीसी ने पांच दिनों में मोरी-5 कुएं को बंद किया, रिसाव पर काबू पाया

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने आंध्र प्रदेश के मोरी-5 तेल कुएं में नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस कुएं को बंद करने का काम रिकॉर्ड पांच दिन में पूरा कर लिया गया।

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्र में स्थित मोरी-5 कुएं में पांच जनवरी 2026 को ब्लोआउट हो गया यानी तेल और गैस अचानक अनियंत्रित तरीके से बाहर निकलने लगी। यह तब हुआ जब कंपनी डीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड कुएं की सामान्य मरम्मत कर रही थी और कुआं अस्थायी रूप से काम कर रहा था।

ओएनजीसी ने तुरंत अपनी आपातकालीन प्रबंधन योजना लागू की, इलाके में सभी संबंधित काम रोक दिए और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशेष टीम और उपकरण तैनात किए। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने मोरी-5 कुएं पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इस अभियान को पांच दिनों में पूरा किया गया, जो संचालन में उत्कृष्टता के मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता है। ओएनजीसी ने कहा कि कुएं को सफलतापूर्वक बंद करने के बाद मोरी-5 घटना से जुड़े जमीनी स्तर के सभी काम पूरे हो गए हैं।

भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में मप्र पूरी क्षमता से योगदान देने के लिये प्रतिबद्ध : जगदीश देवड़ा

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था की श्रेणी में लाने के लिए बनाई नीतियों और कार्यक्रमों में मध्य प्रदेश अपनी संपूर्ण क्षमता से योगदान के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को सभी क्षेत्रों में विकसित करने और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ केन्द्र की योजनाओं के लिए प्रदेश के बजट में पर्याप्त प्रावधान रखा गया है। प्रदेश के कुशल वित्तीय प्रबंधन को निरंतर बेहतर बनाया जा रहा है। मप्र के उप मुख्यमंत्री देवड़ा केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में नई दिल्ली में राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ हुई प्री-बजट मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में मध्य प्रदेश के संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद की गणना, एस.एन.ए. स्पर्श, वस्तु एवं सेवा कर, सिंहस्थ के लिये विशेष पैकेज जैसे विषयों पर केन्द्रीय वित्त मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ते हुए अब भारत की अर्थव्यवस्था चौथे क्रम पर आ गयी है। इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का अभिनन्दन है।

देवड़ा ने कहा कि मध्य प्रदेश की बजटीय विश्वसनीयता और व्यय की गुणवत्ता को नीति आयोग एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सराहा गया है। प्रदेश निरन्तर राजस्व आधिक्य में रहा है एवं निर्धारित सभी वित्तीय सूचकांकों के पालन में भी सफल रहा है। मध्य प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश के लिये अपेक्षाकृत अधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता रहती है। मध्य प्रदेश राज्य की सकल घरेलू उत्पाद की औसत वार्षिक वृद्धि दर 10 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। 15वें वित्त आयोग की गणना के आधार पर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपये है। भारत सरकार द्वारा ऋण प्राप्त करने की सीमा की गणना के लिये प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 15 लाख 44 हजार 141 करोड़ रुपये मान्य किया जा रहा है। उन्होंने ऋण प्राप्त करने की सीमा की गणना प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपये को मान्य करने का आग्रह किया। साथ ही आगामी वर्षों में भी ऋण सीमा के निर्धारण के लिये 15वें वित्त आयोग द्वारा बताई गई गणना की प्रक्रिया के अनुसार प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को ही आधार मान्य करने का अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ आयोजन के लिये 20 हजार करोड़ वित्तीय सहायता के रूप में विशेष पैकेज देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ पर्व पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु माँ क्षिप्रा में स्नान कर बाबा महाकाल के पवित्र दर्शन करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा उज्जैन एवं निकटस्थ क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएँ यथा सड़क निर्माण, घाट निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, यात्रियों के ठहरने के स्थल तथा चिकित्सालय का निर्माण आदि सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। वर्तमान में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अधोसंरचनात्मक विकास संबंधी कार्य स्वीकृत किये गये हैं। देवड़ा ने भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में व्यय के लिये एस.एन.ए. स्पर्श प्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में एस.एन.ए. स्पर्श के समान ही प्रदेश की शत-प्रतिशत राज्य के कोष से पोषित योजनाओं के संबंध में भी प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि जीएसटी की दरों में किये गये युक्ति-युक्तकरण का प्रदेश में सकारात्मक प्रभाव हुआ है।

संक्षिप्त

मुंबई मैराथन में भाग लेंगे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय धावक

मुंबई, एजेंसी। पिछले चरण के उप विजेता मेरहावी केसेटे (पुरुष वर्ग) और इथियोपिया की मेडिना डेमे आर्मिनो (महिला वर्ग) सहित एलीट एथलीट 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है।

यह मुंबई मैराथन का 21वां सत्र है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में पहले तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 50000, 25000 और 15000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जो भी अपने वर्ग में मौजूदा स्पर्धा का रिकॉर्ड तोड़ेगा, उसे 15000 डॉलर दिए जाएंगे।

केसेटे पिछले साल बेरहाने टेसफे से पीछे दूसरे स्थान पर रहे थे।

कोस्तयुक को हराकर सबालेंका ने ब्रिस्बेन फाइनल जीता

ब्रिसबेन, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज एरीना सबालेंका ने रविवार को मार्ता कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार ब्रिसबेन इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम किया जो उनकी कुल मिलाकर 22वीं ट्रॉफी है। यह लगातार तीसरा साल था जब सबालेंका फाइनल में पहुंचीं और बेलारूस की इस खिलाड़ी ने पैट रैफ्टर एरिना में सिर्फ एक घंटे 17 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक तैयारी टूर्नामेंट है। कोस्तयुक ने शुरुआत में ही सबलेंका की दूसरी सर्विस पर आक्रामक खेल दिखाया और शानदार ड्रॉप शॉट्स से शुरुआती ब्रेक हासिल कर लिया बेलारूस की खिलाड़ी वापसी शानदार खेल से वापसी करने में ज्यादा समय नहीं लिया।

बड़ा शॉट खेले बगैर लिचफील्ड के पास है तेजी से रन बनाने की काबिलियत

नवी मुंबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की यह उभरती हुई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड गेंद गेंद को ज्यादा ताकत से मारने वाले बल्लेबाजों में नहीं गिनी जाती है लेकिन उन्होंने खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में तेजी से रन बनाने का तरीका ढूंढ लिया है। इस 22 साल की बल्लेबाज ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स के लिए 40 गेंदों में 78 रन की पारी के साथ सर्वोच्च स्कोरर रही। उनकी आक्रामक पारी के बावजूद टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। लिचफील्ड ने कहा, ‘‘टी20 क्रिकेट पर निश्चित रूप से मैं लगातार काम कर रही हूं। मैं शायद कुछ बड़े हिटर्स जितनी ताकत से गेंद नहीं मार पाती, इसलिए मैंने अपना तरीका खोजा है। यह तरीका है क्षेत्ररक्षकों के बीच की जगह का अच्छा उपयोग करना। मेरे लिए इससे रन बनाना आसान हो जाता है। लिचफील्ड ने 2022 में भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण किया और 2024 डब्ल्यूपीएल नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने एक करोड़ रुपये में खरीदा था।

यास्तिका भाटिया डब्ल्यूपीएल 2026 से बाहर

नवी मुंबई, एजेंसी। गुजरात जायंट्स (जीजी) की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 से बाहर हो गई हैं। भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी। डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रैंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया। जीजी के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर फ्रैंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, “हम उम्मीद करते हैं कि आप अच्छी होंगी और अच्छी तरह से रिकवर कर रही होंगी।

विराट पारी से भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

वनडे सीरीज

- **भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली**

वड़ोदरा, एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (93), कप्तान शुभमन गिल (56) और श्रेयस अय्यर (49) की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में छह गेंदे शेष रहते न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। केएल राहुल ने भारत के लिए विजयी छक्का लगाया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। विराट कोहली को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

301 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित और गिल ने सधी हुई शुरुआत दिलाई, रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। नौवें ओवर में काइल जैमीसन ने रोहित शर्मा को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 29 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 26 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 118 रन जोड़े। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। 27वें ओवर में आदित्य अशोक ने शुभमन गिल को फिलिप्स के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। शुभमन गिल ने 71 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 56 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और उन्होंने विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़े। इसी दौरान शतक के करीब विराट कोहली जेमीसन का शिकार बन गये। विराट कोहली ने 91 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 93 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में जेमीसन ने रवींद्र जड़ेजा (चार) को भी अपना शिकार बनाकर भारत को चौथा झटका दिया।

42वें ओवर में जेमीसन ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर भारत को संकट में डाल दिया। श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 49 रन बनाये। 47वें ओवर में क्लार्क ने हर्षित राणा को विकेट के पीछे कैच आउटकर कर मैच को रोमांचक मोड़ दे दिया। हर्षित राणा ने 23 गेंदों दो चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 29 रन बनाये। केएल राहुल ने 49वें ओवर में दो चौकों के बाद ओवर की आखिरी गेंद पर विजयी छक्का लगाकर भारत का स्कोर छह विकेट पर 306 कर चार विकेट से जीत दिला दी। केएल राहुल ने 21 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 29 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर सात रन बनाकर नाबाद रहे।

न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन ने चार विकेट लिये। आदित्य अशोक और क्रिस्टियन क्लार्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले सलामी बल्लेबाजों डेवन कॉन्वे (56) और हेनरी निकल्स (62) के अर्धशतकों के बीच 117 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद डैरिल मिचेल के तूफानी 84 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 50 ओवरों में आठ विकेट पर 300 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

मिचेल ने 71 गेंदों में अपनी तूफानी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाये। कॉन्वे ने 67 गेंदों में छह चौके और एक छक्का मारा जबकि निकल्स ने 69 गेंदों में आठ चौके लगाये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये। कुलदीप यादव ने 52 रन देकर एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। 20 ओवरों के बाद भारतीय गेंदबाजों (हर्षित राणा) ने पिच पर जम चुके न्यूजीलैंड के दोनों सलामी हेनरी निकल्स और डेवन कॉन्वे के विकेट झटक कर अपनी टीम की मैच में वापसी कराई। इसके बाद मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन अन्य विकेट लेकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को दबाव में लाकर उनके रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई।

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया गया

मुंबई, एजेंसी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंजरी की वजह से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने पंत की जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया है। जुरेल को टीम में शामिल करने की जानकारी बीसीसीआई ने अपने ‘एक्स’ अकाउंट पर दी है। ऋषभ पंत को शनिवार दोपहर को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी करते समय पेट के दाहिने हिस्से में तकलीफ महसूस हुई थी। पंत को तुरंत स्कैन के लिए ले जाया गया, और पता चला कि विकेटकीपर बल्लेबाज को साइड स्ट्रेन है। इस वजह से उन्हें वनडे सीरीज से बाहर होना पड़ा। बीसीसीआई ने कहा, “पंत को एमआरआई के लिए ले जाया गया, और मेडिकल टीम ने एक एक्सपर्ट के साथ उनके क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल नतीजों पर विस्तृत चर्चा की। पंत को साइड स्ट्रेन है। वह वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयन समिति ने ध्रुव जुरेल को चुना है। जुरेल टीम से जुड़ गए हैं।” पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने से पहले रिकवरी के लिए कुछ दिन आराम करेंगे। ध्रुव जुरेल ने विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की है। 7 मैचों में 90 से ज्यादा की औसत से 558 रन उन्होंने बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 4 अर्धशतक निकले हैं। इसी प्रदर्शन की बदौलत जुरेल वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। 24 साल के जुरेल भारत की तरफ से 9 टेस्ट और 4 टी20 खेल चुके हैं। वनडे में डेब्यू का उन्हें इंतजार है।

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने अपने बल्लेबाजों का किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने अपने बल्लेबाजों का बचाव करते हुए कहा है कि टीम की बल्लेबाजी यूनिट में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं हमारे पास मौजूद बल्लेबाजी लाइन-अप से बहुत खुश हूं।

यह एक शानदार टॉप सात या आठ हैं, जिसमें स्नेह राणा नंबर आठ पर आती हैं। उन्होंने कहा कि यह लाइन-अप पूरे टूर्नामेंट में खूब रन बनाएगी।

दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने पहले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 50 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। नवी मुंबई के डॉ. डी. वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर-ब्रंट ने शानदार अर्धशतक जड़े।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई। चिनले हेनरी ने 33 गेंदों पर 56 रन की तेज पारी खेलकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने कहा कि मुझे लगा कि यह एक बहुत अच्छी विकेट है।

रयान रिकल्टन ने ठोका सीजन का दूसरा शतक

एमआई केपटाउन ने जोबर्ग सुपर किंग्स को हराया

एसए20

- **रिकल्टन 60 गेंद पर 9 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 113 रन पर नाबाद लौटे**

सैंडटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बनाने से चूके रयान रिकल्टन प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। रिकल्टन ने साउथ अफ्रीका टी20 लीग के जारी सीजन में अपना दूसरा शतक ठोकते हुए एमआई केपटाउन को जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ 36 रन से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

वांडरर्स स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एमआई केपटाउन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। रस्सी वान डर डुसेन और रयान रिकल्टन ने टीम को जोरदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 129 रन की तूफानी साझेदारी की। डुसेन 32 गेंद पर 6 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 65 रन बनाकर आउट हो गए। रिकल्टन ने अपना विकेट नहीं गवाया। रिकल्टन 60 गेंद पर 9 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 113 रन पर नाबाद लौटे। उन्हीं की पारी की बदौलत एमआई केपटाउन ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 234 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 14 और करीम जन्नत ने भी 11 गेंद पर 20 रन की पारी खेली।

235 रन का लक्ष्य जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए कहीं से भी आसान नहीं होने वाला था और हुआ भी ऐसा ही। जोबर्ग 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 198 रन की बना सकी और मैच 36 रन से हार गई। जोबर्ग की तरफ से जेम्स विंस ने 43 गेंद पर 77 और डियान फोरेस्टर ने 42 गेंद पर 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से नाबाद 80 रन की पारी खेली, लेकिन माइकल पेप्पर, मैथ्यू डिविलियर्स और वियान मुल्डर की असफलता ने टीम को जीत से दूर रखा। डेवोन फेरेरिया ने 15 गेंद पर 22 रन बनाए। एमआई केपटाउन की तरफ से जॉर्ज लिंडे और कगिसो रबाडा ने 2-2 विकेट लिए। कॉर्बिन बोश को 1 विकेट मिला। रयान रिकल्टन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सीजन के सातवें मैच में एमआई की यह दूसरी जीत थी। टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर

थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालंपुर, एजेंसी। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की। उन्होंने कहा, “कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।”

महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया। वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, “जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।”

चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

मुंबई और कर्नाटक के बीच विजय हजारे क्वार्टर फाइनल में पडिक्कल और सरफराज पर होंगी नजरें

बेंगलुरु, एजेंसी। घरेलू क्रिकेट की दिग्गज टीमें मुंबई और कर्नाटक सोमवार को यहां होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल में जब आमने-सामने होंगी तब सरफराज खान और देवदत्त पडिक्कल से अपनी शानदार फॉर्म को आगे बढ़ाने की उम्मीद होगी।

सोमवार को ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दूसरा क्वार्टर फाइनल उत्तर प्रदेश और सौराष्ट्र के बीच खेला जाएगा। कर्नाटक को ग्रुप चरण के उनके अंतिम लीग मैच में सिर्फ एक ही हार मिली थी। इसके बावजूद टीम को पूरा भरोसा होगा कि वह मुंबई के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पेश करेगी।

देवदत्त पडिक्कल सात पारियों में चार शतक और एक अर्धशतक की मदद से 640 रन के साथ टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह अगर लय बरकरार रखे तो 2027 वनडे विश्व कप की टीम तैयारी कर रहे चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा।

सरफराज खान भी टी20 की अपनी धमाकेदार लय को वनडे क्रिकेट में उतारकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींच रहे हैं। टीम को अंतिम लीग मुकाबले में पंजाब के खिलाफ मिली अप्रत्याशित हार में सरफराज ने पुरुषों की लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा था।

डब्ल्यूपीएल | **यूपी वॉरियर्स को अपने शुरुआती मैच में निराशा का सामना करना पड़ा**

यूपी वॉरियर्स के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी आरसीबी

नवी मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में कड़ी परीक्षा से गुजरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सितारों से सजी यूपी वॉरियर्स के खिलाफ अपनी लय जारी रखने की कोशिश करेगी।

स्मृति मंधाना की अगुआई वाली साल 2024 की चैंपियन टीम ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल स्थिति से उबरते हुए तीन विकेट की जीत दर्ज की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी नादिन डि क्लर्क ने आखिरी चार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। आरसीबी की जीत ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी स्तब्ध कर दिया था।

मंधाना और आरसीबी के लिए वह पल बेहद खास था और टीम डि क्लर्क (नाबाद 63 रन बनाए और चार विकेट) से यूपी वॉरियर्स के खिलाफ भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पिछले मैच में डि क्लर्क के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया था ऐसे में मंधाना चाहेंगी कि वह और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रन बनाने में योगदान दें।

ग्रेस हैरिस, स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता, ऋचा घोष और राधा यादव जैसे खिलाड़ियों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी होगी। वहीं गेंदबाजी विभाग में अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल और राधा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इन सभी ने मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा रन लुटाए थे।

यूपी वॉरियर्स को अपने शुरुआती मैच में निराशा का सामना करना पड़ा, जिसमें सबसे बड़ा झटका ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का खराब प्रदर्शन रहा। डब्ल्यूपीएल नीलामी में 3.2 करोड़ रुपये की सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी रहीं दीप्ति गुजरात जायंट्स के खिलाफ शनिवार को हुए दिन के मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहीं।

यूपी वॉरियर्स 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 रन से हार गई, जिसमें दीप्ति बिना विकेट लिए रहीं और बल्लेबाज़ी में सिर्फ एक रन ही बना सकीं। टीम की नयी कप्तान मेग लैनिंग चाहेंगी कि उनकी स्टार ऑलराउंडर जल्द ही लय में लौटे। इसके अलावा उन्हें शीर्ष क्रम में किरण नवगिरे और हरलीन देओल से ठोस योगदान की उम्मीद होगी।

इस मैच में हालांकि ऑस्ट्रेलिया की युवा खिलाड़ी फोबे लिचफील्ड ने 78 रन की शानदार पारी खेल हार के अंतर को काफी कम किया। उनकी बल्लेबाजी से टीम को कुछ आत्मविश्वास जरूर मिला होगा।

यूपी वारियर्स:

श्वेता सहरावत, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, मेग लैनिंग (कप्तान), फोबे लिचफील्ड, किरण नवगिरे, हरलीन देओल, क्रांति गौड़, आशा शोभना, डायंड्रा डॉटिन, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, चार्ली नॉट, क्लो ट्रायोन, सुमन मीना, जी त्रिशा, प्रतिका रावल।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), लॉरेन बेल, नादिन डि क्लर्क, ऋचा घोष (विकेटकीपर), ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता, गौतमी नाइक, श्रेयंका पाटिल, कुमार प्रथ्योशा, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे, लिंसी स्मिथ, पूजा वस्त्राकर, जॉर्जिया वोल, राधा यादव।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं डार्क सर्कल्स

जिद्दी डार्क सर्कल्स (काले घेरे) से कई लोग परेशान रहते हैं। कई लोगों का मानना है कि डार्क सर्कल्स बढ़ती उम्र की निशानी होते हैं, लेकिन डार्क सर्कल्स केवल आंखों की त्वचा की समस्या नहीं हैं, बल्कि शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं। शरीर की थकावट का सीधा असर आंखों पर पड़ता है और काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। डार्क सर्कल्स को वात और पित के असंतुलन से जोड़कर देखा गया है। शरीर में वात और पित के असंतुलन, रस धातु की कमी, रक्त की अशुद्धि, पाचन शक्ति का कमजोर होना और अत्याधिक तनाव लेने से आंखों के नीचे काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। खराब जीवनशैली और गंदा खान-पान भी इसके मुख्य कारण हैं। आयुर्वेद में डार्क सर्कल्स को कम करने के प्रभावी तरीके बताए गए हैं।

डार्क सर्कल्स का सीधा संबंध शरीर के हाइड्रेशन से होता है। डार्क सर्कल्स को हों इसके लिए पूरे दिन खूब सारा पानी पीएं और शरीर को अंदर से साफ रखें। पेशाब के जरिए शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और शरीर फिल्टर होना शुरू कर देता है। आंखों और चेहरे के निखार के लिए पेट का साफ होना भी जरूरी है। आंतों में फंसी गंदगी शरीर के कई रोगों का कारण बनती है। इसके लिए सुबह खाली पेट आंवला का रस या आंवला चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर गर्म पानी के साथ लें। इससे पेट साफ रहेगा।

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए बाहरी उपाय भी जरूरी हैं। इसके लिए मुलेठी, मंजिष्ठा, गुलाब की पत्तियां और मीठे बादाम के तेल को एक साथ गर्म कर लें और इस मिश्रण को छानकर एक शीशी में भर लें। रात के समय सोने से पहले इस तेल से आंखों के आस-पास मसाज करें। मसाज सर्कुलर मोशन में करें। इससे धीरे-धीरे डार्क सर्कल्स कम होने लगेंगे। इसके अलावा रात के समय ही देसी घी में दो बूंद गुलाब जल मिलाकर भी आंखों के आस-पास मसाज की जा सकती है। इससे आंखों की थकान कम होगी, रक्त संचार बढ़ेगा और झुर्रियां भी कम होंगी इसके साथ ही पूरी नींद लेना जरूरी है। कम से कम 7 घंटे की नींद जरूरी लें और बेवजह के तनाव से बचें। तनाव की वजह से पेट, मन और मस्तिष्क तीनों बुरी तरीके से प्रभावित होते हैं।

गर्म मोजे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं या सिर्फ भ्रम? फिजीशियन ने खोला राज, जानें सच्चाई

क्या गर्म मोजे वास्तव में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं? फिजीशियन बताते हैं कि गर्म मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार नहीं बढ़ाते, बल्कि ठंड में शरीर द्वारा रक्त वाहिकाओं को संकुचित करने से रोककर अप्रत्यक्ष रूप से इसे बेहतर बनाए रखते हैं, खासकर कमजोर ब्लड सर्कुलेशन वाले लोगों और डायबिटिक मरीजों के लिए।

सर्दियों के दौरान सबसे ज्यादा ठंडे हमारे पैर रहते हैं। ठंड के मौसम में अचानक से पैर एकदम ठंडे हो जाते हैं। इसके पीछे डायबिटिक न्यूरोपैथी में होने वाली जलन से लेकर सुन्नपन तक, हमारे पैरों की सेहत हमारे पूरे शरीर की सेहत से गहराई से जुड़ी होती है। इस मौसम में ठंडे पैरों को गर्म रखने के लिए अक्सर लोग घर के अंदर भी गर्म मोजे पहनना पसंद करते हैं। कई लोगों का मानना होता है कि पैरों को गर्म रखने के लिए खून का प्रवाह अपने आप तेज हो जाता है। हालांकि, कुछ लोगों को मानना है कि यह केवल एक मिथ है और गर्म मोजे पहनने से सर्कुलेशन पर कोई असर नहीं दिखता है। आइए आपको बताते हैं पूरी सच्चाई क्या है?

क्या गर्म मोजे पहनने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट ने मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार को नहीं बढ़ाते, लेकिन वे कई तरीकों से इसे बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। ठंड बढ़ने पर शरीर रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है, जिससे पैरों में रक्त प्रवाह कम हो जाता है। ऐसे में गर्म मोजे शरीर से निकलने वाली गर्मी को रोकते हैं, जिससे ब्लड वैसेल्स के अत्यधिक संकुचन की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस तरह वे अप्रत्यक्ष रूप से रक्त संचार को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसलिए ठंड के मौसम में गर्म मोजे एक प्रकार के थर्मल प्रोटेक्शन की तरह काम करते हैं।

गर्म मोजे पहनने के फायदे

- गर्म मोजे पहनने से कई फायदे तो जरूर मिलते हैं, जैसे कि- जिन लोगों का ब्लड सर्कुलेशन कमजोर हो।

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

पसंदीदा खाना भी खाएं और बिंज ईटिंग भी रोकें, जानें स्मार्ट तरीका

अगर आप वेट लॉस पर हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग कहीं ना कहीं आपकी सारी जर्नी को खराब कर सकती है। हालांकि, बिंज ईटिंग कई वजह से हो सकती है, कभी स्ट्रेस, कभी बोरियत, कभी हार्मोन्स तो कभी सामने अपना फेवरिट फूड देखकर रुका ही नहीं जाता। फिर बाद में बस गिल्ट ही होता है।

अमूमन लोग सोचते हैं कि बिंज ईटिंग रोकने के लिए उन्हें अपने फेवरेट फूड्स को खाना बंद करना पड़ेगा। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप अपने फेवरेट फूड से दूरी बनाते हैं तो ऐसे में दिमाग उतना ज्यादा उसी खाने के बारे में सोचता रहता है। फिर क्रेविंग इतनी हाई हो जाती है कि हम कंट्रोल ही नहीं कर पाते। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हों, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपना पसंदीदा खाना खाते हुए भी बिंज ईटिंग को आसानी से मैनेज कर सकते हैं-

खुद को खाने की दें परमिशन

अक्सर यह देखा जाता है कि लोग अपने पसंदीदा खाने से लगातार दूरी बनाते हैं, लेकिन इससे उनका माइंड उसे ज्यादा खाने की इच्छा करता है। इसलिए, खुद को खाने की परमिशन दें। आप अपने पसंदीदा स्नैक का एक छोटा सा हिस्सा जरूर खाएं। जब आपके माइंड को यह लगता है कि उसका पसंदीदा खाना उसके लिए अवेलेबल है तो ऐसे में क्रेविंग अपने आप कम होने लगती है।

स्मार्टली खाएं अपना खाना

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

भूल से भी मील स्किप ना करें

अगर आप वजन कम करने के चक्कर में या फिर अपने कैलोरी काउंट को कम करने के लिए मील स्किप करते हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग और क्रेविंग्स को मैनेज करना काफी मुश्किल होगा। इसलिए, दिनभर में तीन मेन मील्स जरूर लें। साथ में, एक या दो लाइट व हेल्दी स्नैकिंग जरूर करें। जब आप टाइम से अपनी मील्स लेते हैं और वह फाइबर व प्रोटीन रिच होता है तो बिंज ईटिंग की इच्छा नहीं होती है।

एनवायरनमेंट पर भी दें ध्यान

आमतौर पर हम सभी बिंज ईटिंग तब सबसे ज्यादा करते हैं, जब हमें खाना सामने दिखता है। इसलिए, बिंज ईटिंग को मैनेज करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने एनवायरनमेंट को भी हेल्दी बनाओ। जंक व अनहेल्दी फूड को आंखों के सामने से दूर रखो। इसकी जगह किचन में फलों को रखें, जो आपको आसानी से दिख जाएं। साथ ही, आप अपने फेवरेट स्नैक को छोटे पैक में रखें, ताकि आप ओवरईटिंग करने से बच जाएं।

एक महीने चावल छोड़ा, तो शरीर में दिखे ये 3 बड़े बदलाव, आप भी हो जाएंगे हैरान!

एक महीने तक चावल छोड़ने पर शरीर में पांच बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं, जैसे वजन में कमी, शुगर लेवल कंट्रोल, और पेट में हल्कापन। शुरुआती 10 दिनों में ये असर दिखते हैं, हालांकि तीसरे हफ्ते तक चावल की क्रेविंग हो सकती है।

क्या आपने कभी सोचा है कि 1 महीने तक चावल छोड़ने के बाद शरीर पर कैसा प्रभाव होगा। अगर आप एक महीने तक चावल का सेवन नहीं करेंगे तो इसका असर आपके ओवरऑल बॉडी पर जरूर दिखता है। अक्सर होता है कि थकान, चेहरे पर सूजन, अचानक से भूख लगना और हमेशा से सुस्ती महसूस करना कई बार चावल खाने से भी हो सकता है। अगर आप 1 महीने के लिए चावल छोड़ देंगे तो यह आपको काफी आसान लग सकता है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ते गए तो मन में आया कि क्यों न एक कटोरी चावल खा लें। आइए आपको बताते हैं चावल न खाने से क्या होता है।

पहले 10 दिन में दिखेंगे ये असर

चावल छोड़ना इतना आसान नहीं

चावल खाना हर किसी के बेहद पसंद है। तीसरा हफ्ते तक रात में गर्मा-गरम चावल चावल की क्रेविंग्स होने लगती है। चावल की खुशबू याद आने लगती है। चावल न खाने से कई बार मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन तो कभी-कभी बिना वजह गुस्सा, कभी उदासी महसूस होती है।

वजन में तुरंत हल्की कमी

जब पहले हफ्ते में वजन मशीन पर वेट चेक करोगे तो आपको अपना वजन से पहले से कम दिखेगा। क्योंकि चावल में सबसे ज्यादा कार्ब होते हैं, जो शरीर में पानी रोकते हैं। इसे हटाते ही शरीर हल्का होने लगता है।

शुगर लेवल हुआ कंट्रोल

पहले 10 दिन चावल न खाने से आपको आपके शरीर में ब्लड शुगर अचानक से ऊपर-नीचे नहीं होगा। यह शुगल लेवल को कंट्रोल करेगा।

पेट में हल्कापन

जब आप पेट भर के खाना खाते हैं, तो भारीपन जरूर महसूस होता है, हालांकि चावल छोड़ने के बाद पेट एकदम हल्का महसूस होने लगा।

चावल के हेल्दी ऑप्शन

आप चाहे तो चावल के जगह पर क्विनोआ, ओट्स, मल्टीग्रेन दलिया जैसे ऑप्शन अपनाने शुरू किए, तब शरीर में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

- पेट अच्छे से साफ होता है।
- सुबह उठना भी आसान रहता है।
- थकान गायब होने लगी।
- वजन कम होने लगा।

एक महीन के बाद आप शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से हल्का महसूस करेंगे। वहीं, डाइटिशियन ने बताया है कि वैसे चावल सेहत का दुश्मन नहीं है। बस सही मात्रा और सही समय पर खाना जरूरी है।

ठंड में बार-बार बीमार पड़ते हैं, घर पर बनाएं ये जादुई अदरक-लहसुन सूप, डायबिटीज और हार्ट के लिए भी वरदान

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में लोग जल्दी बीमार पड़ते हैं। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होना एक आम समस्या है। इसलिए इम्यूनिटी को बढ़ाना बेहद जरूरी है। हालांकि मार्केट में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ढेर सारी ड्रिंक्स और खाद्य पदार्थ मौजूद हैं। लेकिन बाहर की ड्रिंक्स पीने से अच्छा है कि आप घर पर ही पोषक तत्वों से भरपूर ड्रिंक बनाएं। बता दें कि अदरक और लहसुन का सूप इम्यून सिस्टम को रफ्तार देने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही कुछ अन्य फायदों और इसकी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं अदरक-लहसुन का सूप

अदरक-लहसुन के सूप को घर पर बनाना काफी आसान है।

इस सूप को बनाने के लिए सबसे पहले 5-6 लहसुन की कलियां लें और 2-3 अदरक के छोटे टुकड़े।

अब इन दोनों चीजों को पीसकर पेस्ट बना लें।

फिर गैस पर कढ़ाई चढ़ाकर इसको भूनें और आप चाहें तो इसको घी से भी भून सकती हैं।

अब आप इसमें अपनी पसंदीदा सामग्री जैसे धनिया, गाजर आदि डालें। फिर इसमें जरूरत के हिसाब से पानी डालें और इसको चलाते रहें।

इस सूप को गाढ़ा करने के लिए आप इसमें थोड़ा सा आटा मिलाएं।

फिर करीब 5 मिनट तक इसको चलाएं।

इस आसान विधि से आपका अदरक-लहसुन का सूप तैयार है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक

लहसुन और अदरक दोनों ही इम्यूनिटी को बढ़ाने में काफी कारगर हैं। लहसुन में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी सेप्टिक और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं, जोकि संक्रमण से लड़ते हैं और इम्यून सिस्टम की कार्यक्षमता को बढ़ाने में कारगर है।

वहीं रात के समय लहसुन और अदरक का गर्म सूप पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। अदरक में एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इनको कूटकर पीने से शरीर को जबरदस्त फायदा मिलता है।

हार्ट के लिए हेल्दी

अदरक और लहसुन दोनों ही हृदय के लिए लाभकारी होता है। सूप में अदरक की मात्रा होने से यह सूप एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भर जाता है। जो धमनियों में होने वाली सिकुड़न और कोलेस्ट्रॉल को रोकता है। इस सूप के सेवन से उच्च रक्तचाप की समस्या नहीं होती है और खून भी साफ होता है। लहसुन में पाए जाने वाले पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू रखते हैं और हृदय की कोशिकाओं को भी क्षति पहुंचने से रोकते हैं। इस सूप को नियमित रूप से पीने से हृदय में होने वाली अन्य समस्याओं कोसों दूर रहती है।

डायबिटीज के लिए कारगर

खासतौर पर डायबिटीज के रोगियों को यह सूप पीना चाहिए। इससे उनका ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। अदरक की मात्रा आपके शरीर में बढ़े हुए शुगर लेवल को घटाता है और ए1 सी नामक हीमोग्लोबिन को भी कंट्रोल करती है। इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। वहीं लहसुन टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम करता है। एक रिसर्च के मुताबिक लहसुन का सेवन डायबिटीज के खतरे को कम करता है। यह सूप डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।

तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुई कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ल 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फ्रैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फ्रैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009